राष्ट्रीय हिंदी/अंग्रेज़ी दैनिक

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

नई दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, एनसीआर, नूंह से प्रकाशित | संपादक अभयसिंह सैनी | 9992904845,8059956005

वर्ष : 03 | अंक : 81 | नूंह, रविवार 22 दिसंबर 2024 | आर एन आई नंबर : HARBIL/2022/87426 | मूल्य : 2 रूपए | पेज : 08 | mewatnewsexpress11@gmail.com

केजरीवाल ने किया एक और चुनावी ऐलान, दलित छात्रों के लिए 'डॉ. आंबेडकर सम्मान स्कॉलरशिप' देंगे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी (आप) ने दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले दलित समाज के लिए बड़ी घोषणा की है। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने डॉ. आंबेडकर सम्मान स्कॉलरशिप योजना का ऐलान किया है। पहले भी वे कई लोकलुभावन योजना की घोषणा कर चुके हैं। जिसमें बुजुर्गों के लिए संजीवनी योजना और ऑटोवालों को 5 बड़ी गारंटी, महिला सम्मान योजना आदि शामिल हैं। दिल्ली में केजरीवाल ने डॉ. आंबेडकर सम्मान स्कॉलरशिप योजना का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि जो दलित छात्र विदेश में पढ़ना चाहते हैं उनका सारा खर्चा हमारी सरकारी उठाएगी। इसके लिए हम डॉ. आंबेडकर सम्मान स्कॉलरशिप शुरू करेंगे। दलित समाज का कोई भी बच्चा पैसे की कमी के कारण उच्च शिक्षा से वंचित ना रहे, इसके लिए 'डॉ. आंबेडकर सम्मान स्कॉलरशिप' दी जाएगी। दलित बच्चों का विदेश में पढ़ने का सपना साकार होगा।

जो दलित छात्र विदेश में पढ़ना चाहेंगे उनको मिलेगा योजना का लाभ

साथ ही भाजपा पर बोला हमला

आप ने डॉ. आंबेडकर सम्मान स्कॉलरशिप योजना का ऐलान करते हुए भाजपा पर तंज कसा है। एक्स अकाउंट पर 'भाजपा वालो, तुम बाबा साहेब को गाली दो, मैं उन्हें सम्मान दूंगा। बाबा साहेब को यह मेरी श्रद्धांजलि है। केजरीवाल ने भी इस पोस्ट को अपने एक्स अकाउंट पर साझा किया है।

उधर, दिल्ली में चुनाव से पहले आप को झटका

पूर्व विधायक सहित दो नेता भाजपा में शामिल

दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर सियासी दलों की तैयारी चरम पर है।. इस बीच आगामी चुनाव से ठीक पहले आप को झटका लगा है। लंबे वक्त तक गुरुद्वारा सिख प्रबंधन कमेटी से जुड़े रहे आप नेता बलबीर सिंह शनिवार को भाजपा में शामिल हो गए।

वे दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन समिति के 6 बार सदस्य रहे। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और पार्टी के दिल्ली महासचिव आशीष सूद और केंद्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा की उपस्थिति में भाजपा का दामन थामा। मुंडका से आप के पूर्व विधायक डॉ. सुखवीर सिंह दलाल भी भाजपा में शामिल हो गए।

दलाल का आप पर निशाना

सुखबीर सिंह दलाल ने भाजपा ज्वाइन करने के बाद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए कहा कि वे देहात के नेता हैं और देहात के लिए काम करना चाहते हैं और जब वह आम आदमी पार्टी में थे तो वह स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी के मामले में अरविंद केजरीवाल से मिलने के प्रयास करते थे। विधायक होने के बावजूद भी उनसे केजरीवाल नहीं मिलते थे।

'शराब' ने नहीं छोड़ा केजरीवाल का पीछा

एलजी ने ईडी को दी मुकदमा चलाने की मंजूरी

आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की मुश्किलें बढ़ गई हैं। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को आबकारी नीति मामले में पूर्व सीएम केजरीवाल के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दे दी है। 5 दिसंबर को प्रवर्तन निदेशालय ने केजरीवाल के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी मांगी थी। वहीं आप ने भी भाजपा पर हमला बोला है। आप का कहना है कि ईडी झूठी खबर चला रही है, अगर कोई मुकदमा चलाने की मंजूरी एलजी सक्सेना ने दी है तो हमें कॉपी दिखाओ।

खबर संक्षेप

5 मंजिला इमारत गिरी कई लोग मलबे में दबे

मोहाली। यहां शनिवार शाम बड़ा हादसा हुआ है। मोहाली के सोहाना में एक पांच मंजिला इमारत गिर गई है। इमारत के गिरते ही वहां अफरा-तफरी मच गई। मलबे के नीचे कई लोगों के दबे होने की आशंका है। सूचना मिलते ही पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर पहुंचे हैं। राहत और बचाव का काम चल रहा है।

अल्लू अर्जुन बोले- मेरा चरित्र हनन किया जा रहा

हैदराबाद। अल्लू अर्जुन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि पुष्पा 2 के प्रीमियर में हैदराबाद में भगदड़ के लिए मुझे जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। कुछ लोग जान-बूझकर मेरा चरित्र हनन कर रहे हैं। मैं 20 साल से इंडस्ट्री में हूं। मैंने जो सम्मान, विश्वसनीयता कमाई है, उसे नुकसान पहुंचाया गया है। मैं अपमानित महसूस कर रहा हूं।

हैदराबाद के रेस्टोरेंट में लगी आग

हैदराबाद। यहां के माधापुर इलाके में स्थित 'सत्व नॉलेज सिटी' में एक इमारत की पांचवीं मंजिल में आग लग गई। रंगारेड्डी के जिला अग्निशमन अधिकारी शेख खाजा करीमुल्ला ने बताया कि आग ने छठी मंजिल को भी अपनी चपेट में ले लिया था। दमकल गाड़ियां की 4 गाड़ियों ने आग पर काबू पाया।

पूर्व आईएएस राठौड़ की तलाश की जा रही

जयपुर। भांकरोटा में अजमेर हाईवे पर जयपुर टैंकर एक्सीडेंट हादसे के बाद से पूर्व आईएएस करणी सिंह राठौड़ लापता हैं। वे भांकरोटा कृषि फार्म से सुबह जयपुर लौट रहे थे। राठौड़ का पता लगाने उनकी बेटियों के सेंपल से डीएनए जांच करेगी। सेंपल का मिलान भांकरोटा में दुर्घटना स्थल पर मिले शव के अवशेष की जाएगी।

संसद के बाहर भी सोरोस पर बढ़ी तकरार, भाजपा-कांग्रेस में आर-पार

न्यूयॉर्क में थरूर ने राजीव गांधी फाउंडेशन के सहयोगी सोरोस को डिनर पार्टी में बुलाया था

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी और कांग्रेस सांसद शशि थरूर के बीच 2009 में न्यूयॉर्क में आयोजित एक डिनर को लेकर वाकयुद्ध छिड़ गया है। इस डिनर की मेजबानी पुरी ने की थी, जिसमें अमेरिकी अरबपति जॉर्ज सोरोस भी शामिल थे। भाजपा नेताओं ने थरूर और सोरोस की पिछली मुलाकातों का हवाला देते हुए कांग्रेस और सोरोस के बीच संबंध होने का आरोप लगाया है। पुरी उस समय संयुक्त राष्ट्र में भारत के राजदूत थे।

उन्होंने थरूर पर पलटवार करते हुए कहा कि इस डिनर के लिए मेहमानों की सूची थरूर ने दी थी, जिनमें सोरोस का नाम शामिल था। पुरी ने 'एक्स' पर लिखा, यह स्पष्ट है कि यह नाम राजीव गांधी फाउंडेशन के सहयोगियों में शामिल होने के कारण जोड़ा गया था और राज्य मंत्री (थरूर) उनसे मिलने के इच्छुक थे। पुरी ने यह भी दावा किया कि थरूर ने मई 2009 में सोरोस से मुलाकात की थी और इसके बारे में ट्वीट भी किया था। पुरी ने कहा कि चूंकि मैं उस समय न्यूयॉर्क में नया था और थरूर वहां काफी समय बिता चुके थे, इसलिए मेहमानों की सूची मैंने नहीं चुनी। यह सूची थरूर ने दी थी।

पुरी का दावा — थरूर ने मई 2009 में सोरोस से मुलाकात की थी, ट्वीट भी किया था

कांग्रेस के संबंधों और मुलाकातों पर वाकयुद्ध

15 साल पुरानी बात का पुरी ने किया खुलासा

शशि थरूर।

केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी।

मैं कभी नहीं मिला, फाउंडेशन से संबंध की जानकारी नहीं थी

थरूर ने पुरी के दावों को खारिज करते हुए भाजपा पर आरोपों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करने का आरोप लगाया। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, प्रिय हरदीप, हमारी यादें अलग-अलग हैं। आपके शानदार डिनर में कई ऐसे मेहमान मौजूद थे, जिनसे मैं पहले कभी नहीं मिला था। लेकिन मुझे ऐसा कोई कारण नहीं दिखता कि हम दोनों न्यूयॉर्क या जिनेवा में अपने जीवन के शुरुआती दौर में किसी से भी अपने संपर्कों को नकार दें। थरूर ने पुरी के इस आरोप को भी खारिज कर दिया कि सोरोस का किसी भारतीय फाउंडेशन से कोई संबंध है। उन्होंने कहा कि मुझे इस बात की बिल्कुल जानकारी नहीं थी कि सोरोस का भारत में किसी फाउंडेशन से कोई संबंध है और मैंने इस बारे में उनसे कभी चर्चा भी नहीं की। थरूर ने याद दिलाया कि डिनर के दौरान सोरोस ने ग्लोबल वार्मिंग पर भारत के रुख की आलोचना की थी।

थरूर ने सोरोस को 'पुराना दोस्त' कहकर सराहना की थी

भाजपा कार्यकर्ता द्वारा 2009 के एक ट्वीट को उजागर करने के बाद यह विवाद बढ़ा। इस ट्वीट में थरूर ने सोरस को 'पुराना दोस्त' कहकर भारत में उनकी रुचि की सराहना की थी। थरूर ने स्पष्ट किया कि उनकी सोरस से केवल सामाजिक मुलाकात हुई थी और उसके बाद उनका कोई संपर्क नहीं रहा। थरूर ने लिखा, राजदूत पुरी ने मेरे साथ डिनर पर चर्चा के लिए कई प्रमुख अमेरिकियों को आमंत्रित किया था और यह पूरी तरह से उचित था।" उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वह इस घटना के बाद से सोरोस के संपर्क में नहीं थे और उन्होंने कभी भी उनसे या उनके फाउंडेशन से धन मांगने या प्राप्त करने से इनकार किया।

थरूर ने दी थी मेहमानों की लिस्ट

पुरी ने लिखा कि मैंने उन्हें और उनके साथी को 11 अक्टूबर 2009 को नाश्ते पर और फिर 12 अक्टूबर 2009 की शाम को रात के खाने पर मेजबानी की। चूंकि मैं उस समय शहर में कुछ ही महीने का था, लेकिन डॉ. थरूर ने न्यूयॉर्क में काफी समय बिताया था, इसलिए मैंने डिनर के लिए आमंत्रित लोगों की लिस्ट नहीं चुनी थी। यह मुझे मंत्री थरूर ने दी थी। राजनयिक बिरादरी के सदस्यों के अलावा मैंने लिस्ट में सोरोस का नाम देखा और मुझे सही से याद है कि मैंने इस बारे में तत्कालीन मंत्री के साथ बात की थी, जो मई 2009 में उनसे मिले भी थे और यहां तक कि उन्होंने इसके बारे में ट्वीट भी किया था।

भाजपा और सोरोस का पुराना टकराव

भाजपा पहले भी सोरोस पर पीएम को निशाना बनाने का आरोप लगा चुकी है। भाजपा ने कांग्रेस पर आरोप लगाया है कि उसने सोरोस और उनकी संस्थाओं सो मिलकर भारत में गलत सूचनाएं फैलाने और संसद को बाधित करने का षड्यंत्र रचा है। भाजपा का कहना है कि फ्रांसीसी मीडिया आउटलेट मीडियापार्ट ने सोरोस के संगठन 'ओसीसीआरपी' (आर्गनाइज्ड क्राइम एंड करप्शन रिपोर्टिंग प्रोजेक्ट) की अमेरिकी सरकार से कथित संबंधों का खुलासा किया है, जो इन आरोपों का आधार है।

जयपुर में यूथ कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

आंबेडकर मुद्दे पर सीएम हाउस घेरने की थी योजना

पुलिस और कार्यकर्ता आपस में भिड़े, लाठीचार्ज और गिरफ्तारी

एजेंसी ▶▶ जयपुर

राजस्थान यूथ कांग्रेस ने शनिवार को डॉ.भीमराव आंबेडकर पर की गई टिप्पणी के विरोध स्वरूप मुख्यमंत्री निवास का घेराव करने के उद्देश्य से बड़ा प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी कार्यकर्ताओं ने शहीद स्मारक से मुख्यमंत्री निवास की ओर कूच किया लेकिन पहले से तैयार पुलिस ने बैरिकेड्स लगाकर उन्हें रोक दिया। प्रदेशाध्यक्ष और विधायक अभिमन्यु पूनिया के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पुलिस द्वारा लगाए गए बैरिकेड्स को पार करने का प्रयास किया। जैसे ही पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो प्रदर्शनकारियों ने विरोध किया। तब स्थिति तनावपूर्ण हो गई और प्रदर्शनकारियों ने जबरन सुरक्षा घेरा तोड़ने का प्रयास किया। पूनिया ने इस घटना की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन किया जा रहा है और सरकार जनता की आवाज दबाने का प्रयास कर रही है। पूनिया ने चेतावनी दी उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो प्रदेशभर में बड़े स्तर पर आंदोलन किया जाएगा।

प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर कुर्सियां फेंकी

पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए वॉटर कैनन का इस्तेमाल किया। पानी की तेज धार के बावजूद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पीछे हटने से इंकार कर दिया और पुलिस के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। प्रदर्शनकारियों ने जवाब में पुलिस पर कुर्सियां फेंकी, जिससे माहौल और गरमा गया।हालात काबू से बाहर होते देख पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया, जिसमें कई कांग्रेस नेता घायल हो गए, जिन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया।

लोगों ने कानून हाथ में लिया: पुलिस

पुलिस ने कहा कि यह कदम कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए उठाया गया था। एक अधिकारी ने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने कानून हाथ में लेने की कोशिश की, जिसके चलते वॉटर कैनन और लाठीचार्ज का सहारा लेना पड़ा। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन राजनीतिक माहौल गरमा गया है। कांग्रेस और सरकार के बीच टकराव के चलते आगामी दिनों में और भी प्रदर्शन देखने को मिल सकते हैं।

केरल हाई कोर्ट पहुंचा मामला

प्रियंका की सांसदी को चुनौती संपत्ति की गलत जानकारी दी

एजेंसी ▶▶ तिरुवनंतपुरम

केरल की वायनाड लोकसभा सीट से निर्वाचित कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी की मुश्किलें बढ़ सकती हैं, क्योंकि भाजपा नेता नव्या हरिदास ने केरल हाई कोर्ट में कांग्रेस सांसद के खिलाफ याचिका दायर की है। नव्या ने अपनी याचिका में प्रियंका गांधी की वायनाड लोकसभा सीट से निर्वाचन को चुनौती दी है। याचिका में दावा किया गया है कि उपचुनाव के दौरान नामांकन पत्र में प्रियंका गांधी ने खुद की और अपने परिवार की संपत्ति की सही जानकारी का उल्लेख नहीं किया है। आरोप है कि प्रियंका गांधी ने चुनावी पत्र में गलत आंकड़े बताए हैं। इस बारे में नव्य हरिदास का कहना है कि यह आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन है। उन्होंने इसे भ्रष्ट आचरण करार दिया है। केरल हाईकोर्ट में याचिका दायर होने के बाद अब प्रियंका गांधी की वायनाड से सांसदी सवालों के घेरे में आ गई है।

विभाग बंटे: फडणवीस के पास विधि एवं न्याय, सामान्य प्रशासन होंगे

सीएम ने गृह विभाग अपने पास रखा शिंदे को शहरी विकास, अजित को वित्त

एजेंसी ▶▶ मुंबई

महाराष्ट्र में महायुति की सरकार के मंत्रियों की शपथ के बाद शनिवार को अब उनके विभागों का बंटवारा हो गया है। सीएम देवेंद्र फडणवीस ने गृह विभाग अपने पास रखा है। वहीं डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे को शहरी विकास जबकि उपमुख्यमंत्री अजित पवार को वित्त विभाग दिया गया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गृह मंत्रालय, विधि एवं न्याय, सामान्य प्रशासन, सूचना और प्रचार विभाग अपने पास रखा है। जबकि डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे को शहरी विकास, आवास, सार्वजनिक निर्माण की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा अजित पवार को वित्त के साथ राज्य उत्पाद शुल्क मंत्रालय दिया गया है।

कोकाटे को कृषि विभाग मिला

इसी तरह माणिकराव कोकाटे को कृषि विभाग, हसन मुश्रीफ को मेडिकल एजुकेशन, धनंजय मुंडे को खाद्य, सिविल सप्लाई एवं कंज्यूमर प्रोटेक्शन विभाग, दत्तात्रय भरणे को खेल एवं युवा कल्याण, अल्पसंख्यक विकास और औकाफ, प्रताप सरनाईक को परिवहन विभाग, चंद्रकांत पाटिल को उच्च एवं तकनीकी शिक्षा, गणेश नाइक को वन, दादा भुसे को स्कूल शिक्षा ,उदय सामंत को उद्योग, पंकजा मुंडे को पर्यावरण, अशोक उइके को आदिवासी विकास, आशीष शेलार को आईटी और संस्कृति,अदिति तटकरे को महिला एवं बाल विकास, जयकुमार गोरे को ग्रामीण विकास दिया गया है।

गुजरात के सूरत में कार्रवाई

पुलिस ने जब्त किया 15 किलो सोना और दो लोग गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

गुजरात के सूरत में पुलिस ने वाहनों की जांच के दौरान एक वाहन से 15 किलो सोना जब्त किया है। सोने की बाजार में कीमत करोड़ों में बताई जा रही है। पुलिस ने मौके से दो लोगों को गिरफ्तार भी किया है। आरोपी सोने की इस बड़ी खेप को कपड़ों में छिपाकर जा रहे थे। जब पुलिस ने चेक पोस्ट पर वाहन को रोकर उसकी जांच की तो वाहन के अंदर रखे सोने की ये खेप पुलिस को मिल गई। शुरुआती पूछताछ में गिरफ्ता शख्स ने बताया है कि वे सोने को महिधरपुरा से उंभेल के एक कारखाने में ले जा रहे थे। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि ये सोना आखिर किसका है और ये किस वजह से बताए कारखाने तक ले जाया जा रहा था। गश्त के दौरान सासोरी पुलिस स्टेशन की टीम को सूचना मिली की कुछ लोग सेलेरिया कार से काफी बड़ी मात्रा में सोना लेकर जा रहे हैं। इस दौरान पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

केंद्र ने चुनाव से जुड़े नियमों में किया बदलाव

चुनाव संचालन के नियम, 1961 में संशोधन पर कांग्रेस ने उठाए सवाल

पारदर्शी और खुलापन होना चाहिए

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने शनिवार को चुनाव संचालन नियम, 1961 में संशोधन किया है। चुनाव संचालन नियम, 1961 के पहले नियम 93 (2) (ए) में कहा गया था कि चुनाव से संबंधित अन्य सभी कागजात सार्वजनिक निरीक्षण के लिए खुले रहेंगे। लेकिन अब इलेक्ट्रानिक रिकॉर्ड नहीं दिए जाएंगे। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने एक्स पर लिखा, चुनावी प्रक्रिया में तेज़ी से कम होती सत्यनिष्ठा से संबंधित हमारे दावों का जो सबसे स्पष्ट प्रमाण सामने आया है, वह यही है। पारदर्शिता और खुलापन भ्रष्टाचार और अनैतिक कार्यों को उजागर करने और उन्हें खत्म करने में सबसे अधिक मददगार होते हैं और जानकारी इस प्रक्रिया में विश्वास बहाल करती है।

जयराम बोले इलेक्शन कमीशन की सत्यनिष्ठा प्रभावित हो रही

सभी जानकारी साझा की जानी चाहिए

पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने इस तर्क पर सहमति व्यक्त करते हुए चुनाव आयोग को सभी जानकारी साझा करने का निर्देश दिया। ऐसा जनता के साथ करना कानूनी रूप से आवश्यक भी है. लेकिन चुनाव आयोग फैसले का अनुपालन करने के बजाए जो साझा किया जा सकता है उसकी लिस्ट को कम करने के लिए कानून में संशोधन करने में जल्दबाजी करता है। इस कदम को जल्द ही कानूनी चुनौती दी जाएगी।

महा-विकास अघाड़ी में आई दरार! बढ़ी तकरार

राउत ने बीएमसी चुनाव अकेले लड़ने का दिया संकेत

एजेंसी ▶▶ मुंबई

महाराष्ट्र में सियासी गलियारों में लगातार हलचल मची हुई है। इस बीच, उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के नेता संजय राउत ने संकेत दिया कि उनकी पार्टी मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनाव में अकेले उतर सकती है, हालांकि वे महा विकास आघाड़ी (एमवीए) का साथ नहीं छोड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता बीएमसी चुनाव में अकेले उतरने की मांग कर रहे हैं, क्योंकि इस चुनाव में उम्मीदवारों की संख्या लोकसभा और विधानसभा चुनावों से ज्यादा है। उन्होंने आगे कहा कि उद्धव ठाकरे और अन्य पार्टी नेताओं के बीच इस बारे में बातचीत चल रही है। कार्यकर्ता चाहते हैं कि हम अकेले चुनाव लड़ें।

उद्धव और अन्य पार्टी नेताओं के बीच हमारी बातचीत चल रही

पहले भी लड़ते थे अकेले और...

राउत ने कहा कि मुंबई में शिवसेना की शक्ति अप्रतिबंधित है और अगर उन्हें विधानसभा चुनावों में अधिक सीटें मिलतीं तो वे जीत सकते थे। उन्होंने कहा कि जब अविभाजित शिवसेना भाजपा के साथ गठबंधन में थी, तब भी वे बीएमसी और अन्य स्थानीय चुनावों में अकेले चुनाव लड़ते थे और अब भी इसी तरह से चुनाव लड़ने की कोशिश की जा रही है। पिछले सप्ताह, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा था कि शिवसेना बीएमसी चुनाव महायुति (गठबंधन) के तहत लड़ेगी, जिसमें भाजपा, शिवसेना और एनसीपी शामिल हैं।

2022 के बाद अब तक नहीं हुए चुनाव

शिवसेना ने 1997 से 2022 तक लगातार बीएमसी पर अपना नियंत्रण बनाए रखा था। पिछला मुंबई नगर निगम चुनाव मार्च 2022 में समाप्त हुआ था और अब तक नए चुनाव नहीं हुए हैं।

शरद गुट के जयंत किया सवाल

उन्होंने ऐसा फैसला क्यों लिया?

अब एमवीए का हिस्सा शरद पवार गुट की प्रतिक्रिया सामने आई है। पार्टी प्रदेशाध्यक्ष जयंत पाटील का कहना है कि अगर उन्होंने ऐसा कहा है तो मैं उनसे सवाल करूंगा। पत्रकारों से बातचीत के दौरान जयंत पाटील ने कहा कि मैं उनसे पूछूंगा कि उन्होंने ऐसा फैसला क्यों लिया? मुझे बताया गया है कि उन्होंने कहा कि वे (शिवसेना-यूबीटी) अकेले चुनाव लड़ सकते हैं, न कि वे अकेले चुनाव लड़ेंगे।

27 patients undergoing treatment, 7 critical

Traffic on the Ajmer Highway continues to be heavily congested on Saturday afternoon.

Vikas Sharma

Jaipur

Two more patients injured in the Bhankrota fire tragedy have succumbed to their injuries, bringing the total death toll to 14. Thirteen victims have died at SMS Hospital, while one fatality was reported from Jaipuria Hospital.

SMS Hospital Superintendent Dr. Sushil Bhati said that 13 deaths occurred at the hospital, where 27 patients are still undergoing treatment. Among them, seven patients remain in critical condition on ventilators.

HOSPITAL AWAITS DNA REPORTS

Bhankrota fire tragedy reveals that the identities of five deceased individuals have yet to be established. Samples have been collected from all five deceased, along with samples from three family members who have come forward to claim the bodies. However, the hospital has not yet received the DNA report.

INVESTIGATION COMMITTEE HOLDS FIRST MEETING, REPORT TO BE SUBMITTED SOON

Jaipur: The first meeting of the committee formed to investigate the tragic Bhankrota fire incident was held on Saturday at the RTO office in Jhalana, chaired by RTO Rajendra Singh Shekhawat. In its initial findings, the committee has identified the tanker driver's error as the primary cause of the accident. It was revealed that the driver had collided with an LPG-filled tanker, leading to the catastrophic incident. The meeting also sought detailed information from the National Highways Authority of India (NHAI) on several critical points to further assess the circumstances surrounding the accident. The committee is working on finalising its investigation and will soon submit a comprehensive report to the Transport Secretary. This investigation committee is tasked with conducting a thorough analysis of the accident to prevent such tragedies in the future.

Meanwhile, on the accident site, traffic lights at the U-turn have been repaired, and electric cables are being installed. The burnt vehicles from the fire present a haunting scene, drawing attention from passersby.

HC takes suo motu action on Bhankrota LPG blast

Lalit Sharma

Jaipur

Justice Anoop Dhand of the Rajasthan High Court, taking suo motu cognizance of the Bhankrota LPG blast on the Ajmer-Jaipur Highway, has directed the state government to investigate and take action against negligent officials responsible for the tragedy. The court emphasized that such officials, whose carelessness and incompetence led to the accident, must be penalized following the inquiry. It also instructed the authorities to immediately arrange appropriate compensation for the injured and the families of the deceased.

The court highlighted the necessity of relocating factories and warehouses handling chemicals and flammable materials away from populated areas.

Diya Kumari & Madan Rathore visit SMS hosp, urges focus on prevention

Bureau

Jaipur

Deputy CM Diya Kumari visited SMS Hospital to inquire about the well-being of those injured in the Bhankrota fire incident from outside the ward. She directed doctors to restrict external entry into the burn unit, emphasizing that infection poses the biggest threat. "Saving the 24 patients is our top priority," she said, urging collective efforts.

BJP State Prez Madan Rathore said that he refrained from visiting the patients directly to avoid the risk of infection. He said that the medical arrangements appeared to be good, and the families of the victims are being well taken care of.

Deputy CM Diya Kumari & Madan Rathore visited SMS Hosp to inquire about well-being of those injured in the fire.

FORMER IAS OFFICER KARNI SINGH RATHORE CONFIRMED DEAD IN BHANKROTA ACCIDENT

Karni Singh Rathore, a former IAS officer, was confirmed dead on Saturday in the Bhankrota accident following a DNA match with samples taken from his daughters. Rathore, a 1987 batch officer promoted from RAS, was returning from his farmhouse on Ajmer Road when his Maruti Dzire was discovered burnt, with him missing from the scene. He had retired in December 2008 after serving as Collector of Ajmer and Sri Ganganagar, and later as Project Director of RUIDP. Known for his bold and straightforward approach, Rathore had also held key positions, including Registrar of Rajasthan University, Chairman of Ajmer Vidyut Vitran Nigam, and Excise Commissioner. His untimely death has left the bureaucracy in shock.

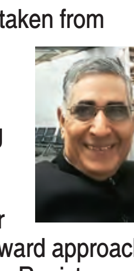

"Gajendra Singh urged people to minimize visits to the hospital, allowing doctors to carry out their work without distractions. He praised CM Bhajan Lal Sharma for his sensitivity in visiting the site."

GAJENDRA SINGH SHEKHAWAT, UNION MINISTER

"Sachin Pilot gathered info about the victims of the Bhankrota fire incident & emphasized need to learn lessons from the tragedy. He called for an impartial investigation & demanded action against responsible officials."

SACHIN PILOT, CONGRESS LEADER

"Former Minister Pratap Singh Khachariyawas in a press conference at Bikaner on the Bhankrota fire incident said, "The Union Minister for Transport has failed to close a dangerous U-turn." He held both the central & state govts accountable for the incident."

PRATAP SINGH KHACHARIYAWAS, FORMER MINISTER

3 notorious cyber fraudsters arrested

CRIME ROUNDUP

Satyanarayan Sharma

Jaipur

In a significant operation, Bajaj Nagar Police Station Incharge Mamta Meena raided a fake call center operating from a flat. The police arrested three notorious cyber fraudsters from the scene. A large sum of Rs 5 lakh in cash, along with several mobile phones, laptops, and IDs of foreign nationals, were recovered. The cyber criminals had been operating from Jaipur, targeting residents of the United States for cyber fraud. For several days, they had been running a call center in the city, defrauding foreign nationals of millions. Currently, the Bajaj Nagar Police are interrogating the criminals.

ILLEGAL DIAMONDS WORTH ₹1.5 CR SEIZED IN BANSWARA

Banswara: Garhi police in Banswara intercepted a private bus and seized illegal diamonds worth approximately Rs 1.5 crore along with Rs 77,370 in cash. The operation led to the arrest of three individuals traveling from Banswara to Himmatnagar, Gujarat, who failed to provide valid documentation for the diamonds and cash. Upon inspection, three suspects—identified as Deepak Parmar, Navdeep, and Sachin—were questioned.

₹ 25L LOOTED FROM BROTHERS, ROBBERS STILL AT LARGE

Barmer: A daring robbery unfolded in Barmer as a group of 4-5 armed robbers looted Rs 25 lakh from two brothers near Manak Hospital in the Kotwali police station area. The incident, which occurred late last evening, has sent shockwaves through the community. The assailants reportedly arrived in a car and used chili powder to temporarily blind the victims before escaping with the cash. Over 12 hours have passed since the crime, but no arrests have been made so far.

SOG ARRESTS 2 WITH 60 KG POPPY HUSK

Bikaner: In a significant operation, the SOG apprehended two individuals and seized 60 kilograms of poppy husk from their SUV. The operation was carried out under the supervision of DIG Paris Deshmukh, with SOG constables Baljeet Singh and Ghanshyam Meena playing pivotal roles in the successful interception. The arrest underscores SOG's continued efforts to combat narcotics trafficking in region.

POLICE BUST GAMBLING RACKET IN NIMBAHERA

Nimbahera police arrested 19 gamblers and recovered Rs 32,080 and some playing cards from them. Those arrested have been identified as Kamal Jain, Saqib Khan, Arjun Singh Rajput, Faisal Khan, Aswad Khan, Airan Khan, Sijan Khan, Alzar Sheikh, Rahul alias Mahavir Bairwa, Mohammad Afaz, Mohammad Arman, Ayan Chhipa, & others.Police are interrogating the arrested accused.

POLICE NAB FOUR IN COW REMAINS DISPOSAL CASE

Jamwaramgarh: The Andhi police have made a major breakthrough in a case involving the illegal disposal of cow remains, successfully apprehending four suspects after a swift and strategic operation. During the operation, one of the suspects sustained injuries after jumping off a bridge in a desperate attempt to escape the police encirclement. The injured individual, along with others requiring medical attention, was promptly taken to the Community Health Centre (CHC. Medical reports indicate that one suspect suffered serious injuries and remains under treatment.

Phalodi mourns the loss of Bhajan icon Rafiq Sagar

Bureau

Phalodi

Rafiq Sagar, a celebrated singer known for his soulful devotional songs and bhajans, has passed away, leaving a profound impact not only in Rajasthan but across India.

His demise has brought sorrow to the music community, particularly in Phalodi, where he was widely admired. Under the guidance of Bhajan Samrat Narendra Thanvi, a group of renowned artists, including Rameshwar Sharma, Bablu Vyas, and Purushottam Thanvi, came together to pay their heartfelt tributes to the late singer, honoring his legacy.

Guv calls for return to natural farming, youth involvement in agri

Governor Haribhau Bagade presents a degree to a student during the convocation of Maharana Pratap Agriculture and Technology University in Udaipur on Saturday.

Vinod Singh Chouhan

Udaipur

Governor Haribhau Bagade said that India is not only a country of sages but also an agricultural nation. He emphasized the crucial importance of agriculture in life, noting that without the agricultural produce of farmers, no one could survive. Discussing Indian agricultural culture, he mentioned that the country produces enough food for 1.46 billion people and has become self-reliant in food production. He urged the university to focus on the welfare of farmers, developing new agricultural technologies.

He spoke about the constant attempts by foreign invaders to destroy Indian culture, but emphasized that Indian culture is resilient and cannot be erased. Referring to several examples from the past, he highlighted tradition of the total guru system in Indian education.

GOVERNOR STRESSES IMPORTANCE OF VETERINARY EDUCATION

Bikaner: Governor Haribhau Bagade laid the foundation stone for various construction works, including the guest house, boundary wall, and roadworks from the college campus to the Shiv temple at Jorji Ka Khera, at the Navania College under the Rajasthan University of Veterinary and Animal Sciences in Bikaner on Saturday. He also launched the university's publication "Footprint." He emphasized the need to make Rajasthan a leader in veterinary and animal sciences education across the country. He stated that the university should work towards improving the proper care, nutrition, and effective marketing of animal and poultry products.

TOURISM BOOM

2 lakh tourists visit Jaipur in 2 days

Nirmal Tiwari

Jaipur

Jaipur is witnessing an increase in tourism as over 2 lakh visitors have flocked to the city in just two days. With the onset of the winter holidays, the city's iconic attractions like Amer Fort, Hawa Mahal, Nahargarh Fort, Jantar Mantar, and Albert Hall are buzzing with tourists. The daily influx has been more than 30,000 tourists for the past two days, and on Saturday, the number is expected to surpass 40,000. Over the next 10 days, this number is expected to rise as tourists flock to Jaipur for its rich cultural heritage and stunning architecture.

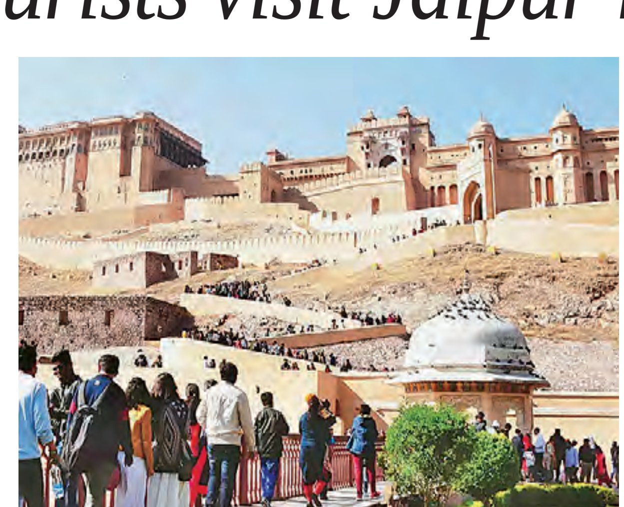

FILE

Wildlife tourism is also at its peak, with popular spots such as Ranthambore, Sariska, Jhalana, and Kumbhalgarh completely packed. The increasing popularity of tiger, leopard, and elephant safaris has brought a renewed vibrancy to the hotel industry, with many places already fully booked.

In Jaipur, visitors are flocking to wildlife attractions like Nahargarh Biological Safari, Lion Safari, and Elephant Safari, making these destinations a hit with tourists.

'Being among former students is an honour'

Laxman Raghav

Bikaner

The 14th Alumni Meet of Government Polytechnic College was held on Saturday. The Chief Guest of the event was Education Minister and former student **Madan Dilawar**. Khajuwala MLA Dr. Vishwanath Meghwal and Bikaner (West) MLA Jethanand Vyas were also present on the occasion. Addressing the gathering, Education Minister Madan Dilawar expressed his gratitude, stating that he feels indebted to the land that nurtured him. He credited his education in this institution for his achievements and congratulated the organizers for maintaining the tradition of reunions. Calling upon young students, the Minister urged them to repay their debt to the land while fulfilling family responsibilities.

कुशल राजनीतिक प्रशासक थे ओमप्रकाश चौटाला: प्रवीण चंद्रा वशिष्ठ

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

गुडगांव। प्रमुख समाजसेवी एवं गौरक्षक प्रवीण चंद्रा वशिष्ठ ने दिवंगत पूर्व मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला को कुशल राजनीतिक प्रशासन बताते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि हरियाणा की राजनीतिक के पुरोधा के रूप में ओमप्रकाश चौटाला ने सदा अपने सिद्धांतों पर राजनीति की। कुशल राजनीतिज्ञ के रूप में वे सदा स्मरण किए जाते रहेंगे। वशिष्ठ ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला की स्मरण शक्ति बहुत तेज थी। किसी से एक बार मिल लेने के बाद वे उस व्यक्ति का चेहरा और नाम नहीं भूलते थे। उम्र के अंतिम पड़ाव पर भी वे राजनीति में सक्रिय रहे। वृद्धावस्था की दहलीज पर पहुंचने के बाद अक्सर व्यक्ति सामाजिक, राजनीतिक जीवन से कट जाता है, लेकिन ओमप्रकाश चौटाला सदैव सक्रिय रहे। उन्होंने जीवन में खूब संघर्ष किए, पर कभी हार नहीं मानी। वृद्धावस्था में भी उन्होंने शिक्षा ग्रहण करके शिक्षा के प्रति अलख जगाकर यह संदेश दिया कि शिक्षा ग्रहण करने की कोई उम्र नहीं होती। हर उम्र के लोगों में ओमप्रकाश चौटाला के लिए विशेष स्नेह और सम्मान रहा। लोगों को अपना बनाने की कला उनमें थी। प्रदेश के साथ-साथ देश की राजनीति में भी उनका विशेष योगदान रहा। उन्होंने शोक संतप्त परिवार से कहा कि दुख की इस घड़ी में पूरा प्रदेश उनके साथ है।

सैक्टर 46 जाट सभा ने अपना वार्षिकोत्सव किया स्थगित

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

गुडगांव। पूर्व मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला के निधन के कारण प्रदेश सरकार द्वारा 3 दिन का राजकीय शोक घोषित किया हुआ है। इसलिए कोई भी मनोरंजन कार्यक्रम नहीं हो सकता। इसी को ध्यान में रखते हुए सैक्टर 46 की जाट सभा ने अपना 2 दिवसीय वार्षिकोत्सव स्थगित कर दिया है। संस्था के प्रवक्ता का कहना है कि शनिवार व रविवार को होने वाले कार्यक्रम पूर्व मुख्यमंत्री के निधन के कारण स्थगित किए जाते हैं। यानि कि कोई भी कार्यक्रम नहीं होगा। आगामी तिथि की घोषणा सभी सदस्यों को विधिवत रुप से दे दी जाएगी। संस्था के सदस्यों ने पूर्व मुख्यमंत्री को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि वह एक कुशल राजनीतिज्ञ प्रशासक थे। उन्होंने सभी समुदायों व प्रदेश हित में कार्य किया। कुशल राजनीतिज्ञ के रुप में भी वह जाने जाएंगे। 5 बार प्रदेश के मुख्यमंत्री भी रहे।

पूर्व मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला के निधन पर जिला अदालत में भी रहा कार्य स्थगित

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

गुडगांव। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला के निधन के कारण शनिवार को जिला अदालत में कार्य स्थगित रहा। जिला बार एसोसिएशन ने प्रस्ताव पारित कर पूर्व मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला को मौन रखकर श्रद्धांजलि दी और ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को अपने चरणों में स्थान दें। जिला बार के सदस्यों ने श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि ओमप्रकाश चौटाला ने कभी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया। वह जहां कुशल राजनीतिज्ञ थे, वहीं बड़े मिलनसार राजनेता भी थे। उन्होंने अपने कार्यकर्ताओं को सदैव सम्मान दिया। विषम से विषम परिस्थितियों में भी वह कभी नहीं डगमगाए। वृद्धावस्था में भी वह राजनीतिक क्षेत्र में सक्रिय रहे। प्रदेश ही नहीं, अपितु देश की राजनीति में भी उनका हस्तक्षेप रहा।

रुपये दोगुने करने का झांसा दे 35 लाख हड़पे

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

अंबाला। कमेटी डालने और बैंक से ज्यादा ब्याज देने का लालच देकर सिकलीगर मोहल्ला निवासी गीता रानी सहित छह दर्जन महिलाओं से 35 लाख की धोखाधड़ी हो गई। पीड़ित महिला ने बताया कि आरोपी महिलाओं ने मिलकर पहले तो थोड़े पैसे मदद के लिए मांगकर झांसे में लिया था। फिर फर्जी तौर पर पैसे डबल करने का झूठा झांसा पैसे हड़प लिए। अंबाला कैंट थाना पुलिस ने बंगाली मोहल्ला निवासी पारुल, बीना, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी निवासी बीना, गाजियाबाद निवासी नीलम व अमित, आरती, काजल उर्फ चारु पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। पीड़िता बोली रु उसके जरिये दूसरी महिलाओं को बनाया शिकार रु शिकायतकर्ता सिकलीगर मोहल्ला निवासी गीता रानी ने बताया कि पति का 2022 में देहांत हो गया था। वह सिलाई कढ़ाई और कपड़े बेचने का काम करती है। आरोपी पारुल और बीना भी उससे कपड़े लिया करती थी। 10 अप्रैल 2022 में पारुल व बीना ने उसे बहाने से पैसे लेने शुरू कर दिए। कमेटी डालने की बात बोलकर दोनों ने झांसे में लिया। समय-समय पर लाखों रुपये लेती रहीं। वह बोली कि वह बैंक से ज्यादा ब्याज और सारी राशि वापस कर देगी। आरोपियों ने इस तरह से झांसे में लिया कि खुद के साथ-साथ अपने अन्य ग्राहकों और जान पहचान के लोगों से भी पैसे लेकर लगवाने शुरू कर दिए। पीड़िता ने कहा कि उसने संतोष कुमारी, शिल्पा, अनीता, शिखा, शिवानी और अन्य लोगों से पैसे लेकर आरोपियों को दिए। इस तरह आरोपियों ने 35 लाख रुपये हड़प लिए। पैसे वापस मांगे तो जान से मारने की धमकियां दे रहे हैं।

कालका-शिमला सेक्शन पर सैलानियों की भीड़

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

अंबाला। विश्व धरोहर कालका-शिमला सेक्शन पर सैलानियों की भीड़ लगातार बढ़ रही है। रेल सेक्शन पर चलने वाली ट्रेनों में वेटिंग का टिकट मिल रहा है। इस कारण मुंबई, गुजरात और देश के अन्य हिस्सों से आने वाले सैलानियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यात्रियों की सुविधा को देखते हुए रेलवे ने उक्त रेल सेक्शन पर चलने वाली ट्रेनों में वेटिंग की स्थिति का आंकलन शुरु कर दिया है। इसके आधार पर ही स्पेशल ट्रेन के संचालन का फैसला रेलवे करेगी। नववर्ष पर बर्फबारी का लुत्फलेने के लिए लगातार सैलानी कालका-शिमला टॉय ट्रेनों की बुकिंग में जुटे हुए हैं। हालांकि उन्हें मायूसी का सामना करना पड़ रहा है। अधिकांश ट्रेनों में कंफर्म टिकटों की बुकिंग हो चुकी है। मौजूदा समय में कालका से शिमला के बीच छह ट्रेनों का संचालन हो रहा है। सभी में ही टिकटों की लंबी वेटिंग है। ट्रेन नंबर 52451 शिवालिक डीलक्स एक्सप्रेस में वेटिंग का आंकड़ा 63 है। इसी प्रकार 52455 हिमालयन क्वीन में 81, 52457 कालका-शिमला में 26, 52443 शिमला हॉलीडे में 12, 52453 कालका-शिमला में 83, 52459 कालका-शिमला में 37 वेटिंग का आंकड़ा पार हो गया है।

नागरिक अस्पताल में जन औषधि केंद्र सोमवार से

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

अंबाला सिटी। जिला अंबाला के नागरिक अस्पताल में आने वाले मरीजों के लिए राहत की खबर है। अब मरीजों को अस्पताल के भीतर ही मेडिकल स्टोर के मुकाबले 50 से 90 प्रतिशत तक सस्ती दवाएं मिलेंगी। सिटी नागरिक अस्पताल में अगले सप्ताह से ही जन औषधि केंद्र खुलने जा रहा है। इसके लिए विभाग की ओर से जगह भी निर्धारित कर दी गई है। अब अस्पताल में आने वाले मरीजों को महंगे दामों पर बाहर से दवा खरीदने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। जन औषधि केंद्र में ही मरीजों को बाहर की दवाएं सस्ते दामों पर मिल जाएंगी। लंबे समय से नागरिक अस्पताल में जन औषधि केंद्र खुलने की मांग जारी थी। पहले यह केंद्र अस्पताल के मुख्य द्वार के पास ही बनने जा रहा था। अब इसे अस्पताल में ही बनाया गया है।

पांच लाख की दवा मंगाई

सिटी नागरिक अस्पताल की ओर से जन औषधि केंद्र के लिए पांच लाख रुपए की दवाओं का आर्डर दे दिया गया है। केंद्र में अस्पताल के कर्मचारी ही दवाओं की बिक्री करेंगे। निर्धारित मूल्यों पर ही अस्पताल में दवाएं मिलेंगी। ये दवाएं बाजार में मिलने वाली दवाओं से सस्ती होंगी। सरकार के वेयरहाउस में कई दवाएं समय पर नहीं आती थी।

25 दिसंबर को होगी जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक: उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा

- बैठक में रखे जाएंगे कुल 15 परिवाद
- हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह करेंगे बैठक की अध्यक्षता

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

नूंह, अभयसिंह सैनी। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने बताया कि 25 दिसंबर को जिला लोक सम्पर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक लघु सचिवालय के सभागार में आयोजित की जाएगी, जिसकी अध्यक्षता हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह करेंगे। उपायुक्त ने बताया कि बैठक में कुल 15 परिवाद रखें जाएंगे जिनका मौके पर ही समाधान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि बैठक में 5 पुराने व 10 नए परिवाद रखें जाएंगे। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए है कि सभी अधिकारी अपने विभाग से संबंधित शिकायत का जवाब अपने

साथ स्वयं लेकर आएं और अपने किसी भी अन्य अधिकारी व कर्मचारी को न भेजे।

कांग्रेस में चुनाव हारने की हताशा: विज

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

अंबाला। हरियाणा के कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने इस प्रकरण पर प्रतिक्रिया देते हुए इसे कांग्रेस की हताशा बताया। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से कांग्रेस में हरियाणा और महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव हारने की हताशा है। उसको स्वीकार करने के बजाय आज तक पूरे संसद के जीवन में इस प्रकार का काम नहीं हुआ होगा।उन्होंने राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि अभी तो सांसदों को मारा है, अगर इनके साथियों ने इसे नहीं रोका तो ये कल को दीवार में भी टक्करें मार सकता है। उन्होंने कांग्रेस की ओर से शिकायत दिए जाने पर भी कहा कि काउंटर ब्लास्ट करने के लिए ये झूठा मामला दर्ज कराया है। इसी प्रकार उन्होंने कांग्रेस को नसीहत देते हुए कहा कि संसद की मर्यादा को बनाए रखें और संसद की मर्यादा को जो नुकसान हुआ है, उसके लिए इनको सारे देश से माफी भी मांगनी चाहिए।

डल्लेवाल की जिम्मेदारी पंजाब सरकार की

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने केंद्र सरकार को किसानों से बात करने की नसीहत दी है। इस पर कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने कहा कि किसान नेता डल्लेवाल की जिम्मेदारी पंजाब सरकार की है। वो पंजाब की धरती पर बैठे हैं, उनको मेडिकल सहायता देना, देख-रेख करना, उनसे बात करना और उनको सहमत कर वहां से उठाना, ये पंजाब के मुख्यमंत्री का दायित्व है। केजरीवाल को बताया ढोंगी आप पार्टी के संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वो बाबा साहब आंबेडकर से आशीर्वाद लेते नजर आ रहे हैं।

स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन में शिक्षक वर्ग का भी रहा बड़ा योगदान: घमंडीलाल अग्रवाल

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

गुडगांव। देश के स्वतंत्रता संग्राम में शिक्षक वर्ग का भी बड़ा सहयोग रहा। शिक्षकों ने अंग्रेजी शासन के खिलाफ युवाओं को एकजुट करने में बड़ी भूमिका निभाई थी। स्वतंत्रता सेनानी व क्रांतिकारी पंडित गेंदालाल दीक्षित की पुण्यतिथि पर उन्हें याद करते हुए साहित्यकार डा. घमंडीलाल अग्रवाल ने कहा कि उनका जन्म 30 नवम्बर 1888 को उत्तरप्रदेश के आगरा जिले में हुआ था। शिक्षा प्राप्त कर वह औरेया जिले में अध्यापक नियुक्त हो गए थे। उन दिनों बंगाल विभाजन का विरोध पूरे देश में चल रहा था, जिसका प्रभाव गेंदालाल पर भी पड़ा। उन्होंने शिक्षित लोगों का एक संगठन बनाया और अस्त्र-शस्त्रों का प्रशिक्षण भी दिया। शिवाजी की भांति छापामार युद्ध में भी वे बड़े निपुण थे। उन्होंने युवाओं को अंग्रेजी साम्राज्य उखाड़ फैंकने के लिए जागरुक भी किया था। अंग्रेजों ने उन्हें गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया था। वह प्रसिद्ध क्रांतिकारी रामप्रसाद बिस्मिल के संपर्क में भी रहे थे। डा. अग्रवाल ने कहा कि गेंदालाल दीक्षित स्वतंत्रता संग्राम के महान योद्धा क्रांतिकारी व उत्कृष्ट राष्ट्रभक्त थे। मैनपुरी षडयंत्र केस में भी उनकी गिरफ्तारी हुई थी और वह जेल से भाग निकलने में सफल हो गए थे। अंग्रेजों ने उन्हें काफी प्रताड़ित किया था, लेकिन उन्होंने कभी हिम्मत नहीं हारी। क्षय रोग के चलते उनका 21 दिसम्बर 1920 को निधन हो गया था। डा. अग्रवाल ने युवाओं से आग्रह किया कि वे गेंदालाल दीक्षित के जीवन से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ें, ताकि देश व समाज तरक्की कर सके। ऐसे महान क्रांतिकारियों को कभी भी भुलाया नहीं जाना चाहिए।

गांधी मैदान में बिछेगा टर्फ, खेले सकेंगे हॉकी

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

अंबाला। गांधी मैदान में खाली जगह पर हॉकी का मैदान बनाया जाएगा। मैदान में टर्फकी लेयर बिछाई जाएगी। यहां खिलाड़ी प्रशिक्षण प्राप्त कर सकेंगे। मौजूदा समय में अंबाला छावनी में टर्फ से सुसज्जित हॉकी का मैदान नहीं है। इस कारण प्रतिभावान खिलाड़ियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। निगम आयुक्त ने बैठक के दौरान उक्त निर्देश नगर परिषद के अधिकारियों को दिए हैं। मैदान में अब किसी प्रकार की वाणिज्यिक गतिविधियां भी नहीं होंगी। हालांकि यहां खादू श्याम महोत्सव के बाद कार्यक्रमों पर पाबंदी लगेगी। जबकि कार्यक्रमों के आयोजन के लिए रामबाग रोड के मैदान को दिया जाएगा क्योंकि यहां वाहनों के पार्किंग के लिए भी काफी जगह उपलब्ध है।

पुलिस ने क्लब में की रेड, धड़ल्ले से चलाया जा रहा था हुक्का बार

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

पंचकूला। पंचकूला के क्लबों में हुक्के की खूब गुड़गुड़ हो रही है और धुएं के छल्ले उड़ाए जा रहे हैं। चंडीगढ़ के अलावा पंचकूला में भी हुक्का परोसने पर पूरी तरह से प्रतिबंध है। बावजूद क्लबों में नियमों की अनदेखी करते हुए युवाओं को हुक्का परोसा जा रहा है। पंचकूला के सेक्टर-9 स्थित वेगास क्लब में अवैध हुक्का बार का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने क्लब में रेड कर क्लब में हुक्का परोसते हुए पकड़ा है। पुलिस ने क्लब के मैनेजर को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार जिले में अवैध हुक्का बार को लेकर सख्त कार्रवाई हुए सेक्टर-5 प्रभारी रुपेश चौधरी की अगुवाई में पुलिस चौकी इंचार्ज पीएसआई गुरपाल सिंह ने सेक्टर-9 स्थित वेगास क्लब में छापामारी की। इस दौरान क्लब में अवैध हुक्के समेत अन्य सामान बरामद किया गया है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि सेक्टर-9 स्थित वेगास क्लब में अवैध तौर पर हुक्का बार चलाया जा रहा है। इस पर पीएसआई गुरपाल सिंह ने टीम के साथ मौके पर पर पहुंचकर छापा मारा। जिस दौरान पुलिस को दो लोगों को हुक्का परोसते तुरंत काबू कर लिया। पूछताछ में उन्होंने अपना नाम सोनू निवासी आशियाना कांप्लेक्स सेक्टर-20 पंचकूला व गौरव शर्मा उर्फपिन्टू निवासी आनंद विहार बलटाना जीरकपुर बताया। पुलिस ने तुरंत दोनों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ केस दर्ज किया है। पूछताछ में सामने आया कि गौरव शर्मा उर्फपिन्टू क्लब का मैनेजर है। पुलिस ने तलाशी के दौरान तीन हुक्के, तीन चिलम, तीन पाइप और फ्लैवर तंबाकू बरामद किए हैं। इस बारे पूछताछ करने पर आरोपी कोई लाइसेंस व परमिट आदि पेश नहीं कर सके। इस मामले पकड़े गए आरोपियों के खिलाफथाना सेक्टर-5 में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

छत्तीसगढ़ में सामाजिक क्रांति व जन जागरण के अग्रदूत थे पंडित सुंदरलाल शर्मा

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

गुडगांव। कवि, सामाजिक कार्यकर्ता, इतिहासकार व स्वतंत्रता-संग्राम सेनानी पंडित सुंदरलाल शर्मा की जयंती पर उन्हें याद करते हुए वक्ताओं ने कहा कि वह छत्तीसगढ़ में जन जागरण तथा सामाजिक क्रांति के अग्रदूत थे। उन्हें छत्तीसगढ़ का गांधी कहा जाता है। उनके सम्मान में उनके नाम पर पण्डित सुन्दरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ की स्थापना की गई है। वक्ताओं ने कहा कि उनका जन्म 21 दिसम्बर 1881 को छत्तीसगढ़ में हुआ था। उन्हें संस्कृत, मराठी, बांग्ला, उड़िया आदि भाषाओं का ज्ञान था। समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने के लिए उन्होंने शिक्षा के प्रचार-प्रसार को आवश्यक समझते हुए जन जागरण अभियान भी चलाया था। उन्होंने हिंदी तथा छत्तीसगढ़ी में 18 ग्रंथों की रचना की थी। सामाजिक चेतना को घर-घर पहुंचाने में उन्होंने बड़ा कार्य किया था। राष्ट्रीय कृषक आंदोलन, मद्यनिषेध, आदिवासी आंदोलन, स्वदेशी आंदोलन में भी उन्होंने बढ़-चढ़कर भाग लिया था। महात्मा गांधी भी उनकी प्रतिभा के कायल थे। असहयोग आंदोलन के दौरान उन्हें जेल यात्राएं भी करनी पड़ी थी। वह जीवन पर्यंत सादा जीवन उच्च विचार के पक्षधर रहे। 28 दिसम्बर 1940 को उनका निधन हो गया था। छत्तीसगढ़ सरकार ने उनकी स्मृति में साहित्य के क्षेत्र में पंडित सुंदरलाल शर्मा सम्मान पुरस्कार देने की घोषणा की हुई है। वक्ताओं ने कहा कि उच्च विचार के आदर्शों का पालन करने वाले पंडित सुंदरलाल शर्मा से देशवासियों को प्रेरणा लेनी चाहिए।

सीटीडी की टीम ने जांची टीबी अभियान की व्यवस्थाएं

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

अंबाला सिटी। जिला अंबाला में बढ़ रहे टीबी मरीजों की जांच के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान का सीटीडी टीम ने निरीक्षण किया। टीम में शामिल सीटीडी की टीम से डॉ धीरज दुम और डॉ सुब्रते पटेल ने जांच अभियान की व्यवस्थाओं को जांचा। सीटीडी की टीम ने शहजादपुर ब्लॉक के धनाना और बेरपुरा में भी दौरा किया।सीटीडी की टीम ने अपनी रिपोर्ट उपायुक्त अंबाला को अपनी आज की विजिट की रिपोर्ट सौंप दी है। टीम के निर्देशों के अनुसार अब विशेष वर्ग के मरीजों को जांच करवाने के लिए अस्पताल या फिर स्वास्थ्य केंद्र के चक्कर काटने नहीं पड़ेंगे। स्वास्थ्य विभाग की टीम जांच करेगी और पुष्टि होने पर उपचार शुरू किया जाएगा।इसके लिए अब स्वास्थ्य विभाग की ओर से तीन एमएमयू वैन लगाई गई हैं। जो ग्रामीण क्षेत्रों सहित निर्माण स्थलों पर जाकर लोगों की जांच करेगी। रोजाना एमएमयू गांव में जाएगी और वहां पर लोगों की स्क्रीनिंग करेगी। दो मोबाइल मेडिकल यूनिट में लैब की व्यवस्था और तीसरी में लैब के साथ-साथ एक्सरे की भी सुविधा दी गई है।

इन श्रेणी के लोगों की होगी स्क्रीनिंग

पिछले पांच साल में टीबी से ठीक हुए, पिछले तीन साल में टीबी मरीज के संपर्क में आए लोग-

60 साल से ज्यादा उम्र वाले लोग धूम्रपान करने वाले लोग, मधुमेह के मरीज, बीएमआई कम वाले मरीज रिहायशी स्कूल में पढ़ने वाले बच्चे, निर्माणाधीन स्थल पर काम करने वाले लोग

टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत यह कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य टीबी जांच की स्क्रीनिंग को बढ़ाना है।

डॉ सीमा, डीटीओ अंबाला।

स्कूल में छुरा घोंपकर युवक की हत्या करने का आरोपी गिरफ्तार, दो दिन के रिमांड पर

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

चरखी दादरी। चरखी गांव स्थित ग्रीन मिडोज स्कूल में चाकू से युवक की हत्याकांड में सदर थाना पुलिस ने एक आरोपी को काबू कर लिया है। आरोपी कर्मबीर उर्फकाली चरखी गांव का रहने वाला है और वारदात में प्रयुक्त छुरा पुलिस शुक्रवार को ही बरामद कर चुकी है। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश कर पूछताछ के लिए दो दिन के रिमांड पर लिया है। डीएसपी सुभाषचंद्र ने शनिवार दोपहर प्रेसवार्ता में आरोपी कर्मबीर को गिरफ्तार करने का खुलासा किया। आरोपी की गिरफ्तारी शुक्रवार शाम की गई। वहीं, इस मामले में अभी पुलिस जांच जारी है। आरोपी से पूछताछ के बाद पता चलेगा कि

हत्याकांड में किसकी क्या संलिप्तता है। डीएसपी ने बताया कि हमले के बाद आरोपी मौके पर ही गिराकर भाग गया था। बता दें कि चिकाड़ा सरपंच विपिन की शिकायत पर सदर थाना पुलिस ने नवीन मौत मामले में चार नामजद व अन्य हत्या का केस दर्ज किया था। शिकायत में सरपंच ने बताया था कि उसका बेटा चरखी स्थित ग्रीन मिडोज स्कूल में पढ़ता है। शुक्रवार सुबह उसकी पत्नी ने बेटे को बस में बैठा दिया और उसी दौरान चालक की लापरवाही से उसकी बेटी बस के नीचे आकर घायल हो गई। वो अपने दोस्तों के साथ ग्रीन मिडोज स्कूल पहुंचा और अध्यापकों से घटना पर बातचीत की। उसी दौरान चरखी गांव निवासी कर्मबीर उर्फकाली व भटू वहां पहुंच गए। कर्मबीर ने उसके दोस्त नवीन पर छुरा से हमला कर दिया और रोहतक में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

शॉल में लिए हुए था छुरा

सूत्रों की मानें तो प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी शॉल ओढ़े हुए था और छुरा उसी में छुपाए हुए था। विवाद होने पर उसने शॉल हटाई और छुरा घोंप दिया। हालांकि अधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है। वहीं, डीएसपी सुभाषचंद्र का कहना है कि आरोपी से गहनता से पूछताछ की जाएगी।

तिरंगे में ओपी चौटाला, हरी पगड़ी और पहनाया चश्मा, अंतिम दर्शन के लिए पहुंचे कई नेता

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

सिरसा। हरियाणा के पांच बार मुख्यमंत्री रहे ओपी चौटाला का पार्थिव शरीर अंतिम दर्शन के लिए सिरसा के डबवाली तेजा खेड़ा फार्म हाउस में रखा गया है। उनका शरीर तिरंगे में लपेटा गया है। उन्हें हरी पगड़ी और चश्मा भी पहनाया गया। जनप्रिय और किसान नेता को श्रद्धांजलि देने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ रही है। विपक्षी पार्टियों के नेता भी उन्हें श्रद्धासुमन देने के लिए पहुंच रहे हैं। ओपी चौटाला के अंतिम दर्शनों के लिए दूसरे राज्यों से भी नेता पहुंचे हैं। इसके अलावा उनके समर्थक, प्रशंसक व चाहने वालों का तांता लगा हुआ है। ओपी चौटाला के नजदीकी गमगीन हैं। कुछ लोगों के आंखों में आंसू हैं। उनके चाहने वालों के लिए यह पल बहुत ही भावुक कर देने वाला समय है। अंतिम दर्शन के लिए पहुंची कुछ महिलाएं अपने आंसू नहीं रोक पाईं। उन्होंने रोते हुए ओपी चौटाला को पुष्प भेंट कर श्रद्धांजलि दी। शनिवार दोपहर में मंत्री अरविंद शर्मा, कांग्रेस सांसद कुमारी सैलजा, रणदीप सुरजेवाला, पूर्व राज्यसभा सांसद डीपी वत्स, राजस्थान के भाजपा नेता राजेंद्र राठौर,

डबवाली से कांग्रेस नेता केवी सिंह, पंजाब के पूर्व वित्तमंत्री भाजपा नेता मनप्रीत बादल, निर्दलीय राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा ने ओपी चौटाला को श्रद्धांजलि दी। वहीं ओपी चौटाला के अंतिम संस्कार में गार्ड ऑफ ऑनर देने पुलिस की टुकड़ी पहुंच गई है। तेजा खेड़ा फार्म हाउस के अंदर और बाहर लोगों की खासी भीड़ लगी हुई है। लंबी लाइन आई नजर नम आंखों से अपने नेता के दर्शन के लिए हजारों की संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। अपने प्रिय नेता के अंतिम दर्शन के लिए लोगों की लंबी लाइन लगी हुई है। हर कोई हाथ जोड़ कर नम आंखों से अपना नेता को विदाई दे रहा है।

बेटे अभय चौटाला ने पिता को किसान-मजदूर वर्ग का मसीहा तो पौते दुष्यंत ने लौहपुरुष बताया

पिता के निधन पर उनके छोटे बेटे अभय चौटाला ने सोशल मीडिया पर लिखा- पिताजी का निधन सिर्फहमारे परिवार की नहीं, बल्कि हर उस व्यक्ति की व्यक्तिगत क्षति है, जिनके लिए उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन समर्पित किया। उनका संघर्ष, उनके आदर्श और उनके विचार हमेशा हमारे दिलों में जिंदा रहेंगे। पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने दादा ओपी चौटाला को लौहपुरुष बताया।

शुक्रवार को गुरुग्राम में ली अंतिम सांस

इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) के अध्यक्ष और हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला (89) का शुक्रवार को गुरुग्राम में निधन हो गया। ओम प्रकाश चौटाला का पार्थिव शरीर तेजा खेड़ा लाया गया। आज दोपहर 3 बजे तेजा खेड़ा में उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

शहरवासियों को स्वास्थ्य सेवाओं के लिए पूरे साल भटकना पड़ा इधर-उधर

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

गुडगांव। प्रदेश सरकार ने प्रदेशवासियों को स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिए कई योजनाएं शुरु की हुई हैं, जिनमें प्रधानमंत्री की महत्वाकांक्षी आयुष्मान भारत योजना को प्रदेश सरकार ने एक अभियान के रूप में चलाया हुआ है। इस योजना को एक अभियान के रुप में प्रदेश सरकार द्वारा चलाया जा रहा है, ताकि आयुष्मान भारत कार्डधारक चिन्हित निजी अस्पतालों में भी अपना उपचार करा सकें। उधर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना चिरायु का भी प्रचार प्रसार हो रहा है। स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर वर्ष 2024 शहरवासियों के लिए कोई ज्यादा अच्छा नहीं रहा। क्योंकि शहर के सिविल अस्पताल को सैक्टर 10 स्थित नागरिक अस्पताल में शिफ्ट किया हुआ है और अन्य विभागों को भी सैक्टर 31 व पालम विहार क्षेत्र में शिफ्ट कर दिया गया जिससे शहरी व ग्रामीण रोगियों को स्वास्थ्य सेवाओं के लिए काफी भटकना भी पड़ रहा है। स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि पुराना सिविल अस्पताल जर्जरावस्था में हो चुका था, इसको तोड़कर नया बनाना है। सिविल अस्पताल की जर्जर हुई इमारत को तोड़ने का कार्य भी जारी रहा, जो अब पूरा हो चुका है। लेकिन पुलिस प्रशासन ने तोड़ी गई इमारत परिसर में निशुल्क वाहन पार्किंग की सुविधा आमजन को उपलब्ध करा दी है। इससे स्पष्ट होता है कि अस्पताल का निर्माण कार्य शीघ्र शुरु होने वाला नहीं है। जो स्वास्थ्य सेवाएं सिविल अस्पताल में एक छत के नीचे लोगों को मिलती थी, वे अब शहर के विभिन्न स्थानों पर बिखर कर रह गईं। यानि कि लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं के लिए कहीं सैक्टर 10 तो कहीं सैक्टर 31 व विभिन्न प्राइमरी हैल्थ सेंटरों पर धक्के खाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। इस सब का लाभ निजी अस्पताल उठा रहे हैं। गुडगांव शहर की आबादी करीब 40 लाख तक पहुंच चुकी है, लेकिन बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का पूरे वर्ष अभाव ही रहा। बताया जाता है कि जब सिविल अस्पताल शहर के बीचोंबीच था, तब प्रतिदिन करीब अढ़ाई हजार रोगियों की ओपीडी होती थी, लेकिन स्वास्थ्य सेवाएं अन्यत्र शिफ्ट हो जाने के बाद ओपीडी भी प्रभावित रही है। वर्ष 2018 में प्रदेश सरकार ने पब्लिक प्राइवेट पार्टनशिप के तहत सैक्टर 10 स्थित सिविल अस्पताल में हार्ट सेंटर व डायलिसिस की सुविधा भी उपलब्ध कराई थी, लेकिन इन दोनों सुविधाओं का प्रचार-प्रसार विस्तृत रुप से नहीं किया गया, जिससे लोगों को सरकार की इन सुविधाओं का लाभ भी पर्याप्त रुप से नहीं मिल पा रहा है। हालांकि स्वास्थ्य सेवाओं के लिए गुडगांव को मेडिकल हब माना जाता है। विदेशों से भी गुडगांव स्थित निजी अस्पतालों में बड़ी संख्या में विदेशी उपचार कराने के लिए आते हैं लेकिन सरकारी अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं का अभाव पूरे साल लोगों को खटकता रहा। यदि कोई गंभीर बीमार, घायल मरीज सरकारी अस्पताल में आता है तो उसे दिल्ली सफदरजंग रैफर कर दिया जाता है। सैक्टर 10 स्थित सिविल अस्पताल में 200 बैड का प्रावधान रखा गया है। जबकि जरुरत इससे कहीं अधिक है। हालांकि सरकार ने सैक्टर 102 में मेडिकल कॉलेज बनाने की घोषणा भी की हुई है। इसी प्रकार बादशाहपुर में अस्पताल बनाने की योजना भी सरकार की है, लेकिन ये कब पूरी होंगी नहीं कहा जा सकता। चिकित्सकों की भी कमी स्वास्थ्य सेवाओं में खलती रही है। हालांकि ग्रामीण क्षेत्र फर्रुखनगर, हेलीमंडी-पटौदी, सोहना में पीएचसी व यूपीएचसी में मरीजों को ओपीडी की बेहतर सुविधाएं मिल रही हैं।

हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी चुनाव, 28 दिसंबर तक भरे जाएंगे नामांकन: डीसी

- निर्धारित प्रक्रिया के तहत पहले तीन दिन नहीं आया कोई नामांकन: त्रिलोक चन्द, रिटर्निंग अधिकारी
- कमेटी के वार्ड 39 गुरूग्राम के सदस्य के लिए होना है आम चुनाव, वार्ड मे गुरूग्राम, झज्जर, रेवाड़ी, चरखी दादरी एवं महेन्द्रगढ़ जिला शामिल

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

गुरूग्राम, मोहित सैनी। डीसी अजय कुमार ने बताया कि हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी वार्ड नं0 39 गुरूग्राम के सदस्य के लिए 19 जनवरी 2025 को आम चुनाव होना है। इस वार्ड मे गुरूग्राम, झज्जर, रेवाड़ी, चरखी दादरी एवं महेन्द्रगढ़ जिला शामिल है। नामांकन आमंत्रित करने के लिए अधिसूचना का प्रकाशन बुधवार, 18 दिसंबर को किया जा चुका है। निर्धारित प्रक्रिया के तहत 28 दिसंबर 2024 तक नामांकन भरे जाएंगे। चुनाव से जुड़ी जानकारी देते हुए वार्ड 39 के रिटर्निंग अधिकारी त्रिलोक चन्द जोकि जीएमसीबीएल के संयुक्त सीईओ भी हैं ने बताया कि नामांकन प्रक्रिया में अभी तक कोई भी आवेदन नही मिले हैं। उन्होंने बताया कि जारी शेड्यूल के तहत नाम निर्देशन पत्र रिटर्निंग अधिकारी-कम सयुंक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी गुरूग्राम / सहायक रिर्टनिंग अधिकारी मेट्रो पोलिटन सिटी बस लिमिटिड नजदीक कादीपुर चौक सैक्टर-10 गुरूग्राम के कार्यालय में कमरा नम्बर 3, कोन्फेस हाल में अभ्यर्थी या (उसके किसी प्रस्थापक द्वारा) किसी भी कार्य दिवस में प्रातः 11.00 बजे से सांय 03.00 बजे तक परिदत्त किए जा सकेगें। उन्होंने बताया कि नाम निर्देशन-पत्र की स्क्रूटनी प्रातः 11 बजे सयुंक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी गुरूग्राम मेट्रो पोलिटन सिटी बस लिमिटिड नजदीक कादीपुर चौक सैक्टर-10 गुरूग्राम के कार्यालय के मिटिंग हाल में की जाएगी। रिटर्निंग अधिकारी ने बताया कि नामांकन के अंतिम तीथि के बाद 30 दिसंबर को नामांकन पत्रों की जांच और छटंनी की जाएगी। इसी प्रकार रिटर्निंग अधिकारी के आदेश में संशोधन के लिए डीसी को आवेदन दायर करने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर 2024 की है। डीसी द्वारा संशोधन आवेदन पर निर्णय 01 जनवरी 2025 को लिया जाएगा। वैध नामांकन पत्रों की सूची का प्रकाशन 01 जनवरी 2025 को किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कोई भी उम्मीदवार 02 जनवरी 2025 तक उम्मीदवारी वापस ले सकते हैं और फिर उसी दिन चुनाव चिह्न दोपहर 03 बजे के बाद आवंटित किए जाएंगे। अगर आवश्यक हुआ तो 19 जनवरी 2025 को हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के चुनाव सुबह 8 बजे से लेकर सायं 5 बजे तक करवाए जाएंगे। मतदान पूरा होने के तुरंत बाद बूथ पर ही मतगणना करवा दी जाएगी।

साहित्यकार महावीर प्रसाद द्विवेदी ने संस्कृत के कई ग्रंथों का किया था अनुवाद: जौहरी

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

गुडग़ांव। प्रसिद्ध साहित्यकार, युगविचारक व रचनाकार महावीर प्रसाद द्विवेदी की पुण्यतिथि पर उन्हें याद करते हुए शिक्षाविद् संदीप जौहरी ने कहा कि उनका जन्म 20 मई 1864 को उत्तरप्रदेश रायबरेली के गांव दौलतपुर में हुआ था। उनकी प्रारंभिक शिक्षा गांव में ही हुई। 13 वर्ष की अवस्था में अंग्रेज़ी पढने् के लिए रायबरेली के एक स्कूल में उन्हें भेज दिया गया। संस्कृत के अभाव में उनको वैकल्पिक विषय फ़ारसी लेनी पड़ी। इसके बाद उन्होंने बम्बई में संस्कृत, गुजराती, मराठी और अंग्रेज़ी का अभ्यास किया। जौहरी ने कहा कि महावीर प्रसाद द्विवेदी की उत्कृष्ट ज्ञान-पिपासा कभी तृप्त न हुई, किन्तु जीविका के लिए उन्होंने रेलवे में नौकरी कर ली। कुछ दिनों तक नागपुर और अजमेर में कार्य करने के बाद वह पुनरू बम्बई लौट आए। यहाँ पर उन्होंने तार देने की विधि सीखी और रेलवे में सिगनलर हो गए। रेलवे में विभिन्न पदों पर कार्य करने के बाद अन्ततरू यह झाँसी में डिस्ट्रिक्ट सुपरिण्टेण्डेण्ट के ऑफ़िस में चीफ़ क्लर्क हो गए। 5 वर्ष बाद उच्चाधिकारी से न पटने के कारण उन्होंने नौकरी से इस्तीफ़ा दे दिया। उन्होंने कहा कि उनकी साहित्य साधना का क्रम सरकारी नौकरी के नीरस वातावरण में भी चल रहा था और इस अवधि में इनके संस्कृत ग्रन्थों के कई अनुवाद और कुछ आलोचनाएँ प्रकाश में आ चुकी थीं। उन्होंने कई पत्र-पत्रिकाओं में संपादन का कार्य भी किया। उनके विचारों और कथनों के पीछे इनके व्यक्तित्व की गरिमा भी कार्य करती थी। वह युग ही नैतिक मूल्यों के आग्रह का था। जौहरी ने कहा कि साहित्य के क्षेत्र में सुधारवादी प्रवृत्तियों का प्रवेश नैतिक दृष्टिकोण की प्रधानता के कारण ही हो रहा था। भाषा-परिमार्जन के मूलों में भी यही दृष्टिकोण कार्य कर रहा था। हिन्दी साहित्य में महावीर प्रसाद द्विवेदी का मूल्यांकन तत्कालीन परिस्थितियों के सन्दर्भ में ही किया जा सकता है। उनके मौलिक और अनुदित पद्य और गद्य ग्रन्थों की कुल संख्या अस्सी से ऊपर है। गद्य में इनकी 14 अनुदित और 50 मौलिक कृतियाँ प्राप्त हैं। मौलिक कृतियाँ कुल 9 हैं, जिन्हें स्वयं तुकबन्दी कहा है। उन्हें विभिन्न पुरुस्कारों से सम्मानित भी किया गया। 21 दिसम्बर 1938 को रायबरेली में उनका निधन हो गया।

छत्तीसगढ़ राज्य की अवधारणा के जन्मदाताओं में से एक थे ठाकुर प्यारेलाल सिंह

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

गुडग़ांव। छत्तीसगढ़ में श्रमिक आंदोलन के सूत्रधार व सहकारिता आंदोलन के प्रणेता ठाकुर प्यारेलाल सिंह की अगुवाई में राजनांदगांव के मिल मज़दूरों ने हड़ताल की थी। हड़ताल सफ्ल होने पर मजदूरों की सभी मांगे मान ली गई। वर्ष 1920 में पहली बार महात्मा गाँधी के संपर्क में आए थे। असहयोग आन्दोलन एवं सत्याग्रह आन्दोलन में उन्होंने सक्रिय भाग लिया तथा गिरफ़्तार होकर जेल भी गए। छत्तीसगढ़ के बुनकरों को संगठित करने के लिए उनके नेतृत्व में छत्तीसगढ़ बुनकर सहकारी संघ की स्थापना हुई थी। प्रवासी छत्तीसगढियों को शोषण एवं अत्याचार से मुक्त कराने की दिशा में वे सदा सक्रिय रहे। गुरुग्राम में निवास कर रहे छत्तीसगढ़ मूल के लोगों ने ठाकुर प्यारेलाल सिंह की जयंती पर उन्हें याद करते हुए कहा कि उनका जन्म 21 दिसम्ब्र 1891 को छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले के गांव दैहान में हुआ था। उनकी प्रारंभिक शिक्षा गांव में हुई, जबकि उच्च शिक्षा के लिए वह रायपुर, नागपुर व जबलपुर गए। वकालत की परीक्षा उत्तीर्ण कर उन्होंने वकालत शुरु कर दी थी। उन्होंने कहा कि 16 वर्ष की आयु में उनकी मुलाकात क्रांतिकारियों से हुई और वह आजादी के आंदोलन में कूद पड़े। महात्मा गांधी के साथ वह कई बैठकों में शामिल हुए। शिक्षा, साहित्य, पत्रकारिता के क्षेत्र में प्रारंभ से ही उनकी गहरी रुचि थी। उन्होंने गांव-गांव घूमकर खादी का प्रचार किया। देश भक्ति और राष्ट्रीयता की भावना उनके नस-नस में समा गई थी। मजदूरों के हितों की रक्षा के लिए भी लड़ाई लड़ी। वह रायपुर नगरपालिका के 3 बार अध्यक्ष निर्वाचित हुए। वह छत्तीसगढ़ राज्य की अवधारणा के जन्मदाताओं में से थे। वर्ष 1954 की 22 अक्टूबर को उनका निधन हो गया।

पटौदी को जिला बनाने के लिए मैंने अपने कार्यकाल में सभी औपचारिकताए पूरी कराई: जरावता

- नगर परिषद पटौदी, मानेसर से चुनाव लड़ाना भाजपा नेतृत्व राव इंद्रजीत और बिमला चौधरी तय करेंगे :जरावता
- मेरा स्थानीय निकाय चुनाव में कोई रोल नही है: जरावता
- कोंग्रेस ने हमेशा बाबा साहब अम्बेडकर का अपमान किया: जरावता
- जरावता ने पूर्व मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला के निधन पर शोक जताया

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

पटौदी, (सैनी)। भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सत्यप्रकाश जरावता ने कहा कि पटौदी को जिला बनाने के लिए उन्होंने सभी औपचारिकताए पूरी कराई थी। सरकार नए जिलों की घोषणा पर सबसे पहले पटौदी को जिला घोषित करें। कांग्रेस ने हमेशा बाबा भीमराव अंबेडकर का अपमान किया। उनके कार्यकाल में मंजूर कराएं गए विकास कार्य प्रगति पर है। वें शनिवार को पटौदी कार्यालय पर प्रैस कांफ्रेंस को संबोधित कर रहें थे। पूर्व एमएलए सत्यप्रकाश जरावता ने कहा कि पटौदी में आयोजित बड़ी रैली में मुख्यमंत्री के समक्ष स्वामी धर्मदेव और उन्होंने पटौदी को जिला बनाने की मांग रखी थी। जिसमें पंचगांव से लेकर धारूहेड़ा तक। तावडू से लेकर पटौदी और फर्रूखनगर को शामिल करना प्रस्तावित था। उन्होंने ग्रेटर गुरुग्राम के नाम से जिला बनाने और जिला मुख्यालय पटौदी में खोलने की मांग रखी थी। लेकिन उनके कार्यकाल में कोई नया जिला बनने की घोषणा नही हुई। इसीलिए पटौदी को जिला बनाने की मांग अधूरी रह गई। मानेसर को जिला बनाने के लिए उन्हें कभी कोई भी ज्ञापन नही दिया गया। नगर निगम, नगर परिषद और नगर पालिकाओं के होने वाले चुनाव को लेकर जरावता ने कहा कि यहां चुनाव लड़ाने का निर्णय भाजपा का शीर्ष नेतृत्व राव इंद्रजीत सिंह और विधायक बिमला चौधरी द्वारा किया जाएगा। उनकी पुत्री कोमलप्रीत के चुनाव लड़ने के प्रश्न पर कहा कि यह पार्टी और कोमल तय करेगी। इसमें मेरा कोई रोल नही है। कांग्रेस ने बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के रहते हुए कभी उन्हें सम्मान नही दिया। संविधान निर्माता की तस्वीर दशकों तक संसद में नही लगने दी। बाबा साहेब को भारत रत्न से दूर रखा गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र की एनडीए सरकार ने बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर को पूरा मान सम्मान दिया। कांग्रेस ने तो बाबा साहब के निधन के बाद दिल्ली में उनके अंतिम संस्कार के लिए दो गज जगह तक नही दी। हिंसा का डर दिखाकर व ब्लैकमेल करके पूना पैक्ट के लिए मजबूर किया। डॉ. अंबेडकर के महाड़ सत्याग्रह और छुआछूत के खिलाफ आंदोलन को कांग्रेस ने समर्थन नही दिया था। डा.भीम राव अम्बेडकर दलितों, आदिवासियों, पिछड़े वर्ग, अल्पसंख्यक और ग़रीबों के मसीहा है। धर्म के आधार पर आरक्षण लागू नही होगा। जरावता ने पूर्व मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला के निधन पर शोक जताया।

जेजेवीएम स्कूल राठीवास में महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की 137वीं जयंति मनाई गई

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

पटौदी, (सैनी)। जीवन ज्योति विद्या मंदिर विद्यालय राठीवास में महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की 137वीं जयंति मनाई गई। राष्ट्रीय गणित दिवस के अवसर पर अंतर विद्यालय प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें अनेक स्कूलों के छात्र छात्राओं ने भाग लिया। इस अवसर पर मेजबान जेजेवीएम स्कूल प्रबंधक यशवीर सिंह ने कहा कि गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन ने स्कूल में ही कॉलेज स्तर का गणित पढ़ लिया था। गणित के अलावा दूसरे विषय में इनका ध्यान नही लगता था। केवल गणित के प्रश्न को हल करते थे।

रामानुजन ने दुनिया को लगभग 35सौ गणित के सूत्र दिए है। जैसे की थ्योरी ऑफमेंबर, रोमन नंबर, हाइपर ज्योमैट्रिक सीरीज, फंक्शनल क्रेश्चन ऑफ़ डाटा। भारत सरकार द्वारा 22दिसंबर 2012 को राष्ट्रीय गणित वर्ष घोषित किया गया था। इसी दिन को राष्ट्रीय गणित दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर आयोजित प्रतियोगिताओं में आदित्य, किशनकांत, प्रिशा, दीक्षा कुमारी, विधि, अनुज कुमार यादव, मनीष कुमार, प्रिया यादव, नितेश व केशव को पारितोषिक देकर सम्मानित किया गया। प्रियंका पब्लिक स्कूल मानेसर, न्यू गैलेक्सी स्कूल नवादा, वीपीएस स्कूल खोह मानेसर, न्यू हिंदी हाई स्कूल बिस्सर अकबरपुर, विकास हाई स्कूल हसनपुर के बच्चों ने प्रतियोगिताओं में बढ़चढ़ कर भाग लिया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक यशवीर सिंह, प्रधानाचार्य करण यादव, रवि यादव, मुन्नीलाल व रणसिंह सहित अन्य प्रमुख लोग उपस्थित थे।

चौधरी ओमप्रकाश चौटाला के निधन से प्रदेश ने किसानों गरीबों की आवाज़ उठाने वाले एक प्रखर राजनेता तथा कुशल प्रशासक खो दिया - ओ पी सिहाग

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

पंचकूला, (संदीप सैनी)। चौधरी ओम प्रकाश चौटाला देश में किसानों,गरीबों, आमजनों एवं मजदूरों की मजबूती एवं निर्भयता से आवाज़ उठाने वाले नेता एवं एक कुशल प्रशासक के रूप में हमेशा याद किए जाएंगे। यह कहना है जजपा के वरिष्ठ नेता ओ पी सिहाग का । उन्होंने कहा कि प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी ओम प्रकाश चौटाला के निधन से प्रदेश में जो क्षति हुई है उसकी पूर्ति करना सम्भव नहीं है । जजपा नेता सिहाग ने कहा कि उनको श्रद्धेय दिवंगत नेता चौधरी ओम प्रकाश चौटाला के सानिध्य में 1987 से लेकर 1990 तक काम करने का अवसर मिला था जब वो लोकदल के मुख्यालय रोहतक में पार्टी के कार्यालय सचिव थे तब चौधरी ओमप्रकाश चौटाला लोकदल के प्रदेशाध्यक्ष थे तथा जब चौधरी ओमप्रकाश चौटाला दिसंबर 1989 में प्रदेश के मुख्यमंत्री बने तो वो उनके अतिरिक्त राजनीतिक सचिव थे। ओ पी सिहाग ने उस वक्त की कुछ बातें साँझा करते हुए कहा कि चौटाला साहब समय के बड़े पाबंद थे तथा सारे साधन उपलब्ध होते हुए भी वो काफी दफा हरियाणा रोडवेज की बसों में भी सफ़र करते थे। सिहाग ने एक बहुत पुराने किस्से को संस्मरण करते हुए बताया कि सितंबर 1988 की बात है मैं माननीय ओम प्रकाश चौटाला के साथ दिल्ली से बस में हिसार आया था तथा उनसे आज्ञा लेकर रात को हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में अपने दोस्तों के पास रुकने चला गया । चौटाला साहब के आदेशानुसार अगली सुबह 8 बजे हिसार बस स्टैंड पहुंचने की बजाय लेट हो गया तथा 8. 30 बजे पहुंचा । सिहाग ने बताया कि उन्होंने मेरा आधे घंटे तक इंतजार किया तथा सिरसा को जाने वाली दो बसें भी छोड़ दी । इतने बड़े नेता का इतना सरल होना वो भी जब प्रदेश में पार्टी की सरकार थी कितनी बड़ी बात थी । उन्होंने बिना नाराज होते मुझे कहा कि ओ पी जिंदगी में समय बहुत क़ीमती होता है उसकी कद्र करना सीखो । सिहाग ने आगे उनके बारे में बात करते हुए बताया कि उनकी जीवन शैली बहुत ही साधारण थी वो सादा तथा सात्विक भोजन करते थे तथा उनका लिबास भी बहुत साधारण धोती कुर्ता होता था । ओ पी सिहाग ने कहा कि उनकी गजब की यादाश्त थी। उनको पार्टी के हज़ारों कार्यकर्ताओं एवं अन्य लोगों के नाम तथा उनके टेलीफोन नंबर तक याद थे। सिहाग ने कहा कि चौटाला साहब पार्टी के तमाम कार्यकर्ताओं को बहुत प्यार करते थे तथा गरीब कार्यकर्ता का हालचाल सबसे पहले पूछते थे। चंडीगढ़ में जब कोई कार्यकर्ता बहुत दूर से उनसे मिलने आता था तो वो सबसे पहले उस कार्यकर्ता का नाम लेकर उस से कुशलक्षेम पूछ कर उसका काम करने की कोशिश करते थे।

आध्यात्मिकता से ही होती है सत्य, असत्य की पहचान: जस्टिस रंजन गोगोई

- न्यायविदों के तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारम्भ हुआ
- विश्व ध्यान दिवस के अवसर पर की गई विशेष ध्यान साधना
- ब्रह्माकुमारीज़ के ओम शांति रिट्रीट सेंटर बहोड़ाकलां में हुआ आयोजन

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

पटौदी, (सैनी)। राज्यसभा सांसद एवं भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्था आध्यात्मिकता के द्वारा विश्व भर के लोगों को प्रेरित कर रही है। वें शनिवार को ब्रह्माकुमारीज़ के ओम शांति रिट्रीट सेंटर बहोड़ाकलां में न्यायविदों के लिए आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहें थे। जस्टिस गोगोई ने स्वस्थ एवं न्याययुक्त समाज के लिए आध्यात्मिक शक्ति विषय पर कहा कि आध्यात्मिक शक्ति के कारण ही ब्रह्माकुमारीज़ संस्था सिंध के एक छोटे से स्थान से आज विश्व के अनेक देशों में व्यापक हो गई है। आध्यात्मिकता जीवन को उपयुक्त लक्ष्य प्रदान करती है। सत्य और असत्य की पहचान आध्यात्मिकता के द्वारा ही होती है। आध्यात्मिकता हमें दिव्य गुणों से भरती है। आध्यात्मिकता से ही प्रशासनिक व्यवस्थाओं में बेहतर सुधार लाया जा सकता है। उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश माननीय बीडी राठी ने कहा कि राजयोग के माध्यम से हम स्वस्थ एवं न्याय सम्मत समाज का निर्माण कर सकते है। ओआरसी की निदेशिका राजयोगिनी आशा दीदी ने संस्था के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि आध्यात्मिकता चुनौतियों का सामना करने की शक्ति प्रदान करती है। प्रकृति के नियमों के साथ खिलवाड़ ही बीमारियों का आह्वान करना है। राजयोगी बीके बृजमोहन ने माउंट आबू से वीडियो कॉन्फ्रेंस के द्वारा सभा को सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि दुःख-अशांति का मूल कारण काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार जैसे मनोविकार है। आध्यात्मिक चेतना के द्वारा ही इन मनोविकारों पर विजय पाई जा सकती है। इस अवसर पर राजयोगिनी बीके पुष्पा दीदी, एडवोकेट बीके लता, सीएजी के उप नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक जयंत सिंहा, आरसीटी के ज्यूडिशियल मेंबर उमेश शर्मा एवं दिल्ली एनसीटी के प्रशासक जनरल एवं आधिकारिक ट्रस्टी सुमित जिड़ानी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। बीके येशु ने मंच संचालन किया। न्याय क्षेत्र से जुड़े 550 से भी अधिक लोगों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

न्यायविदों के लिए ब्रह्माकुमारीज के 3 दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारम्भ

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

गुडग़ांव। ब्रह्माकुमारीज़ लोगों को आध्यात्मिकता के प्रति प्रेरित कर रही है। आध्यात्मिक शक्ति के कारण ही संस्था सिंध के एक छोटे से स्थान से आज विश्व के अनेक देशों में व्यापक हो गई। आध्यात्मिकता जीवन को उपयुक्त लक्ष्य प्रदान करती है। उक्त विचार राज्यसभा सांसद एवं सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई ने धार्मिक संस्था ब्रह्माकुमारीज़ के बिलासपुर क्षेत्र स्थित ओम शांति रिट्रीट सेंटर में न्यायविदों के लिए स्वस्थ एवं न्याययुक्त समाज के लिए आध्यात्मिक शक्ति विषय पर आयोजित 3 दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के शुभारंभ सत्र में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि सत्य और असत्य की पहचान आध्यात्मिकता के द्वारा ही होती है। आध्यात्मिकता हमें दिव्य गुणों से भरती है। आध्यात्मिकता से ही प्रशासनिक व्यवस्थाओं में बेहतर सुधार लाया जा सकता है। संस्था के ज्यूरिस्ट विंग के उपाध्यक्ष व पूर्व न्यायाधीश बीडी राठी ने कहा कि राजयोग के माध्यम से हम स्वस्थ एवं न्याय सम्मत समाज का निर्माण कर सकते हैं। केंद्र की निदेशिका राजयोगिनी बीके आशा ने कहा कि किसी न किसी प्रकार से नियमों के उल्लंघन करने से ही स्वास्थ्य पर भी उनका असर पड़ता है। आध्यात्मिकता चुनौतियों का सामना करने की शक्ति प्रदान करती है। प्रकृति के नियमों के साथ खिलवाड़ ही बीमारियों को आह्वान करना है। संस्था के प्रमुख महासचिव राजयोगी बीके बृजमोहन ने कहा कि दुरूख-अशांति का मूल कारण काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार जैसे मनोविकार हैं। आध्यात्मिक चेतना के द्वारा ही इन मनोविकारों पर विजय पाई जा सकती है। ज्यूरिस्ट विंग की अध्यक्षा राजयोगिनी बीके पुष्पा ने कहा कि एक समय ऐसा भी था, जब भारत में सभी लोग मर्यादित थे। जिसको ही हम स्वर्ग कहते हैं। वहां किसी भी प्रकार के दंड की आवश्यकता नहीं पड़ती थी। आज की स्थिति का मूल कारण ही अमर्यादित समाज है। जिस कारण मूल्यों का ह्रास हो चुका है। आयोजन को ज्यूरिस्ट विंग की राष्ट्रीय संयोजिका एडवोकेट बीके लता, सीएजी के उप नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक जयंत सिंहा, उमेश शर्मा, सुमित जिड़ानी, बीके राजेंद्र आदि ने भी संबोधित किया। विश्व ध्यान दिवस पर सभी ने विशेष ध्यान किया।

निकाय चुनाव के दृष्टिगत मतदाता सूची में संशोधन से संबंधित आपत्तियां दर्ज करवाने में केवल दो दिन शेष: जिला निर्वाचन अधिकारी

- डीसी अजय कुमार ने कहा, सोमवार 23 दिसंबर तक रिवाइजिंग अथॉरिटी अथवा वोटर इन्फॉर्मेशन तथा कलेक्शन सेंटर में दर्ज करवा सकते हैं अपनी आपत्तियां
- अपीलों का निवारण कर 6 जनवरी को प्रकाशित की जाएगी नई अंतिम मतदाता सूची: डीसी

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

गुरुग्राम, मोहित सैनी। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी अजय कुमार ने कहा कि निकाय चुनाव के दृष्टिगत मतदाताओं की वार्डवार सूची प्रकाशित की जा चुकी है। संशोधित सूची तैयार करने के लिए मतदाताओं से 23 दिसंबर तक आपत्तियां आमंत्रित की गई हैं। जिसमें अब केवल दो दिन ही शेष है। डीसी ने बताया कि नगर निगम गुरुग्राम व मानेसर, नगर परिषद पटौदी - जाटौली मंडी और नगर पालिका फर्रूखनगर की आपत्तियों की सुनवाई के लिए उनके द्वारा रिवाइजिंग अथॉरिटी के रूप में सक्षम अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। उन्होंने बताया कि चुनाव प्रक्रिया के संबंध में रिवाइजिंग अथॉरिटी के रूप में नगर निगम गुरूग्राम में 12, नगर निगम मानेसर में 5, नगर परिषद पटौदी - जाटौली मंडी और नगर पालिका फर्रूखनगर में एक - एक सक्षम अधिकारी की नियुक्ति की गई है। इसके साथ साथ नगर निगम गुरूग्राम में 4, मानेसर में 3, नगर पालिका फर्रूखनगर ने 1 व नगर परिषद पटौदी - जाटौली मंडी में 2 वोटर इन्फॉर्मेशन तथा कलेक्शन सेंटर (वीआइसीसी) भी बनाए गए हैं। उन्होंने बताया कि मतदाता सूची में संशोधन के इच्छुक मतदाता स्वयं से संबंधित वार्ड के संबंध में उपरोक्त रिवाइजिंग अथॉरिटी के कार्यालय अथवा वीआइसी सेंटर में अपनी आपत्तियां दर्ज करवा सकते हैं। नगर निगम गुरूग्राम से सम्बंधित मतदाता सूची में आपत्तियां दर्ज करवाने के लिए रिवाइजिंग अथॉरिटी व वोटर इन्फॉर्मेशन तथा कलेक्शन सेंटर की वार्डवार सूची जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि वार्ड संख्या 1,2 व 3 के लिए सिंचाई और जल संसाधन विभाग के एक्सईएन-1 मनीष छिकारा, वार्ड संख्या 4,5 व 6 के लिए एचएसवीपी के एस्टेट ऑफिसर -1 विकास ढांडा, वार्ड संख्या 7, 17 व 24 के मतदाता डीडीपीओ नवनीत कौर, वार्ड संख्या 8,9 व 10 के लिए कृषि विभाग के उपनिदेशक अनिल तंवर, वार्ड संख्या 11,12 व 13 के लिए एसडीएम गुरूग्राम रविंद्र कुमार, वार्ड संख्या 14, 15 व 16 के लिए जीएमडीए के जॉइंट सीईओ राजेश कुमार, वार्ड संख्या 18, 19 व 20 के लिए सोहना के एसडीएम होशियार सिंह, वार्ड संख्या 21, 22 व 23 के लिए बादशाहपुर के एसडीएम अंकित चोकसे, वार्ड संख्या 25, 26 व 27 के लिए अडिशनल लेबर कमिश्नर कुशल कटारिया, वार्ड संख्या 28, 29 व 30 के लिए सीईओ जिला परिषद जगनिवास, वार्ड संख्या 31, 32 व 33 के लिए डीआरओ नरेश जोयल व वार्ड संख्या 34, 35 व 36 के लिए चीफप्रोटोकॉल ऑफिसर अनुपमा मलिक के कार्यालय में सोमवार 23 दिसंबर तक आपत्तियां दर्ज करवाई जा सकती हैं। डीसी अजय कुमार ने बताया कि मतदाताओं की सुविधा के लिए निगम के चारों जोन में वोटर इन्फॉर्मेशन तथा कलेक्शन सेंटर भी बनाए गए हैं। उन्होंने बताया कि वार्ड संख्या 6,7,8,9,10, 28,29,30,32,33 व 34 की मतदाता

सूची में संशोधन के इच्छुक मतदाता नगर निगम गुरूग्राम के पुराने कार्यालय में जॉइंट कमिश्नर-1 तथा वार्ड संख्या 2,3,4,5,25,26,27,31,35 व 36 के मतदाता नगर निगम गुरूग्राम के पुराने कार्यालय में जॉइंट कमिश्नर-2 के ऑफिस में बनाए गए वोटर इन्फॉर्मेशन तथा कलेशन सेंटर में संपर्क कर सकते हैं। इसी प्रकार वार्ड संख्या 1,12,13,14,21,22,23 व 24 के मतदाता सेक्टर 42 स्थित नगर निगम गुरूग्राम के कार्यालय में जॉइंट कमिश्नर-3 तथा वार्ड संख्या 11, 15 से 20 के मतदाता सेक्टर 34 स्थित निगम कार्यालय में स्थित जॉइंट कमिश्नर-4 में बनाए गए वोटर इन्फॉर्मेशन तथा कलेक्शन सेंटर में संपर्क कर सकते हैं नगर निगम मानेसर से सम्बंधित मतदाता सूची में आपत्तियां दर्ज करवाने के लिए रिवाइजिंग अथॉरिटी व वोटर इन्फॉर्मेशन तथा कलेक्शन सेंटर की वार्डवार सूची जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि वार्ड संख्या1,2,3 व 4 के लिए जीएमसीबीएल के जॉइंट सीईओ, वार्ड संख्या 5,6,7 व 8 के मतदाता सिंचाई और जल संसाधन विभाग के एक्सईएन-2, वार्ड संख्या 9,12,13 व 14 के मतदाता जिला बागवानी अधिकारी, वार्ड संख्या 10,11,16 व 17 के मतदाता जीएम रोडवेज तथा वार्ड संख्या 15,18,19 व 20 के मतदाता पशुपालन विभाग के उपनिदेशक कार्यालय में सोमवार 23 दिसंबर तक आपत्तियां दर्ज करवाई जा सकती हैं। डीसी अजय कुमार ने बताया कि मतदाताओं की सुविधा के लिए मानेसर निगम में भी तीन स्थानों पर वोटर इन्फॉर्मेशन तथा कलेक्शन सेंटर बनाए गए हैं। उन्होंने बताया वार्ड संख्या 1 से 4, 6,19 व 20 के मतदाता नवादा स्थित निगम कार्यालय, वार्ड संख्या 10 से 12 व 14 से 16 के मतदाता आईएमटी सेक्टर 8 स्थित टैक्सेशन कार्यालय में एवं वार्ड संख्या 5,7,8,9,13,17 व 18 के मतदाता मानेसर तहसील के निकट एचएसआईडीसी कार्यालय में बनाए गए वोटर इन्फॉर्मेशन तथा कलेक्शन सेंटर में संपर्क कर सकते हैं डीसी ने बताया कि नगर पालिका फर्रूखनगर की मतदाता सूची में संशोधन के लिए तहसीलदार फर्रूखनगर कार्यालय अथवा नगर पालिका कार्यालय में बनाए गए वोटर इन्फॉर्मेशन तथा कलेक्शन सेंटर। नगर परिषद पटौदी - जाटौली मंडी के मतदाता एसडीएम कार्यालय पटौदी अथवा नगर पालिका पटौदी व हेलीमंडी कार्यालय में बनाए गए इन्फॉर्मेशन तथा कलेक्शन सेंटर में अपनी आपत्तियां दर्ज करवा सकते हैं। डीसी ने बताया कि हरियाणा म्यूनिसिपल कारपोरेशन चुनाव नियम, 1994 के तहत 27 दिसंबर तक दावे और आपत्तियों के तौर पर जमा हुए सभी आवेदनों का सक्षम अधिकारियों द्वारा निपटारा किया जाएगा। मतदाता को किसी निर्णय पर आपत्ति है तो वह 31 दिसंबर तक डीसी के समक्ष अपील कर सकता है। इन अपीलों का निवारण 3 जनवरी, 2025 तक कर दिया जाएगा। इसके बाद 6 जनवरी को नई मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा।

दिल्ली-नोएडा डायरेक्ट फ्लाईवे पर टोल टैक्स बंद, सुप्रीम कोर्ट का फैसला

नई दिल्ली ।

दिल्ली-नोएडा डायरेक्ट (डीएनडी) फ्लाईवे पर टोल टैक्स नहीं लगेगा। सुप्रीम कोर्ट ने इस संबंध में एक महत्वपूर्ण फैसला दिया है। एक याचिका के आधार पर जिसमें इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ जायजा लिया गया था। याचिका के अनुसार इलाहाबाद हाई कोर्ट के 2016 के आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें फ्लाईवे को टोल फ्री करने का सुझाव दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने नोएडा प्राधिकरण उत्तर प्रदेश और दिल्ली की सरकारों को भी फटकार लगाई, क्योंकि वे अवैध रूप से इस परियोजना को नोएडा टोल ब्रिज कंपनी लिमिटेड (एनटीबीसीएल) को सौंप दिया था। सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां ने कहा कि टोल वसूलने की कोई वजह नहीं है और एनटीबीसीएल को लागत से अधिक धन वसूलने की अनुमति नहीं है। उन्होंने टॉल वसूलने की प्रक्रिया पर सख्त टिप्पणी की और कहा कि एनटीबीसीएल ने जनता की पीड़ा के बदले अनुचित लाभ हासिल किया। सुप्रीम कोर्ट ने भ्रष्टाचार के आरोपों के साथ एनटीबीसीएल के साथ अनुबंध को भी मंजूरी दी, जिसके तहत एनटीबीसीएल ने परियोजना की लागत से कहीं अधिक धन वसूला था। कोर्ट ने कहा कि यह तब तक संभव नहीं था जब तक राज्य सरकारों और नोएडा के अधिकारियों की मिलीभगत न होती, जिन्होंने अनुबंधीय दायित्वों को नजरअंदाज किया। इस नई फैसले के साथ, दिल्ली-नोएडा डायरेक्ट फ्लाईवे को टोल-फ्री घोषित कर दिया गया है, जिससे लोगों को सड़क यातायात में अधिक सुविधा होगी।

भारतीय सीमेंट इंडस्ट्री को 2025 में मजबूती की उम्मीद: रिपोर्ट

- अक्टूबर-नवंबर के दौरान सीमेंट इंडस्ट्री में सालाना आधार पर 3-5 प्रतिशत की वृद्धि हुई

मुंबई ।

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (एमओएफएसएल) ने जारी की गई रिपोर्ट में बताया कि भारतीय सीमेंट इंडस्ट्री को वित्त वर्ष 2025 की दूसरी छमाही में मजबूत सुधार देखने की उम्मीद है। इसमें मांग, सरकारी पूंजीगत व्यय में उछाल और रियल एस्टेट तथा आवास क्षेत्रों में निरंतर गति का भी जिक्र है। रिपोर्ट के अनुसार अक्टूबर-नवंबर 2024 के दौरान सीमेंट इंडस्ट्री में सालाना आधार पर 3-5 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो दौरानिक चुनौतियों के बावजूद बेहतर हासिल हुई। नवंबर में भी 20-22 प्रतिशत की शानदार वृद्धि दर्ज की गई। वित्त वर्ष 2025 की दूसरी छमाही के लिए रिपोर्ट में मात्रा में 8-9 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान दिया गया है। वित्त वर्ष 2026 की शुरुआत के दौरान भी मजबूत रहने की उम्मीद है। इस सेक्टर में अंबुजा सीमेंट्स (एसीईएम) ने अपना सर्वोच्च पसंद दर्ज कराया है। सीमेंट की कीमतें नवंबर में मासिक आधार पर काफी हद तक स्थिर रहीं। इस समय ईंधन की कम कीमतों से वित्त वर्ष 2025 की दूसरी छमाही में सीमेंट स्प्रेड में 25-30 रुपये प्रति टन की वृद्धि की उम्मीद है।

इसके साथ ही प्रति टन एबिटा में 23 प्रतिशत की वृद्धि का भी अनुमान है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय सीमेंट क्षेत्र मजबूत मांग बुनियादी ढांचे और बेहतर लागत संरचनाओं के साथ संरचनात्मक रूप से लचीला बना रहेगा। इसका मतलब है कि सीमेंट इंडस्ट्री के आगे के दिनों में नए दौर की शुरुआत होने की उम्मीद है।

कैबिनेट समिति ने कोपरा का एमएसपी बढ़ाकर 12,100 रुपए प्रतिक्विंटल किया

- किसानों को कोपरा उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित मिलेगा

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने किसानों के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। आर्थिक मामलों पर कैबिनेट समिति ने 2025 विपणन सत्र के लिए उचित औसत गुणवत्ता वाले मिलिंग कोपरा और बॉल कोपरा के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में बड़ी वृद्धि की है। इस फैसले के अनुसार, मिलिंग कोपरा का एमएसपी 11,582 रुपये प्रति क्विंटल और बॉल कोपरा का एमएसपी 12,100 रुपये प्रति क्विंटल किया गया है। यह निर्णय न केवल नारियल उत्पादकों को बेहतर लाभ पहुंचाएगा, बल्कि किसानों को कोपरा उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित भी करेगा। मूल्य समर्थन योजना के तहत केन्द्रीय नोडल एजेंसियों के माध्यम से कोपरा और छिलका रहित नारियल की खरीद की जाएगी। इसका मुख्य उद्देश्य है कि किसानों को अच्छे मूल्य मिलें और वितरण में समाज के कमजोर वर्गों को सस्ती कीमत पर लाभ पहुंचाया जा सके। केंद्र सरकार किसानों के लिए धान, मोटे अनाज और गेहूं के मूल्य समर्थन भी प्रदान कर रही है। निर्धारित विनिर्देशों के अनुसार सभी खाद्य अनाज को सार्वजनिक खरीद एजेंसियों द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदा जाएगा। इसके साथ ही किसानों को उनकी उपज को एफसीआई/राज्य एजेंसियों को एमएसपी पर या खुले बाजार में बेचने का विकल्प भी उपलब्ध होगा। इस नए निर्णय से किसानों को अधिक उत्साह मिलेगा और उन्हें अधिक लाभ पहुंचेगा। यह सरकार के पक्षपात और किसानों के हित के दरमियान संतुलन स्थापित करेगा।

भारत की फार्मा इंडस्ट्री मात्रा के हिसाब से दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी इंडस्ट्री

केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने बताया

नई दिल्ली ।

केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा कि भारत की फार्मा इंडस्ट्री मात्रा के हिसाब से दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी इंडस्ट्री है। इतना ही नहीं वित्त वर्ष 2023-24 में फार्मास्युटिकल बाजार का मूल्य 50 बिलियन डॉलर हो गया है। राज्यसभा में लिखित उत्तर में केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 में फार्मास्युटिकल मार्केट का घरेलू उपभोग मूल्य 23.5 बिलियन डॉलर और निर्यात मूल्य 26.5 बिलियन डॉलर रहा। यह उत्पादन के मूल्य के मामले में भी 14वें स्थान पर है, जिसमें जेनेरिक दवाएं, बल्क ड्रग्स, ओवर-द-काउंटर दवाएं, टीके, बायोसिमिलर और बायोलॉजिक्स शामिल हैं।

राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी 2024 के अनुसार, वित्त वर्ष 2022-23 के लिए स्थिर मूल्यों पर फार्मास्यूटिकल्स, औषधीय और बोटैनिकल प्रोडक्ट के लिए कुल उत्पादन 4,56,246 करोड़ रुपये है, इसमें से 1,75,583 करोड़ रुपये वैल्यू एडेड है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान फार्मास्यूटिकल्स, औषधीय और बोटैनिकल प्रोडक्ट उद्योग में 9,25,811 लोग लगे हुए थे। इस बीच, राज्य मंत्री ने बताया कि फार्मास्यूटिकल्स विभाग ने राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों के रूप में सात राष्ट्रीय फार्मास्यूटिकल शिक्षा और अनुसंधान संस्थान (एनआईपीईआर) स्थापित किए हैं। ये संस्थान स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट की शिक्षा प्रदान करते हैं, साथ ही विभिन्न फार्मा विशेषज्ञताओं में उच्च स्तरीय शोध भी करते हैं। इसके अलावा, विभाग ने फार्मास्यूटिकल्स और चिकित्सा उपकरणों में रिसर्च, विकास और इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए एक राष्ट्रीय नीति भी तैयार की है।

तीसरी तिमाही के नतीजे कमजोर होने की आशंका से शेयर बाजार में घबराहट

5 दिन में 4092 अंकों की गिरावट से शेयर बाजार आईसीयू में

मुंबई ।

दिसंबर माह में समाप्त होने वाली तीसरी तिमाही के कमजोर नतीजे को लेकर शेयर बाजार का ब्लड प्रेशर बढा हुआ है। दिसंबर माह में शेयर बाजार की जो स्थिति है। वह जुलाई और सितंबर तिमाही के नतीजे के कारण है। जब दिसंबर में समाप्त होने वाली तीसरी तिमाही के नतीजे आएंगे। तब शेयर बाजार में और भी बड़ी उथल-पुथल होने की संभावना आर्थिक विशेषज्ञों द्वारा जताई जा रही है। जिस तेजी के साथ शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिल रही है। उसका सिलसिला जल्द थमेगा, ऐसा दिखता नहीं है सिर्फ 5 दिनों में शेयर बाजार में 4092 अंक की गिरावट आई है। हाल ही के महीने में जो आर्थिक आंकड़े सामने आ रहे हैं। वह जीडीपी के हों, या महंगाई के सभी ओर से नकारात्मक आंकड़े मिल रहे हैं।

डॉलर के मुकाबले रुपया बहुत कमजोर हो चुका है। आयातित सामान मे अब और ज्यादा पैसा भारत को खर्च करना पड़ेगा। जिसके कारण भारत में महंगाई बढ़ने की आशंका बन गई है। आर्थिक विशेषज्ञों के अनुसार लगभग 6 माह तक शेयर बाजार की यही स्थिति बनी रह सकती है। केंद्र सरकार के बजट आने के बाद और केंद्र सरकार द्वारा इस स्थिति से निपटने के लिए कौन से प्रयास किये जा रहे हैं। उसको देखने के बाद ही शेयर बाजार के बारे में कुछ कहा जा सकता है। आर्थिक विशेषज्ञों की माने, तो अभी शेयर बाजार भगवान भरोसे है।इस तरह की गिरावट इसके पहले कभी नहीं देखी गई। बिकवाली और आर्थिक मंदी के कारण शेयर बाजार का ब्लड प्रेशर बढ़ा हुआ है। आने वाले दिनों में शेयर बाजार में कुछ भी हो सकता है। इसका असर बैंकों और बीमा क्षेत्र में भी पडने की संभावना जताई जा रही है।भारत की आर्थिक स्थिति 2008 की अमेरिका की आर्थिक मंदी जैसी स्थिति में पहुंचती हुई दिख रही है। जिसके कारण आर्थिक जगत में घबराहट मची हुई है।

गूगल ने 10 फीसदी कर्मचारियों की छंटनी की घोषणा की

- कंपनी की परिचालन दक्षता को बढ़ाने के लिए लिया फैसला

नई दिल्ली । सीईओ सुंदर पिचाई ने गूगल में 10 फीसदी कर्मचारियों की छंटनी की घोषणा की है। इसका उद्देश्य संगठनात्मक पुनर्गठन कर कंपनी की परिचालन दक्षता को बढ़ाना है। यह पहली बार नहीं है जब गूगल ने ऐसा कदम उठाया है। इस बार कंपनी ये छंटनी मैनेजमेंट रोल से कर रही है। उन्होंने बताया कि इसका मुख्य उद्देश्य प्रोडक्टिविटी बढ़ाना है। पहले गूगल ने 6 फीसदी कर्मचारियों की छंटनी की थी। इन परिवर्तनों के साथ तकनीकी दिग्गज उत्पादकता में सुधार के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता में निवेश के तरीके और संचालन को अधिक अनुकूलित करने की खोज कर रहे हैं। गूगल का रीस्ट्रक्चर, दूसरे तकनीकी दिग्गजों को भी प्रेरित कर रहा है। इस नए दौर में गूगल की योजनाएं अदभुत उच्चतम तकनीकी मानकों को अपनाने के लिए दरारबंदी को पुनर्योजित करने की ओर बढ़ रही है।

टाटा मोटर्स और बजाज ऑटो को पीछे छोड़ा जोमैटो ने

मुंबई । फूड डिलीवरी एग्रीगेटर जोमैटो ने टाटा मोटर्स और बजाज ऑटो को पछाड़ दिया है। जोमैटो 30 कंपनियां वाली सूची में 27 नंबर पर पहुंच गई है। इन दोनों दिग्गज कंपनियों से जोमैटो का मार्केट कैप बड़ा हो गया है।जोमैटो 2.78 लाख करोड रुपए मार्केट कैप की कंपनी बन गई है। टाटा मोटर्स का मार्केट कैप बीएसई में 2.73 लाख करोड़ का है। वही बजाज ऑटो का 2.50 लाख करोड़ का है। 30 शेयर वाली सूची में जोमेटो शामिल हो जाएगी। वहीं 30 शेयर वाली सूची से जेएसडब्ल्यू स्टील बाहर हो जाएगी। 2024 में जोमैटो के शेयर में लगातार तेजी देखने को मिली। निवेशकों का निवेश दोगुना से ज्यादा हो गया है। 2023 में 124 रूपये के शेयर में 135 फ़ीसदी की वृद्धि हुई है।जुलाई 2008 में यह कंपनी बनी थी। 5 दिसंबर 2024 को इस कंपनी का शेयर 304.50 पैसे पर पहुंच गया। मार्केट कैप के हिसाब से यह कंपनी 27 वें नंबर पर आ गई है।

जीएसटी काउंसिल की बैठक में टैक्स समेत कई मुद्दों पर हो सकता है फैसला

148 वस्तुओं पर लगने वाले जीएसटी दरों पर किया जा रहा विचार

नई दिल्ली । राजस्थान में आयो जित जीएसटी काउंसिल की 55वीं बैठक में देश की अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए 148 वस्तुओं पर लगने वाले जीएसटी दरों पर विचार किया जा रहा है। इस बैठक में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ कई राज्यों के मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री भाग ले रहे हैं। बैठक में हुए अहम फैसले के चरण पर, हेल्थ और लाइफ इंश्योरेंस प्रेमियम पर जीएसटी माफ किया जा सकता है। इससे 5 लाख रुपए तक के हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम पर जीएसटी की हावी भारी गिरावट संभावित है। इसके साथ ही प्रीमियम और लग्जरी चीजों के लिए अलग से टैक्स स्लैब भी तैयार किए जा सकते हैं। इस बैठक में उपयोग होने वाले फ्यूल एटीएफ और खाद्य सेवा प्लेटफॉर्मों के लिए भी निर्णय करने की संभावना है। उम्मीद है कि इन फैसलों से अर्थव्यवस्था में सकारात्मक परिवर्तन की ताकत लौटेगी।

सारी दुनिया के देशों के शेयर बाजार में हाहाकार

- सोने-चांदी और क्रिप्टो करेंसी में भी गिरावट

नई दिल्ली ।

अमेरिकी फैड रिजर्व ने अगले साल ब्याज दरों में कम कटौती करने का अनुमान जताया है। उसके बाद से दुनिया भर के शेयर मार्केट में हाहाकार मचा हुआ है। विदेशी निवेशकों ने विशेष रूप से भारत के शेयर बाजार से भारी मात्रा में बिकवाली शुरू कर दी है। लगातार पांचवें दिन शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिली। साप्ताहिक अंतिम कारोबारी दिवस शुक्रवार को 1100 अंकों की गिरावट के साथ बाजार बंद हुआ। लगातार 5 दिन शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिली। निवेशको को लगभग 12 लाख करोड रुपए का नुकसान उठाना पड़ा है। अमेरिकी फैड रिजर्व के सख्त रुख के कारण भारतीय बाजार में बिकवाली का दबाव बना हुआ है। जिसके कारण बीएसई और निफ्टी में लगातार गिरावट देखने को मिल रही है। भारतीय शेयर बाजार में बैंकिंग और रियल स्टेट के निवेशकों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। आर्थिक विशेषज्ञों के अनुसार बैंकिंग और आईटी जैसे शेयर में मुनाफा वसूली का दौर देखने को मिल रहा है। बैंकिंग और आईटी के शेयर में निवेशकों को भारी नुकसान हुआ है। आर्थिक विशेषज्ञों के अनुसार अगले सप्ताह भी गिरावट देखने को मिल सकती है।आर्थिक विशेषज्ञों का कहना है वैश्विक आर्थिक मंदी को देखते हुए अनिश्चितता का वातावरण बना रहेगा 20 जनवरी को अमेरिका में जब राष्ट्रपति पद की डोनाल्ड ट्रंप शपथ लेंगे। उसका असर भी अर्थव्यवस्था में पड़ना तय माना जा रहा है।

सेंसेक्स और निफ्टी में पांच फीसदी गिरावट रही

▸▸ सेंसेक्स 1,176 अंक टूटकर 78,041.59 पर बंद

▸▸ निफ्टी 364 अंक फिसलकर 23,587.50 पर बंद

मुंबई ।

घरेलू इक्विटी बाजारों में लगातार चार सप्ताह की तेजी के बाद पहली बार साप्ताहिक गिरावट दर्ज की गई है। फेडरल रिजर्व द्वारा अगले साल ब्याज दरों में कम कटौती की संभावना जताने और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की बिकवाली के कारण निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। दोनों सूचकांक पिछले 5 कारोबारी सत्र में नुकसान में रहे, जो निफ्टी का 18 नवंबर, 2024 के बाद और सेंसेक्स का 26 अक्टूबर, 2023 के बाद गिरावट का सबसे लंबा सिलसिला रहा। इस हफ्ते सेंसेक्स 5 फीसदी और निफ्टी 4.7 फीसदी नुकसान में रहे, जो 17 जून, 2022 के बाद सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट है। बीते सप्ताह पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार 215.59 अंक की गिरावट के साथ 81,917.53 अंक पर खुला और 384.55 अंक गिरकर 81,748.57 अंक पर बंद हुआ। वहीं एनएसई निफ्टी 49.45 अंक फिसलकर 24,718.85 अंक पर खुला और 100.05 अंक की गिरावट के साथ 24,668.25 अंक पर आ गया। अमेरिकी फेड के ब्याज दर निर्णय से पहले निवेशकों के सतर्क रुख और रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक जैसे ब्लू-चिप शेयरों में बिकवाली के बीच मंगलवार को शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट दर्ज की गई। बीएसई सेंसेक्स 617.83 अंक गिरकर 81,130.74 अंक पर खुला और 1,064.12 अंक टूटकर 80,684.45 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 199.75 अंक गिरकर 24,468.50 अंक पर खुला और 332.25 अंक गिरकर 24,336 पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार में बुधवार को भी गिरावट का दौर जारी रहा। सेंसेक्स 428.09 अंक गिरकर 80,268.36 पर खुला और 502.25 अंक टूटकर 80,182.20 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 104.35 अंकों की गिरावट के साथ 24,231.65 के स्तर पर खुला और 137.16 अंक फिसलकर 24,198.85 पर बंद हुआ। अगले साल ब्याज दरों में कम कटौती के अमेरिकी फेड के अनुमान और लगातार चौथे दिन बिकवाली हावी रहने की वजह से घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को खुलते ही धड़ाम हो गया। सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 1,162.12 अंक की गिरावट के साथ 79,020.08 अंक पर खुला और 964.15 अंकों की गिरावट के साथ 79,218.05 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 328.55 अंक फिसलकर 23,870.30 अंक पर खुला और 247.15 अंक टूटकर 23,951.70 पर बंद हुआ। घरेलू बाजारों सेंसेक्स और निफ्टी में शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में गिरावट दर्ज की गई। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 214.08 अंक फिसलकर 79,003.97 अंक पर खुला और 1,176.46 अंक टूटकर 78,041.59 पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 63.8 अंक की गिरावट के साथ 23,887.90 अंक पर खुला और निफ्टी 364.21 अंक फिसलकर 23,587.50 पर बंद हुआ।

एक्सपायर डेट वाली चीजों का डेटा ऑनलाइन अनुपालन प्रणाली से पेश करें: एफएसएसएआई

- पोर्टल पर अपलोड करना होगा डेटा

नई दिल्ली । भारतीय खाद्य मानक और प्रमाणन प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने एक महत्वपूर्ण निर्देश जारी किया है, जिसमें लाइसेंस प्राप्त खाद्य निर्माता और आयातकों को स्पष्ट किया गया है कि वे रिजेक्टेड और एक्सपायर खाद्य आइटम्स का तिमाही डेटा (ऑनलाइन अनुपालन प्रणाली) के माध्यम से पेश करें। इसका मकसद है कि ऐसे उत्पादों के पुनः उपयोग को रोका जा सके। इस निर्देश के तहत, तीन अहम क्षेत्रों का विशेष महत्व है- पहला, आंतरिक गुणवत्ता परीक्षण या निरीक्षण में फेल होने वाले उत्पादों की मात्रा; दूसरा, फूड सप्लाई चेन से रिजेक्टेड उत्पादों की संख्या; और तीसरा, प्रोडक्ट डिस्पोजल की डिटेल रिपोर्ट। यह निर्देश हाल ही में जारी किया गया और इसका पालन करने के लिए रिपैकर्स और रीलेवलर्स को जिम्मेदारी सुनिश्चित करनी होगी। एफओएससीओएस की रिपोर्टिंग फंक्शन अभी भी विकसित हो रहा है, और नियामक ने खाद्य उद्यमों से जरूरी डेटा इकट्ठा करने का आग्रह किया है। हाल ही में एफएसएसएआई ने एक अलग आदेश जारी किया है, जिसमें कहा गया है कि ऑनलाइन काम करने वाले सभी फूड बिजनेस ऑपरेटर्स (एफबीओ) को चाहिए कि उन्हें केवल उन खाद्य आइटम्स की डिलीवरी करें, जिनकी एक्सपायरी डेट कम से कम 45 दिन बाकी हो। यह कदम उपभोक्ताओं के हित के लिए उठाया गया है ताकि उन्हें ताज़गी से तैयार भोजन मिल सके। कंज्यूमर्स की शिकायतों को ध्यान में रखते हुए मंत्रालय ने एक नया ई-जागृति ऐप शुरू करने की योजना बनाई है, जिसकी विशेषता यह है कि इसके माध्यम से लोग अपनी शिकायतें आसानी से दर्ज कर सकें। इन निर्देशों का पालन करने से प्रयोजन है कि भारत में खाद्य सुरक्षा में सुधार हो, और उपभोक्ताओं को सुरक्षित और स्वस्थ खाद्य सुरक्षा का आनंद मिले।

भारत की पीएलआई योजनाएं: आत्मनिर्भर भारत की ओर महत्वपूर्ण कदम

- भारत के विजन को दे रही नई दिशा, 1.97 लाख करोड़ का प्रोत्साहन

नई दिल्ली ।

भारत के आत्मनिर्भर भारत अभियान को आगे बढ़ाने के लिए प्रोडक्शन-लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजनाएं एक महत्वपूर्ण पहल साबित हो रही हैं। इस योजना के तहत 1.97 लाख करोड़ रुपए का प्रोत्साहन दिया जा रहा है, जो देश की विनिर्माण और निर्यात क्षमताओं को बढ़ाने में मददगार साबित हो रहा है। नवंबर 2020 में शुरू की गई इस योजना ने अब तक अनेक उत्कृष्ट परिणाम दिए हैं। इसके तहत 1.46 लाख करोड़ रुपए के निवेश को प्रोत्साहित किया गया है, जिससे 12.50 लाख करोड़ रुपए के उत्पादन और बिक्री को बढ़ावा दिया गया है। इसके साथ ही, 4 लाख करोड़ रुपए के निर्यात में वृद्धि दर्ज की गई है और 9.5 लाख लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित किए गए हैं। इस योजना ने 14 प्रमुख क्षेत्रों में अपना प्रभाव दिखाया है, जिसमें मोबाइल निर्माण, फार्मास्यूटिकल्स, ऑटोमोबाइल, और उन्नत रसायन कोशिका बैटरियां शामिल है। यह योजना देश के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। इसके साथ ही पीएलआई योजना ने विभिन्न क्षेत्रों में अनुकूलित एंकर इकाइयों की मदद से आपूर्ति श्रृंखला में सुधार किया है, जिससे एमएसएमई क्षेत्र में नई विनिर्माण इकाइयों का विकास हो रहा है।

पीएलआई योजना के तहत विभिन्न 14 क्षेत्रों में नवीनतम तकनीकी विकास की उम्मीद है। इसके माध्यम से यह साबित हो रहा है कि पीएलआई योजना भारत को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।

भारत प्योर स्टोरेज के लिए तेजी से बढ़ता बाजार: रिपोर्ट

- कंपनी भारत में विस्तृत व्यापार नेटवर्क का कर रही है विस्तार

नई दिल्ली ।

डेटा सॉल्यूशंस और प्लेटफॉर्म्स कंपनी प्योर स्टोरेज ने भारत में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करने के बाद नए उत्साह से विस्तार की योजना बनाई है। न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज (एनवायएसई) पर सूचीबद्ध प्योर स्टोरेज ने अपने कारोबार में वृद्धि के उत्कृष्ट परिणामों की रिपोर्ट प्रस्तुत की है। रिपोर्ट में बताया गया कि कंपनी भारत में विस्तृत व्यापार नेटवर्क का विस्तार कर रही है और इसके लिए भारतीय बाजार में निवेश करने की योजना बना रही है। भारत की तकनीकी रूप से उन्नित जनसंख्या के कारण भारत एक महत्वपूर्ण बाजार है, और उनके इनोवेशन और उद्यमिता से कंपनी का व्यापक विस्तार हो सकता है। कंपनी की योजना है कि वे भारत में अपनी बिक्री और मार्केटिंग क्षमताओं को दोगुना करें और उच्च-तकनीकी समुदाय के लिए उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करें। इसके साथ ही प्योर स्टोरेज का मुख्य ध्यान स्टोरेज-एज़-अ-सर्विस समाधान प्रदान करने पर है, जिसका उद्देश्य ग्राहकों को स्टोरेज की सुविधा और क्लाउड सेवाओं की तरह सुविधा प्रदान करना है। कंपनी की आगामी योजनाएं भारत में डेटा प्रबंधन को एक नए स्तर पर ले जाने पर हैं, साथ ही एआई के क्षेत्र में दक्ष स्टोरेज समाधान विकसित करने का लक्ष्य रखा जा रहा है।

दुनिया में मानवाधिकारों का हनन? ज्वलंत प्रश्न

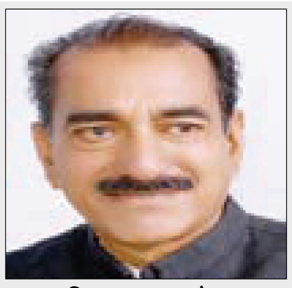

विजय कुमार जैन

भारतीय संविधान में सुप्रसिद्ध कानून विद डॉ भीमराव अंबेडकर के नेतृत्व में संविधान निर्माताओं ने आम नागरिक के मानवाधिकारों का हनन न हो इसकी समुचित व्यवस्था की है। दुनिया के अनेक देशों में आम आदमी के मानवाधिकारों की रक्षा हेतु एक नहीं अनेक प्रयास किये हैं।

भारत के संविधान में संविधान निर्मातांओं ने आम नागरिक के अधिकारों के साथ कर्तव्यों का भी उल्लेख किया है। इन्हें संविधान में नीति निदेशक तत्व कहा है। नीति निदेशक तत्वों में विश्व बंदनीय अहिंसा के अवतार भगवान महावीर के पावन संदेश जियो और जीने दो के साथ विश्व शांति प्राणी मात्र के कल्याण की भावना समाहित की गई है। इसी प्रकार मौलिक अधिकारों में आम आदमी के सर्वांगीण विकास की कानूनी व्यवस्था की गई है।

भारतीय संविधान में सुप्रसिद्ध कानून विद डाँ भीमराव अंबेडकर के नेतृत्व में संविधान निमार्ताओं ने आम नागरिक के मानवाधिकारों का हनन न हो इसकी समुचित व्यवस्था की है। दुनिया के अनेक देशों में आम आदमी के मानवाधिकारों की रक्षा हेतु एक नहीं अनेक प्रयास किये हैं। मानवाधिकारों की रक्षा हेतु सर्वप्रथम ब्रिटेन में सन 1215 में महान घोषणा पत्र प्रकाशित हुआ। इस घोषणा पत्र में उल्लेख किया है किसी नागरिक को उस समय तक बंदी न बनाया जाये और न ही निर्वासित किया जाये, जब तक उसका अपराध सिद्ध न हो जाये। ब्रिटेन में ही सन 1679 में बंदी प्रत्यक्षीकरण अधिनियम पारित किया गया। जिसमें व्यवस्था की गई कि बिना अभियोग चलाये किसी भी व्यक्ति को नजरबंद नहीं रखा जा सकता। ब्रिटेन में ही सन 1689 में अधिकार पत्र पारित कराया इसमें अन्य बातों के अलावा यह व्यवस्था थी कि संसद में जनता के प्रतिनिधियों को भाषण की स्वतंत्रता होगी। दुनिया में मानवाधिकारों की रक्षा पर अटलांटिक चार्टर सन 1941 एवं संयुक्त राष्ट्र संघ घोषणा 1942 से बल मिला। संयुक्त राष्ट्र संघ के चार्टर में मूलभूत मानवीय अधिकारों में गौरव तथा मूल्यों में, स्त्री व पुरुषों के समान अधिकारों को पुनः स्वीकार किया गया। कुछ आवश्यक संशोधनों के साथ 10 दिसंबर 1948 को संयुक्त राष्ट्र संघ की महासभा ने सर्वसम्मति से पारित किया। इस मानवाधिकार घोषणा पत्र में प्रस्तावना सहित 30 अनुच्छेद हैं। इसके बाद 1993 में वियना में मानवाधिकारों को बढ़ावा देने के लिये सम्मेलन हुआ। जिसमें 171 देशों ने सहयोग करने का आश्वासन दिया। जिसका अनुमोदन दिसंबर 1993 में संयुक्त राष्ट्र संघ महासभा में किया। वियना घोषणा में उल्लेख किया बड़े पैमाने बाले मानवाधिकारों के हनन, विशेष कर जनसंहार, जातीय विद्वेष और बलात्कार,

आत्मनिर्णय, वर्तमान और भविष्य की पर्यावरण संबंधी जरूरतों,परेशानी में रह रहे लोगों,विशेष रूप से अप्रवासी श्रमिकों, विकलांग व्यक्तियों और शरणार्थियों के साथ महिलाओं और बालिकाओं के मानवाधिकारों पर बल दिया गया।यहाँ यह विचारणीय प्रश्न है यद्यपि अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर मानवाधिकारों की हर स्तर पर रक्षा करने का संकल्प लिया गया है। दुनिया का हर देश भी चाहता है उसके नागरिकों के मानवाधिकारों का हनन न हो। परन्तु सरकारें यह जानते हुए कि उनकी रक्षा करना चाहिए, व्यवहारिक रूप देने में असफल हैं। भारत में हम आम नागरिकों की स्थिति को देखें तो आजादी के 75 वर्ष बाद भी दयनीय स्थिति है।

ग्रामीण अंचल में आज भी छुआछूत नहीं मिटा है। दलितों को गाँव के कुए से पानी नहीं भरने दिया जाता है। गाँव के जमींदार ठाकुर साहब या मुखिया के मकान के आगे से भी दलितों हरिजनों को जूते चप्पल पहनकर निकलने की अनुमति नहीं है। ग्रामीण अंचल में दलितों को अपने बेटे की बारात दूल्हे को घोड़े पर बैठाकर निकालने की अनुमति नहीं है। कोई हरिजन दलित इन पुराने दकियानूसी नियमों को तोड़ने का दुस्साहस करता भी है तो उस पर अनेक अत्याचार होते हैं। गोली चल जाती है मकान खेत में आग लगा दी जाती है। गाँव से ही निकाल दिया जाता है।हमारे देश भारत में ही करोड़ों बच्चे भीख मांगते देखे जाते हैं। 10 से 15 वर्ष के बच्चे देश में लाखों करोड़ों की संख्या में रेल स्टेशनों के आसपास प्लास्टिक की थैली एवं प्लास्टिक की पानी की खाली बोतल एकत्रित करते दिख जायेंगे। गरीब के बच्चे पढ़ते भी हैं तो उन्हें कक्षा 5 में जोड़ना घटाना नहीं आता है। उन्हें 10 तक पहाड़ा नहीं सिखाया जाता है। इन सब विसंगतियों के वावजूद उन्हें कक्षा 5 तक अनिवार्य रूप से उत्तीर्ण कर दिया जाता है। भारत में बाल मजदूरी पर प्रतिबंध के वावजूद करोड़ों 18 वर्ष से कम आयु के बच्चे बाल मजदूरी कर रहे हैं, उन्हें पर्याप्त मजदूरी नहीं मिल रही है। रहने, जीवन यापन करने, रोटी कपड़ा मकान की सुविधाएं नहीं मिल रही हैं।सरकार स्वयं संविदा में कर्मचारियों की नियुक्तियां करती है। इनमें कुछ नियुक्तियाँ तदर्थ करती है। क्या इन्हें समान कार्य के लिये समान वेतन,अवकाश, पेंशन आदि की सुविधा मिलती है?

कोरोना महामारी के भारी प्रकोप के कारण देश व्यापी लॉंकडाउन24 मार्च 2020 को 21 दिन का लगाया। हजारों उद्योग एवं फेक्ट्री बंद हो जाने से लाखों मजदूर भुखमरी के शिकार हो गये। उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, झारखंड, विहार के मूल निवासी मजदूरों का पलायन हुआ। अपने अपने प्रदेश सुरक्षित पहुचने की आशा से उन मजदूरों ने रेल एवं बस की सुविधा नहीं मिलने पर पैदल यात्रा सैकड़ों एवं हजारों किमी की सड़क मार्ग से की। भूखे प्यासे मजदूरों की सहायता स्वयं सेवी संस्थाओं ने उदारता से की। इन असहाय दुखी मजदूरों की सहायता करने सरकार ने मानवीयता का परिचय नहीं दिया। मानवाधिकारों के हनन का इससे बड़ा उदाहरण मिलना असंभव प्रतीत होता है।

भारत में सबसे ज्यादा शोषण बाल मजदूरी के नाम पर नौनिहालों का हो रहा है।बाल मजदूरी के नाम पर एक घटना का उल्लेख कर रहा हूँ, इस घटना से मैं स्वयं वहुत दुखी हुआ हूँ। बाल मजदूरी, बाल शोषण के विरुद्ध जीवन भर संघर्ष करने बाले भारत माता के महान सपूत श्री कैलाश सत्यार्थी जी को सन 2015 में नोवल शांति पुरुस्कार से सम्मानित किया गया। उनको यह सम्मान मिला तो दुनिया में हम भारतवासियों का सिर गर्व से ऊंचा हुआ। नोवल शांति सम्मान मिलने पर श्री सत्यार्थी जी 6 जनवरी 2016 को गुना पधारे। गुना में उनकी भव्य शोभायात्रा निकली। शोभायात्रा में घोड़ा चल रहा था, उस घोड़े की रस्सी हाथ में लेकर 10 वर्ष का बाल मजदूर चल रहा था। श्री सत्यार्थी जी को भी पता नहीं था, जिस बाल मजदूरी, बाल शोषण के विरुद्ध जीवन भर संघर्ष करते रहे हैं, गुना बालों ने उन्हें दिखा दिया कि आप संघर्ष करते रहें बाल मजदूरी दुनिया से समाप्त नहीं हो सकती। सारी दुनिया मानवाधिकारों की रक्षा के लिये कानून बना रही है।इन कानूनों का पालन नहीं हो रहा है। मानवाधिकारों की रक्षा के लिये सरकारों के साथ साथ आम आदमी की दूषित मानसिकता में परिवर्तन आवश्यक है।

(लेखक वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार एवं भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष है)

संपादकीय

हे राम!

आखिर यह हो क्या रहा है? जो कुछ हो रहा है क्या वह सचमुच दुनिया के विशालतम लोकतंत्र की संसद में ही हो रहा है? गली-मोहल्ले में खेल-खेल में लड़-भीड़. जाने वाले, तू-तू-मैं-मैं पर उतर जाने वाले, एक-दूसरे के साथ धक्का-मुक्की करने और पहले तूने गाली दी, तूने धक्का दिया, तूने बेईमानी की, तूने झूठ बोला जैसे गली छाप वातालाप में लिप्त हो जाने वाले निठल्ले, आवारा लड़कों की याद दिला रही है संसद। संसदीय व्यवहार इतना उथला, अभद्र और अशोभनीय हो चला है कि इस पर कोई गंभीर या विचारपरक टिप्पणी करना भी कठिन होता जा रहा है। आखिर गृह मंत्री अमित शाह ने ऐसा क्या कह दिया था कि आसमान गिरता हुआ लगे या धरती फटती हुई दिखे। अमित शाह ने यही तो कहा था कि आप हर समय अंबेडकर-अंबेडकर करते रहते हैं। अगर इतनी रटन भगवान को लेकर की गई होती तो स्वर्ग मिल जाता। अब इसमें कांग्रेस ने अंबेडकर का अपमान देख लिया। कैसे देख लिया, कहां से देख लिया यह कांग्रेस अभी तक नहीं बता पाई है, लेकिन कांग्रेस की देखा-देखी विपक्षी इंडिया गठबंधन के हर घटक ने इस कथित अपमान को लपक लिया

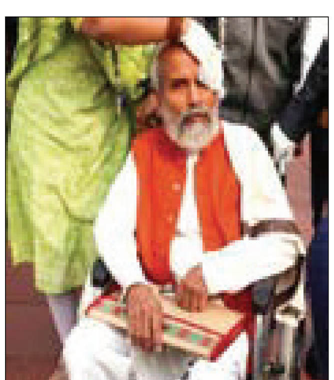

और अब इनमें से कोई अमित शाह का इस्तीफा मांग रहा है तो कोई मोदी से अमित शाह को बर्खास्त करने की गुहार लगा रहा है तो कोई भाजपा के कथित अंबेडकर के अपमान पर आंदोलन चलाने पर उतर आया है। उधर भाजपा ने कांग्रेस और अंबेडकर के रिश्ते का इतिहास उड़ेल कर रख दिया है जो बताता है कि अंबेडकर की उपेक्षा, अवहेलना या अपमान अगर सबसे ज्यादा किसी ने किया है तो कांग्रेस ने किया है। शायद कांग्रेस को यह अच्छा नहीं लगा कि अंबेडकर के साथ भगवान को रखा जाए। उसे स्पष्ट कहना चाहिए था कि अंबेडकर के साथ भगवान को बिठाना अंबेडकर का अपमान है क्योंकि वह अंबेडकर को ही अपना भगवान मानने लगी है। शायद अमित शाह से भी चूक हो गई। उन्हें भी समझना चाहिए कि विपक्षी दलों को भगवान का नाम लेने से मोक्ष प्राप्त नहीं होगा बल्कि अंबेडकर के नाम की माला जपने से दलित सधेंगे, उसके पक्ष में वोट करेंगे और अंततः सत्ता रूपी स्वर्ग तक पहुंचाएंगे। इस समय भगवान नहीं बल्कि अंबेडकर ही जपने के लिए भगवान हैं; भले भीतर कितना भी कपट क्यों न भरा हो। अंत में प्रार्थना ही की जा सकती है कि हे भगवान इन्हें सद्बुद्धि दें?

चिंतन-मनन

कठिन काम

एक लड़का महात्मा के पास पहुंचा। लड़का बड़ा शैतान था, उसको देखते ही महात्मा ने भांप लिया। इसलिए मनोवैज्ञानिक ढंग से प्रतिबोध देने के लिए महात्मा बोले- बच्चे! तुम तो बड़े तेज दिखाई देते हो। वह अपनी प्रशंसा सुनकर खुश हुआ और कहने लगा - स्कूल में सब लड़के मुझसे डरते हैं। महात्मा- अच्छा, तुम सरल काम करना चाहते हो या कठिन? लड़का- मैं कठिन से कठिन काम करना चाहता हूं। महात्मा- तुम्हें कोई गाली दे तो तुम क्या करोगे? लड़का- मुझे कोई एक गाली देगा तो उसको दस गाली सुनाऊंगा।

महात्मा- ऐसा करना सरल है या कठिन? लड़का- महात्माजी! यह तो मैं बड़ी आसानी से कर लेता हूं। महात्मा- तुम तो तेज लड़के हो, ?सा सरल काम क्यों करते हो? लड़का कुछ सकुचाता हुआ बोला- अच्छा, आज से मैं कठिन काम करूंगा। महात्मा- गाली सहना बहुत कठिन है। गाली सुनकर गाली देने वाले बहुत मिलेंगे, पर उस समय खामोश रहने वाले विरले ही होते हैं। लड़का- महात्मा जी! जैसा आपने कहा है, मैं वैसा ही कठिन काम करूंगा। लड़का महात्माजी को वचन देकर आगे चला तो उसे एक दोस्त मिला। उसने एक कंकर उस पर फेंका। वह बालक तिलमिला गया। इतने में उसे महात्मा के शब्द याद आ गए। वह शांत खड़ा रहा। सामने वाला बच्चा यह देखकर दंग रह गया। वह बोला- भैया! मैंने अच्छा नहीं किया, क्षमा करना। ऐसा सुनकर उसने संकल्प कर लिया कि जीवन की स्वस्थता के लिए वह ?से ही काम करेगा।

समय का इंतजार करें आत्महत्या ना करें

संजय गोस्वामी

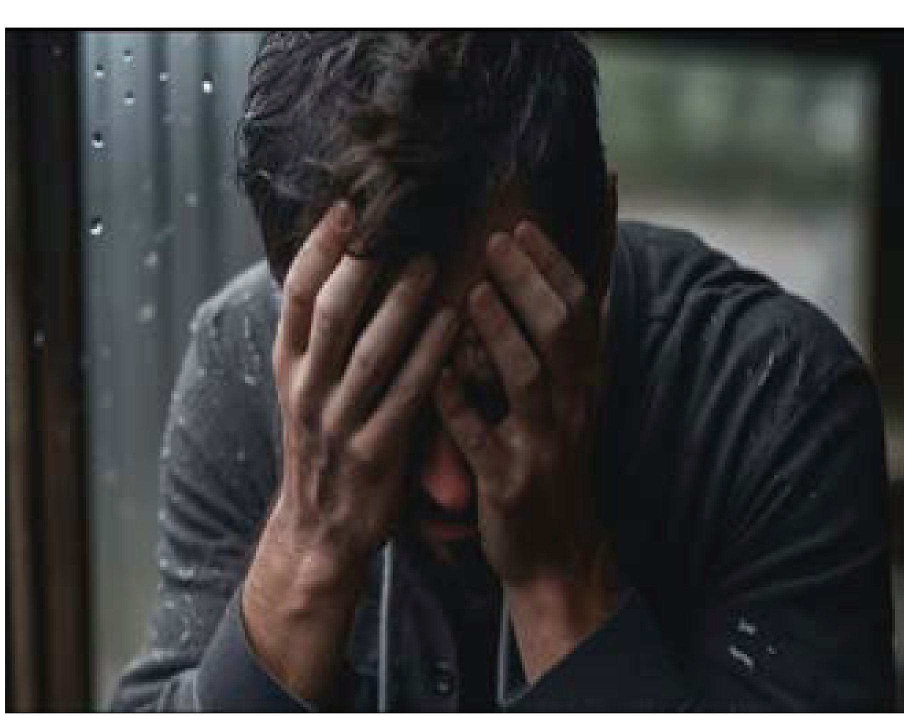

हाल ही में बेंगलुरु के एक एआई इंजीनियर अतुल सुभाष ने आत्महत्या कर ली और सुसाईड नोट में अपनी पत्नी और ससुराल वाले व जज को भी अपनी मौत का जिम्मेवार बताया है आज लोग ऐ जान गए कि आखिर पत्नी से सही में बहुत परेशान था क्योंकि मरने से पहले कोई झूठ नहीं बोलता है अतः कुछ पत्नी पति को लूटने का काम कर रही है जिससे सावधान होने की जरुरत है इसका सबसे बड़ा दर्द उसके बूढ़े माता पिता को हो रहा है बेंगलुरु के एआई इंजीनियर अतुल सुभाष की मां बस अपने बेटे को याद कर रही हैं और बहुत सी बातें बड़बड़ा रही हैं। उनसे बेटे का जाना सहन नहीं हो रहा है। उनका कहना है, मेरे बच्चे को बहुत टार्चर किया गया है, मेरे बुढापे का सहारा चला गया।

आत्महत्या की वजह क्या होती है इसे जानना जरुरी है दरअसल जब या तो निराशा हाथ लगती है या किसी व्यक्ति का बार बार शोषण करना यह कोई जरुरी नहीं है कि शादी शुदा व्यक्ति के साथ होता हो ऐ इज्जत को किसी के कारण बार बार बेइज्जती करने या किसी को बार बार परेशान करने से आदमी में इतना गुस्सा आता है कि खून का घूंट पीने से अच्छा मर जाना अच्छा समझता हो लेकिन आत्महत्या कराने पर मजबूर करने पर कड़ी से कड़ी कार्यवाही करना जरुरी है इस नर या नारी के दृश्टिकोण से नहीं बल्कि मानवता की दृश्टिकोण से न्यायालय को देखना चाहिए मुझे याद आता है वो दिन जब मैं भी 2006 में अपने बॉस श्रीमती शैलजा मैडम से काफी परेशान हो गया और मैं हिंदी बोलने वाला आदमी वह जानबूझकर इंग्लिश बोलकर मेरा मजाक उड़ाती थी आत्महत्या करने की इच्छा उस समय जागी जब हिंदी के किसी कार्यक्रम से तुरंत ही बुला लिया बाद में ध्यान किया ईश्वर ने कहा समय बलवान होता है इससे तुम्हारा ही नुकसान होगा अतः ऐसा करना उचित नहीं है बाद में ईश्वर का चक्र देखिए कि 2012 में शैलजा मैडम के सीनियर श्री गलांडे सर हुए और बाद में मुझे शांति मिली क्योंकि वो उससे पहले मेरे बॉस रह चुके थे फिलहाल अभी श्रीधर सर हैं जो एक महान व्यक्ति हैं उनकी महानता इस बात से साबित होती है कि छोटे से बड़े को भी एक ही नजर से देखते हैं,अतः समय का इंतजार कीजिये जो जैसा करता है उसे वैसा ही परिणाम मिलता है इसलिए हमें ना तो किसी को जानबूझकर डराना चाहिए ना ही किसी से डरने की जरुरत है ज्यादा से ज्यादा क्या होगा मौत तो नहीं होगा ईश्वर ने जन्म दिया है ईश्वर ही मौत देगा अतः उसका डटकर मुकाबला कीजिये समय की नजाकत है कभी यूपीए की सरकार आती है कभी एनडीए की परिवर्तन संसार का नियम है और ईश्वर आपका सबसे बड़ा परमात्मा है उसे याद कर बुरे वक़्त से मुकाबला करें और अपने काम को बेहतरीन करने की कोशिश करें ताकि उसे कोई दूसरा कर ही ना पाए मेहनत कीजिये और ध्यान ईश्वर पर लगाइये बुरा करने वाले का भी सूद सहित उसका भी बुरा होगा ऐ प्राकृतिक का नियम है कहावत है तेरा तुझको सौंप कर क्या लागे मेरा

यह जानना हमेशा उत्साहवर्धक होता है कि हम जो कुछ भी करते हैं, उसमें हमारे पास विकल्प होता है, भले ही हम अंततः पहले से मौजूद या प्रस्तावित विकल्प ही क्यों न चुनें। यह जानना कि हमारे पास विकल्प है, हमें सशक्त बनाता है! यह तथ्य कि हमारे पास विकल्प है, हमें ऐसा महसूस कराता है कि हम अपने जीवन के प्रभारी हैं और अपने भाग्य के मार्ग को नियंत्रित कर रहे हैं। हर कोई हर पल चुन रहा है। मैं खुश या क्रोधित या शांत रहना चुन सकता हूँ। एक बार जब मैं जीवन को विकल्प के इस दृष्टिकोण से देखने में सक्षम हो जाता हूँ, तो मैं जीवन और दूसरों के नाटक के अधीन नहीं रह जाता। प्रत्येक मोड़ पर मैं नियंत्रण रखना चुन सकता हूँ, या अन्य रोगियों को मुझे नियंत्रित करने की अनुमति दे सकता हूँ। शांत रहना एक उपहार है जिसे हम क्रोध और भय के दुष्चक्र को तोड़ने के लिए खुद को दे सकते हैं जो हमारी आंतरिक स्थिरता को हिला देता है और पारस्परिक संबंधों, हमारे पारिवारिक जीवन और हमारे काम और सामाजिक वातावरण की गुणवत्ता को खराब करता है। एक शांत आचरण कमजोर या निष्क्रिय नहीं होता है, बल्कि यह आंतरिक शक्ति की स्थिति से आता है जो हमें किसी स्थिति का सामना करते समय स्थिर रहने की अनुमति देता है। एक शांत आचरण एक अंतर्निहित आत्म-सम्मान को इंगित करता है और हमारे अपने मन में आत्मविश्वास को प्रकट करता है। जब हम आक्रामक या हिंसक होने के बजाय शांत रहना चुनते हैं, तो इसका मतलब यह नहीं है कि हम अपने गुस्से को नियंत्रित या दबा रहे हैं; बल्कि, हम अपने और दूसरों के लाभ के लिए अच्छाई के मार्ग पर चलने का एक सचेत और शांत विचार वाला स्वैच्छिक निर्णय ले रहे हैं।गंभीरता से, हमें समय के साथ शांति का भंडार बनाना होगा। हालाँकि मुश्किल समय में शांत रहने के बारे में सोचा गया एक शक्तिशाली शरीर आपको हौसलामंद रख सकता है, लेकिन यह सुनिश्चित करना कि आपके पास शांति का भंडार है, आपको हमेशा आत्मविश्वासी और बेफिक्र बनाए रखेगा।

मन की एक साफ और शुद्ध स्थिति सभी सकारात्मक विचारों को उत्पन्न करने में सक्षम है। मन से अव्यवस्था को दूर करने से आपको शांत और शांत रहना आसान हो जाएगा।

अश्विन का संन्यासः हैरान कर गया संन्यास का फैसला

मनोज चतुर्वेदी

भारत के करिश्माई स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने बीच ऑस्ट्रेलियाई दौरे में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया। पिछले कुछ समय से घुटने की तकलीफ की वजह से अश्विन के संन्यास लेने की चचाएं चल रहीं थीं, पर बीच दौरे में संन्यास लेने की घोषणा करना थोड़ा हैरान करने वाला है। वह भी तब अगले दो टेस्ट मेलबर्न और सिड़नी में खेले जाने हैं, यहां दो स्पिनरों को खिलाया जा सकता है। इससे ऐसा लगता है कि सीरीज के पहले टेस्ट में पहली बार उनकी मौजूदगी में वाशिंगटन सुंदर के रूप में किसी दूसरे ऑफ स्पिनर को खिलाया गया, उससे शायद उन्हें यह भरोसा नहीं रहा था कि दो स्पिनर खिलाए जाने पर भी उनका खेलना पक्का भी है।

अश्विन गाबा पर भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीसरे टेस्ट के ड्रा होने से पहले ड्रेसिंग रूम में विराट से बात करते हुए भावुक नजर आए। विराट उनके कंधे पर हाथ रखे हुए थे और अश्विन के आंसू पोंछ रहे थे। इसके बाद संवाददाता सम्मेलन में रोहित शर्मा के साथ अश्विन के आने से यह साफ हो गया कि कुछ खास है। संवाददाता सम्मेलन में अश्विन ने कहा, मैं आपका ज्यादा समय नहीं लूंगा। आज मेरा भारतीय क्रिकेट टीम के सदस्य के रूप में आखिरी दिन है। मुझे लगता है कि क्रिकेटर के तौर पर मेरे अंदर कुछ पंच बाकी है, इसे मैं क्लब स्तर की क्रिकेट में दिखाना चाहूंगा। इससे ऐसा लगता है कि वह पहले टेस्ट में नहीं खिलाए जाने और दूसरे टेस्ट में अच्छा खेलने के बाद तीसरे टेस्ट में नहीं खिलाने से उन्हें लगने लगा कि टीम को अब उनकी जरूरत नहीं रह गई है। लगता है कि इस सोच ने ही उन्हें बीच सीरीज संन्यास लेने के लिए प्रेरित किया। यह सही है कि वह पिछले कुछ समय से अपनी घुटने की तकलीफ को लेकर परेशान थे और वह संन्यास के बारे में सोचने लगे थे। पर न्यूजीलैंड़ के खिलाफ सीरीज हारने और स्तरीय गेंदबाजी नहीं कर पाने के बाद ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाने से पहले उनके मन में दोहरी सोच चल रही थी। पर एक बार दौरे पर जाने का फैसला कर लिया तो यह माना जा रहा था कि इस सीरीज को खेलेंगे ही। पर ब्रिस्वेन टेस्ट में नहीं खिलाने से वह शायद टूट गए और संन्यास का फैसला कर लिया। अश्विन की ही तरह एक अन्य महान स्पिनर हरभजन सिंह का कहना है कि मैंने जब संन्यास लिया था, तब टीम से बाहर था, टीम के अंदर रहते संन्यास लेना बेहद मुश्किल फैसला है। मुझे लगता है कि भारत को अब घर में सीरीज अक्टूबर में खेलनी है। उससे पहले इंग्लैंड़ का दौरे करके पांच टेस्ट खेलने हैं। अश्विन बीच सीरीज में संन्यास लेने की वजह से अनिल कुंबले और महेंद्र सिंह धोनी की जमात में शामिल हो गए हैं। धोनी ने 2014 के ऑस्ट्रेलियाई दौरे के बीच से टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। धोनी के संन्यास लेने पर विराट कोहली कप्तान बने। वहीं कुंबले ने इंग्लैंड़ के खिलाफ 2008 की घरेलू सीरीज के बीच में संन्यास की घोषणा कर दी थी। अश्विन के नाम गेंदबाजी में ढेरों रिकॉर्ड. हैं और वह अनिल कुंबले के 619 विकेट के बाद देश के लिए दूसरे सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उनके नाम 106 टेस्ट में 537 विकेट हैं और वह विकेट लेने के मामले में मुरलीधरन (800), शेन वार्न (708), जेम्स एंड़रसन (704), अनिल कुंबले (619), स्टुअर्ट ब्रॉड़ (604) और ग्लेन मैकग्रा (563) के बाद सातवें नंबर पर हैं। बल्लेबाजी में उन्होंने 106 टेस्ट में छह शतकों और 14 अर्धशतकों से 3503 रन बनाए हैं। इस कद वाले खिलाड़ी का विदाई टेस्ट के साथ कॅरियर समाप्त होता तो कहीं बेहतर होता। भारत को अश्विन जैसे जादुई स्पिनर मिलने की कहानी कम दिलचस्प नहीं है। अश्विन ने एक बल्लेबाज के तौर पर अपने कॅरियर की शुरूआत की थी। इस दौरान वह कभीझ्रकभी पेस गेंदबाजी भी किया करते थे। वह 14 साल की उम्र तक एक ओपनर के तौर पर खेला करते थेङ्क लेकिन एक मैच में चोट लग जाने पर उन्हें करीब आठ माह तक क्रिकेट से अलग रहना पड़ा। वह ठीक होकर लौटे तो टीम में उनकी जगह किसी अन्य खिलाड़ी ने ले ली थी। इससे अश्विन काफी निराश हो गए थे, लेकिन मां कहने पर उन्होंने स्पिनर बनने का फैसला किया।

उनके बचपन के कोच सीके विजय ने ऑफ स्पिन गेंदबाजी करने की सलाह दी। कोच की इस सलाह ने क्रिकेट जगत को अश्विन जैसा गेंदबाज देखने को मिला। अश्विन ने 2005 में चेन्नई स्थित एसएसएन इंजीनियरिंग कालेज में दाखिला ले लिया। पर अगले ही साल उनका तमिलनाडु. रणजी टीम में चयन हो गया। यह वह दौर था, जब क्रिकेट और पढ़ाई में सामंजस्य बनाना बेहद मुश्किल था। अश्विन क्रिकेट में कॅरियर बनाना चाहते थे, इसलिए इंजीनियरिंग की पढ़ाई छोड़ऩे का विचार बना ही रहे थे कि चोट लग जाने की वजह से क्रिकेट से दूर रहने के कारण वह इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी करने में सफल हो गए। अश्विन ने ऑफ स्पिन गेंदबाजी को जिस मुकाम पर पहुंचाया है, उसकी जगह लेने वाला दूसरा ढूंढना आसान नहीं है।

यूक्रेन ने रूस के कजान में किया ड्रोन से हमला

अमेरिका के 9/11 जैसा हुआ अटैक, ऊंची इमारतों को बनाया गया निशाना

मॉस्को (हि.स.)।

रूस के कजान में शनिवार की सुबह किए गए ड्रोन हमले से अफरातफरी मच गई। मानवरहित ड्रोन आवासीय ऊंची इमारतों से टकरा गए। इससे आग लग गई। कजान मेयर कार्यालय ने इसकी पुष्टि की।

रूस की सरकारी न्यूज एजेंसी तास के अनुसार, कजान मेयर कार्यालय ने कहा कि तातारस्तान की राजधानी कजान शहर के तीन जिलों में मानवरहित हवाई वाहनों ने आवासीय भवनों पर हमला किया। इसके बाद इन इमारतों को खाली करा लिया गया। तातारस्तान के प्रमुख रुस्तम मिन्निकानोव मौके पर हैं। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि मॉस्को समयानुसार सुबह 7:50 बजे तातारस्तान क्षेत्र में एक ड्रोन को नष्ट कर दिया गया। मगर इस हमले के बाद कजान के सोवेत्स्की, किरोव्स्की और प्रिवोलज्स्वकी जिलों में आवासीय इमारतों में आग लग गई। राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया गया है। नगर निगम की आपातकालीन सेवाओं को हाई अलर्ट पर रखा गया है। एक नियंत्रण कक्ष भी स्थापित किया गया है। कजान के मेयर इल्सुर मेत्शिन ने प्रभावित लोगों को अस्थायी आवास, गर्म कपड़े और भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

कुछ रिपोर्ट्स में इस हमले को अमेरिका के 9/11 जैसा बताया गया है। कजान एयरपोर्ट को भी अस्थायी रूप से बंद करने का दावा किया गया है। रूस की विमानन निगरानी संस्था रोसावियात्सिया ने टेलीग्राम मैसेजिंग ऐप के माध्यम से कहा, कजान पर यूक्रेनी ड्रोन हमले के बाद यह कदम उठाया गया है। दो अन्य हवाई अड्डों पर भी अस्थायी प्रतिबंध लगा दिया गया है। कजान मॉस्को से लगभग 800 किलोमीटर दूर पूर्व में स्थित है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने हमले के बाद आरोप लगाया कि इसके पीछे यूक्रेन का हाथ है। रूस का कजान शहर 2024 ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के आयोजन के लिए चर्चा में रहा है। इसे रूस की तीसरी राजधानी भी कहा जाता है। वर्ष 2018 में यहीं पर फीफा वर्ल्ड कप आयोजित किया गया था। यहां भारत भी अपना दूतावास खोलने वाला है। यूक्रेन की राजधानी कीव से कजान की दूरी करीब 1400 किलोमीटर है। तास के अनुसार, रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि रात को यूक्रेन के 19 मानव रहित ड्रोन को मार गिराया गया। यूक्रेन ने बेलगोरोड क्षेत्र में नौ, वोरोनिश क्षेत्र में पांच, काला सागर के ऊपर तीन, कुर्स्क में एक और क्रास्नोडार में एक ड्रोन भेजकर हमले की कोशिश की। रूस ने इन सभी को मार गिराया।

धोनी और सुनील शेट्टी बन सकते हैं 'मेक इन ओडिशा कॉन्क्लेव 2025' का हिस्सा

भुवनेश्वर (आईएएनएस)।

ओडिशा अपने स्टार्टअप इकोसिस्टम को बढ़ावा देने के लिए आगामी 'उत्कर्ष ओडिशा : द मेक इन ओडिशा कॉन्क्लेव 2025' में बॉलीवुड और भारतीय क्रिकेट के शीर्ष सेलिब्रिटी निवेशकों की मेजबानी करने जा रहा है। अगले साल 28 और 29 जनवरी को होने वाले इस कार्यक्रम में स्टार्टअप ओडिशा द्वारा आयोजित एक हाई-प्रोफाइल प्लेनरी सेशन होगा। स्टार्टअप ओडिशा के सीईओ कमलजीत दास ने नई पॉलिसी के बारे में समाचार ऐजेंसी से कहा, 28 तारीख सेलिब्रिटी स्टार्टअप को लेकर अहम होगा। सेलिब्रिटी स्टार्टअप को लेकर दो दृष्टिकोण होगा। उन्होंने कहा कि कई सेलिब्रिटीज को एक ईमेल रिक्वेस्ट भेजा है, जिनमें महेंद्र सिंह धोनी और सुनील शेट्टी जैसे नाम शामिल हैं। इस सत्र में बॉलीवुड स्टार आलिया भट्ट और सुनील शेट्टी के भी आने की उम्मीद है।

पूर्व आईएमएफ चीफ रोड्रिगो राटो को भ्रष्टाचार मामले में चार साल की जेल

मैड्रिड। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पूर्व प्रबंध निदेशक और स्पेन के उप प्रधानमंत्री रोड्रिगो राटो को मैड्रिड प्रांतीय अदालत ने चार साल नौ महीने कैद की सजा सुनाई। 75 वर्षीय रोड्रिगो राटो को टैक्स फ्रॉड, धन शोधन और भ्रष्टाचार के मामले में दोषी पाया गया। साल 1996 से 2004 तक जोस मारिया अजनार की पीपुल्स पार्टी (पीपी) सरकार के दौरान उप प्रधानमंत्री और अर्थव्यवस्था मंत्री के रूप में कार्य करने वाले राटो को बहामास, स्विट्जरलैंड, मोनाको, लक्जमबर्ग और यूनाइटेड किंगडम सहित अन्य स्थानों पर बैंक खातों में संपत्ति छिपाने के मामले में दोषी पाया गया। बता दें कि राटो को दूसरी बार जेल की सजा हुई है। फरवरी 2017 में उन्हें विफल बैंकिया सेविंग्स बैंक के सीईओ के रूप में कार्य करते हुए 500 से अधिक अघोषित खरीद और नकद निकासी के लिए एक गुप्त कॉर्पोरेट क्रेडिट कार्ड का उपयोग करने के लिए चार साल और छह महीने की सजा सुनाई गई थी। उन्होंने अक्टूबर 2018 से अक्टूबर 2020 तक दो साल जेल में काटे थे।

अफ्रीका में 70 हजार के करीब पहुंची एमपॉक्स पीड़ितों की संख्या

अदीस अबाबा। अफ्रीका में एमपॉक्स के मामले 70,000 के करीब पहुंच गए हैं। अफ्रीका रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र (अफ्रीका सीडीसी) ने बताया कि इस साल अब तक अफ्रीका में एमपॉक्स के मामलों की संख्या 69,000 को पार कर गई है, जबकि मरने वालों की संख्या 1,260 से अधिक हो गई है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक, अफ्रीका सीडीसी के चीफ ऑफ स्टाफ और कार्यकारी कार्यालय के प्रमुख नगाशी नगोंगो ने एक ऑनलाइन मीडिया ब्रीफिंग के दौरान कहा कि अफ्रीकी महाद्वीप में साल की शुरूआत से अब तक 69,211 एमपॉक्स के मामले सामने आए हैं। इनमें से 14,794 की पुष्टि हुई और 1,268 से अधिक लोगों की मौतें हुई हैं। अफ्रीकी संघ की विशेष स्वास्थ्य सेवा एजेंसी के आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले सप्ताह ही इस महाद्वीप में एमपॉक्स के 3,095 नए मामले सामने आए, जिनमें 553 की पुष्टि हुई और 31 नई मौतें हुई हैं।

सूडान में जारी संघर्ष में 800 नागरिकों की मौत : यूएन

जिनेवा। पश्चिमी सूडान में उत्तरी दारफुर राज्य की राजधानी एल फशर में जारी घेराबंदी के कारण मई 2024 से अब तक कम से कम 782 लोग मारे गए और 1,143 से अधिक घायल हुए हैं। यह जानकारी संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय (ओएचसीएचआर) ने दी। रिपोर्ट के अनुसार, इस वर्ष जून में लड़ाई काफी बढ़ गई थी और संघर्षरत पक्षों के बीच आवासीय क्षेत्रों में भीषण लड़ाई हुई। लोग गोलीबारी में फंस गए, क्योंकि घरों का इस्तेमाल लड़ाई के लिए किया जाने लगा। साथ ही, बाजारों पर हमला किया गया और लूटपाट की गई।

प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के मंत्रिमंडल में आठ नए मंत्री शामिल

ओटावा। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने अपने मंत्रिमंडल में बदलाव की घोषणा की। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी सूची के अनुसार, मंत्रिमंडल में आठ नए मंत्रियों को शामिल किया गया और चार मंत्रियों की भूमिका बदल दी गई है। शिन्हुआ समाचार एजेंसी ने बताया कि इन बदलावों के बाद मंत्रिमंडल में प्रधानमंत्री के अलावा कुल 38 मंत्री बने रहेंगे और इसमें महिलाओं और पुरुषों की संख्या बराबर है। यह फेरबदल पूर्व उप प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री क्रिस्टिया फ्रीलैंड के इस्तीफा के कुछ दिनों बाद हुआ। जुलाई से अब तक कुल 9 मंत्रियों ने अपने इस्तीफे या अगले संघीय चुनाव से हटने की घोषणा की है।

पीएम मोदी पहुंचे कुवैत

43 वर्षों में किसी भारतीय पीएम का पहला दौरा

- कहा, हम कुवैत के साथ ऐतिहासिक संबंधों को देते हैं बहुत महत्व

एजेंसी। कुवैत सिटी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार की दोपहर कुवैत पहुंचे। वह 43 साल में इस खाड़ी देश की यात्रा करने वाले पहले भारतीय पीएम बन गए। उनका कुवैत पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। पीएम मोदी कुवैत राज्य के अमीर शेख मेशल अल-अहमद अल-जबर अल-सबाह के निमंत्रण पर अपनी ऐतिहासिक दो दिवसीय यात्रा पर यहां पहुंचे हैं। उम्मीद है कि यह यात्रा खाड़ी देशों के साथ भारत के करीबी रिश्तों को एक नए स्तर पर ले जाएगी।

पीएम मोदी को बयान पैलेस में औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया जाएगा फिर वह कुवैत के अमीर और कुवैत के क्राउन प्रिंस के साथ अलग-अलग बैठकें करेंगे। इसके बाद कुवैत के प्रधानमंत्री के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता होगी, जिसमें द्विपक्षीय संबंधों के संपूर्ण आयाम की समीक्षा की जाएगी। क्राउन प्रिंस भारतीय प्रधानमंत्री के सम्मान में एक भोज का आयोजन करेंगे। पीएम मोदी कुवैत के अमीर के विशेष अतिथि के रूप में 26वें अरेबियन गल्फ कप के उद्घाटन समारोह में भी शामिल होंगे।

प्रधानमंत्री ने अपने प्रस्थान वक्तव्य में कहा, आज, मैं कुवैत राज्य के अमीर महामहिम शेख मेशल अल-अहमद अल-जबर अल-सबाह के निमंत्रण पर कुवैत की दो दिवसीय यात्रा पर जा रहा हूं। हम कुवैत के साथ ऐतिहासिक संबंधों को बहुत महत्व देते हैं। हम न केवल मजबूत व्यापारिक और ऊर्जा साझेदार हैं, बल्कि पश्चिम एशिया क्षेत्र में शांति, सुरक्षा, स्थिरता और समृद्धि में भी हमारी साझा रुचि है।

बयान में कहा गया, यह यात्रा हमारे लोगों और क्षेत्र के फायदे के लिए भविष्य की साझेदारी के लिए रोडमैप तैयार करने का अवसर होगा। मैं कुवैत में भारतीय प्रवासियों से मिलने के लिए उत्सुक हूं, जिन्होंने दोनों देशों के बीच मैत्री के बंधन को मजबूत करने में बहुत योगदान दिया है। पीएम मोदी ने यह भी कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि उनकी यात्रा भारत और कुवैत के लोगों के बीच विशेष संबंधों और मैत्री के बंधन को और मजबूत करेगी।

101 वर्षीय पूर्व आईएफएस अधिकारी, रामायण-महाभारत के अरबी अनुवादक से की मुलाकात

एजेंसी

कुवैत सिटी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का शनिवार दोपहर कुवैत सिटी स्थित होटल में पहुंचने पर भारतीय समुदाय ने भव्य स्वागत किया। यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की 43 वर्षों में कुवैत की पहली यात्रा है। प्रधानमंत्री मोदी से गर्मजोशी से मिलने वालों में 101 वर्षीय मंगल सेन हांडा भी शामिल थे, जो भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) के पूर्व अधिकारी हैं। वे अब कुवैत में रहते हैं और लगभग चार दशक पहले रिटायर्ड हुए थे। वह कुवैत, यूनाइटेड किंगडम, इराक, चीन, अर्जेंटीना और कंबोडिया में सेवा दे चुके हैं। पीएम मोदी ने न केवल हांडा के साथ अभिवादन किया, बल्कि उनके परिवार के साथ तस्वीरें भी खिंचवाईं। पूर्व आईएफएस अधिकारी की नातिन श्रेया जुनेजा ने पीएम मोदी से अनुरोध किया था कि वह कुवैत यात्रा के दौरान उनके 101 वर्षीय दादा से मुलाकात करें। जुनेजा के अनुरोध को स्वीकार करते हुए, पीएम मोदी ने एक्स पर संदेश दिया, बिल्कुल! मैं आज कुवैत में मंगल सैन हांडा जी से मिलने के लिए उत्सुक हूं। श्रेया को सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलने की पूरी उम्मीद नहीं थी, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी, (जो विदेश यात्राओं के दौरान भारतीय प्रवासियों के मुलाकात करना पसंद करते हैं), से मिले जवाब ने उन्हें बेहद खुश कर दिया।

जुनेजा ने एक्स पर कहा, आपसे प्रतिक्रिया पाना हमारे लिए सम्मान की बात है, सर! आपने एक बार फिर हमारा दिल जीत लिया है। नानाजी मंगल सैन हांडा बहुत खुश हैं और उनकी मुस्कान हमारे लिए बहुत मायने रखती है। हम इस दयालु व्यवहार के लिए बहुत आभारी हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुवैत में अब्दुल्ला अल बैरन और अब्दुल लतीफ अल नेसफ से मुलाकात की। अब्दुल्ला अल बैरन ने रामायण और महाभारत दोनों का अरबी में अनुवाद किया है। अब्दुल लतीफ अल नेसफ ने रामायण और महाभारत के अरबी संस्करण प्रकाशित किए हैं। उन्होंने पीएम मोदी को दोनों रामायण और महाभारत के अरबी संस्करण भेंट किए। कुवैत में सबसे बड़ा प्रवासी समूह, भारतीय समुदाय, द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

विदेश में पढ़ने वाले भारतीयों की संख्या में 50% से ज्यादा की वृद्धि

- वर्ष 2019 में विदेश में पढ़ने वाले भारतीयों की संख्या 5,86,337 थी
- वर्ष 2023 में बढ़कर 8,92,989 हो गई, सबसे ज्यादा पढ़ रहे अमेरिका, कनाडा व यूके में

ब्यूरो

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने 19 दिसंबर 2024 को राज्यसभा में बताया कि बीते पांच वर्ष में विदेश में पढ़ने वाले भारतीयों की संख्या में 52.2% की बढ़ोतरी हुई है। वर्ष 2019 में विदेश में पढ़ने वाले भारतीयों की संख्या 5,86,337 थी, जो वर्ष 2023 में बढ़कर 8,92,989 हो गई।

शिक्षा मंत्रालय ने बताया कि विदेश में रह रहे 8,92,989 भारतीय छात्रों में से सबसे बड़ा समूह अमेरिका में है, जहां 2,34,473 छात्र पढ़ रहे हैं। इसके बाद कनाडा में 2,33,532 और यूनाइटेड किंगडम (यूके) में 1,36,921 छात्र हैं। शिक्षा मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2019 से विदेश में अध्ययन करने का विकल्प चुनने वाले भारतीयों की संख्या में लगातार वृद्धि हुई है। वर्ष 2020 को छोड़कर, जब यह आंकड़ा 55.7% घटकर 2,59,655 रह गया था। यह गिरावट कोविड-19 महामारी के दौरान दुनिया भर में लगाए गए प्रतिबंधों के कारण थी, जिसके कारण वर्ष 2019 और वर्ष 2020 के बीच कई शैक्षणिक संस्थानों को कक्षाओं को पूरी तरह से ऑनलाइन करना पड़ा था।

केरल से सीपीआई (एम) सांसद वी. शिवदासन द्वारा पूछे गए सवालों के जवाब में शिक्षा राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार ने एक लिखित जवाब में कहा कि शिक्षा मंत्रालय उच्च अध्ययन के लिए विदेश जाने वाले भारतीय छात्रों से संबंधित डाटा नहीं रखता है, लेकिन उसके पास गृह मंत्रालय (एमएचए) के आव्रजन ब्यूरो (बीओआई) द्वारा प्रदान की गई जानकारी है कि पिछले पांच वर्षों में विदेश जाने के दौरान कितने भारतीयों ने अपनी यात्रा का उद्देश्य 'अध्ययन या शिक्षा' बताया है।

सबसे अधिक संख्या में भारतीय छात्रों की मेजबानी करने वाले शीर्ष तीन देशों में से एक कनाडा है, जहां भारतीय छात्रों के नामांकन में 76% की वृद्धि हुई है, जो वर्ष 2019 में 132,620 से बढ़कर वर्ष 2023 में 233,532 हो गई है। यह वृद्धि दोनों देशों के बीच बढ़ते राजनयिक तनाव के बावजूद हुई है। ये तनाव दिसंबर 2020 में कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की भारतीय किसानों के विरोध प्रदर्शन का समर्थन करने वाली टिप्पणियों के बाद शुरू हुआ था। अक्टूबर 2023 में कनाडा ने भारत से 41 राजनयिकों को वापस बुला लिया था, जब भारत सरकार ने उनकी डिप्लोमैटिक इम्युनिटी को रद्द करने और उनके परिवारों के लिए सुरक्षा वापस लेने की योजना की घोषणा की। अक्टूबर 2024 में स्थिति और बिगड़ गई, जब दोनों देशों ने सिख अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या पर आरोप-प्रत्यारोप के बीच एक-दूसरे के राजनयिकों को निष्कासित कर दिया। मालूम हो कि 18 जून, 2023 को कनाडा में एक गुरुद्वारे के बाहर हरदीप सिंह निज्जर की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। हालांकि, इस वर्ष से कनाडा ने कुछ ऐसी नीतियों को अपनाया है, जिससे वहां अन्य विदेशी छात्रों के साथ-साथ भारतीय छात्रों की संख्या भी कम हो सकती है। अमेरिका, जहां एमआईटी, स्टेनफोर्ड, हार्वर्ड और यूसी बर्कले जैसे प्रतिष्ठित संस्थान हैं, ने भारतीय छात्रों की संख्या में 91% की वृद्धि दर्ज किया, जो वर्ष 2019 में 122,535 से बढ़कर वर्ष 2023 में 234,473 हो गई। इस बीच, यूनाइटेड किंगडम में 273.9% की वृद्धि देखी गई।

बांग्लादेश में 3 मंदिरों में तोड़फोड़, एक गिरफ्तार

नई दिल्ली। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, बदमाशों ने बांग्लादेश में तीन हिंदू मंदिरों को निशाना बनाया। इस दौरान मैमनसिंह और दिनाजपुर जिलों में आठ मूर्तियों को खंडित किया गया। पुलिस ने पुष्टि की है कि कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने इनमें से एक घटना के सिलसिले में 27 वर्षीय एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया है। मंदिर सूत्रों और स्थानीय लोगों के मुताबिक हलुआघाट पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी अबुल खैर ने शनिवार को बताया कि बदमाशों ने शुक्रवार तड़के हलुआघाट के शाकुई यूनियन में बोंदरपारा मंदिर की दो मूर्तियों को खंडित कर दिया। मैमनसिंह में गुरुवार और शुक्रवार की तड़के दो मंदिरों में तीन मूर्तियों को नष्ट कर दिया गया। हलुआघाट के शाकुई यूनियन में बोंदरपारा मंदिर पर शुक्रवार को हमला किया गया था, जबकि एक दिन पहले बीलडोरा संघ में पोलाशकंद काली मंदिर में एक और मूर्ति को खंड़ित दिया गया था।

यादव हाई कोर्ट के जज बनने लायक नहीं : जस्टिस चंद्रचूड़

ब्यूरो

- तत्कालीन सीजेआई जस्टिस दीपक मिश्रा को भेजे पत्र में लिखा था
- पूर्व सीजेआई जस्टिस चंद्रचूड़ उस समय सुप्रीम कोर्ट के जज थे

नई दिल्ली। इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज शेखर कुमार यादव इलाहाबाद हाईकोर्ट परिसर में विश्व हिंदू परिषद के लीगल सेल की तरफ से आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल हुए। समान नागरिक संहिता विषय पर बोलते हुए जज यादव ने उसका पुरजोर समर्थन किया। उन्होंने मुस्लिमों की चार शादियों को गलत बताया। इस्लाम के मुकाबले हिंदू धर्म को ज्यादा सहिष्णु बताया। जस्टिस यादव ने कहा, मुझे ये कहने में कोई संकोच नहीं है कि यह हिंदुस्तान है... और देश हिंदुस्तान में रहने वाले बहुसंख्यकों के अनुसार चलेगा। जज यादव इस तरह विवादित टिप्पणियों के कारण चर्चा में हैं। विपक्ष के कुछ सांसदों ने उन्हें हटाने के लिए संसद में नोटिस देकर महाभियोग की प्रक्रिया भी शुरू की है। इधर, सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम ने जस्टिस यादव को तलब कर कड़ी फटकार लगाते हुए चेतावनी दी है। लीगल न्यूज वेबसाइट 'लीफलेट' ने दावा किया है कि सुप्रीम कोर्ट का जज रहते हुए पूर्व सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने जस्टिस यादव की नियुक्ति का कड़ा विरोध किया था। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के तत्कालीन सीजेआई से दो टूक कहा था कि यादव हाई कोर्ट का 'जज बनने लायक' नहीं हैं। दूसरी तरफ, पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ ने भी एक अन्य लीगल न्यूज वेबसाइट लाइव लॉ से बातचीत में कहा, 'यह सच है कि मैंने शेखर यादव के साथ-साथ कई अन्य नामों का भी विरोध किया था, जिसका कारण नेपोटिज्म, संबंधों और अन्य पूर्वाग्रहों से जुड़ा हुआ था।' उन्होंने आगे कहा कि किसी जज का रिश्तेदार होना अपने आप ही अयोग्यता का कारण नहीं हैं।

पूर्व सीजेआई ने कहा कि मौजूदा जजों को हमेशा ध्यान रखना चाहिए के वे क्या बोल रहे हैं, भले ही वे अदालत के अंदर हों या बाहर। उनके बयानों से ऐसा संदेश नहीं जाना चाहिए, जिससे न्यायपालिका के बारे में ये धारणा बने कि वह पक्षपाती है। चंद्रचूड़ ने यादव के आरएसएस से संबंध होने, अभी केंद्र में एक मंत्री, जो तब बीजेपी से राज्यसभा सदस्य थे, से उनकी करीबी और पर्याप्त अनुभव की कमी के आधार पर उनके जज बनाए जाने का विरोध किया था।

'लीफलेट' ने सुप्रीम कोर्ट के दस्तावेज के विश्लेषण के आधार पर अपनी रिपोर्ट में ये दावा किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, जस्टिस चंद्रचूड़ जब सुप्रीम कोर्ट के जज थे, तब 2018 में तत्कालीन सीजेआई दीपक मिश्रा ने उनसे तब वकालत कर रहे शेखर यादव की इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज के तौर पर नियुक्ति को लेकर उनकी राय मांगी थी। 14 फरवरी 2018 को इलाहाबाद हाईकोर्ट के तत्कालीन चीफ जस्टिस दिलीप बाबासाहेब भोसले की अगुआई वाले हाईकोर्ट कॉलेजियम ने जज बनाए जाने के लिए 33 वकीलों के नाम को भेजा था। चूंकि जस्टिस चंद्रचूड़ सुप्रीम कोर्ट का जज बनने से पहले इलाहाबाद हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस रह चुके थे, इसलिए तत्कालीन सीजेआई दीपक मिश्रा ने इन नामों पर उनकी राय मांगी थी। 'लीफलेट' अपनी रिपोर्ट में आगे लिखता है कि जस्टिस चंद्रचूड़ ने 13 अगस्त 2018 को तत्कालीन सीजेआई दीपक मिश्रा को खत लिखा। खत में उन्होंने यादव के कथित तौर पर अपर्याप्त अनुभव, उनके आरएसएस से संबंधों और तब बीजेपी के एक राज्यसभा सदस्य जो अब केंद्र में मंत्री हैं, उनसे यादव की करीबी का जिक्र करते हुए कहा था कि वह जज बनने लायक नहीं हैं। चंद्रचूड़ ने यादव को लेकर अपने नोट के आखिर में लिखा, 'वह हाई कोर्ट का जज नियुक्त किए जाने के लायक नहीं हैं।' महत्वपूर्ण यह है कि जिन 33 वकीलों ने नाम पर जस्टिस चंद्रचूड़ से सलाह मांगी गई थी, उन्होंने उनमें से केवल 6 नामों का ही समर्थन किया। 22 नामों के लिए जस्टिस चंद्रचूड़ ने अपने नोट में लिखा कि वे 'इलाहाबाद हाई कोर्ट का जज नियुक्त किए जाने लायक नहीं' हैं।

हर साड़ी एक कहानी कहती है : निमरत कौर

मुंबई। विश्व साड़ी दिवस के अवसर पर शनिवार को अभिनेत्री निमरत कौर ने सोशल मीडिया पर एक संदेश साझा किया। अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें पोस्ट की, जिसमें वह एक खूबसूरत काली साड़ी में दिखाई दे रही हैं। अलग-अलग पोज देते हुए अभिनेत्री ने खुद के वीडियो भी शेयर किए। अभिनेत्री ने तस्वीरों के साथ लिखा, हर साड़ी एक कहानी कहती है। क्या आप मेरी कहानी पढ़ सकते हैं? अभिनेत्री कौर की पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए एक फैन ने लिखा, सुंदरता। दूसरे फैन ने कहा, कितनी प्यारी फोटो है! विश्व साड़ी दिवस हर साल 21 दिसंबर को मनाया जाता है, जो साड़ी की सुंदरता, सांस्कृतिक महत्व और स्थायी विरासत के लिए वैश्विक स्तर पर समर्पित है।

श्री श्री रविशंकर के नेतृत्व में किया ध्यान

अध्यात्मिक गुरु ने कहा, ध्यान से प्राप्त होती है आंतरिक सुरक्षा और शांति

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र। विश्व ध्यान दिवस की पूर्व संध्या पर अध्यात्मिक गुरु और 'आर्ट ऑफ लिविंग' के संस्थापक श्री श्री रविशंकर ने शुक्रवार (20 दिसंबर) को संयुक्त राष्ट्र संघ में आयोजित ध्यान सत्र का नेतृत्व किया। इस दौरान उनकी अगुवाई में करीब 18 मिनट तक वहां मौजूद सभी लोगों ने ध्यान किया। बता दें संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 21 दिसंबर को विश्व ध्यान दिवस के रूप में घोषित किया है। शुक्रवार को उस समय, सुरक्षा परिषद में तीखी बहस चल रही थी, जिसमें 'अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए खतरे' पर चर्चा हो रही थी। इससे पहले दिन में 'सशस्त्र संघर्षों में बच्चे', मध्य पूर्व और अफ्रीका में तनाव और यूक्रेन युद्ध जैसे विषयों पर चर्चा हो चुकी थी।

ट्रस्टीशिप काउंसिल चैंबर में शांति के माहौल में, रविशंकर ने विश्व ध्यान दिवस की पूर्व संध्या पर संयुक्त राष्ट्र में 'वैश्विक शांति और सद्भाव के लिए ध्यान' कार्यक्रम की अध्यक्षता की, जिसे इस महीने महासभा द्वारा नवगठित किया गया था। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र में शांति और सुरक्षा के बारे में काफी चर्चा होती है। ध्यान से आंतरिक सुरक्षा और आंतरिक शांति प्राप्त हो सकती है, जिससे विश्व एक बेहतर स्थान बन सकता है। आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन के संस्थापक रविशंकर ने कहा, मैं सभी देशों से शांति शिक्षा पर थोड़ा और ध्यान देने की अपील करता हूं। आइए हम अपने युवाओं को सिखाएं कि कैसे आराम करें, कैसे रोजाना तनाव से छुटकारा पाएं, कैसे अपनी नकारात्मक भावनाओं को संभालें और कैसे केंद्रित रहें। बता दें कि इसी 6 दिसंबर को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने भारत, लिकटेंस्टीन, श्रीलंका, नेपाल, मैक्सिको और अंडोरा के एक मुख्य समूह द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव को सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया। साथ ही विंटर सोलस्टिइस डे के अवसर पर मनाए जाने वाले इस कार्यक्रम का कई अन्य देशों ने भी समर्थन किया।

दुनिया भर में मना पहला 'विश्व ध्यान दिवस'

नई दिल्ली। 'विश्व ध्यान दिवस' के अवसर पर विदेश में भारतीय मिशनों में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संयुक्त राष्ट्र में भारत ने यूएन ट्रस्टीशिप काउंसिल में 'वैश्विक शांति और सद्भाव के लिए ध्यान' कार्यक्रम की मेजबानी की। यूएन में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने प्राचीन भारतीय अभ्यास 'ध्यान' पर चर्चा की और इसे आंतरिक शांति और सद्भाव प्राप्त करने का एक साधन बताया। ध्यान को वैश्विक मान्यता मिलने पर गर्व व्यक्त करते हुए हरीश ने कहा, मुझे खुशी है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष फिलेमोन यांग, परिचालन सहायता के अवर महासचिव अतुल खरे, आध्यात्मिक नेता श्री श्री रविशंकर और अन्य लोग शुभ अवसर पर हमारे साथ शामिल हुए। लाओस की राजधानी वियनतियाने में, भारतीय दूतावास ने आर्ट ऑफ लिविंग लाओस और हॉलिडे इन वियनतियाने के सहयोग से इस दिवस को सेलीब्रेट किया। लाओस में भारतीय राजदूत प्रशांत अग्रवाल ने मौजूद लोगों को शांति, सद्भाव और व्यक्तिगत कल्याण के लिए ध्यान अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने सरल ध्यान तकनीकों का भी अभ्यास किया।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अभय सिंह सैनी द्वारा आर डी प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स (प्राइवेट) लिमिटेड A -24 सेक्टर 8 नोएडा से मुद्रित एवं नियर शिव मंदिर ग्राम बैंसी (204) नूंह हरियाणा से प्रकाशित संपादक: अभय सिंह सैनी आर एन आई नंबर : HARBIL/2022/87426 (प्रकाशित लेखों के लेखकों की राय से संपादक या प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं) किसी भी वाद विवाद की स्थिति में जिला नूंह न्यायलय ही मान्य होगा

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का संभवत: शेड्यूल आया सामने, भारत-पाक मैच इस तारीख से

खेल डैस्क। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के शेड्यूल को लेकर अहम जानकारी सामने आई है। टीम इंडिया अपना पहला मैच बांग्लादेश के खिलाफ खेल सकती है। यह मैच 20 फरवरी को होगा। भारतीय टीम अपने अन्य दो मुकाबले पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलेगी। दोनों मैचों का वेन्यू क्या होगा, यह अभी साफ नहीं हो पाया लेकिन इसे श्रीलंका के कोलंबो या यूएई के दुबई में करवाया जा सकता है। इस पर आधिकारिक बयान आना बाकी है। कयास लगाए जा रहे हैं कि भारत और पाकिस्तान के बीच 23 फरवरी को मैच खेला जा सकता है। टीम इंडिया पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ एक ग्रुप में है।

इन दो ग्रुपों में बांटी जाएंगी टीमें

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए दो ग्रुप बनेंगे। इसमें भारत, पाकिस्तान, न्यूजीलैंड और बांग्लादेश को ए ग्रुप में रखा जाएगा। वहीं ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका और अफगानिस्तान बी ग्रुप में। अफगानिस्तान ने बीते कई महीनों से परफॉर्मेंस में काफी सुधार किया है। उन्होंने पाकिस्तान समेत कई बड़ी टीमों को मात दी है।

टीम इंडिया कहां खेलेगी अपने मैच

आईसीसी ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए हाइब्रिड मॉडल को अप्रूव कर दिया है। अब भारतीय टीम अपने मैच पाकिस्तान में खेलने नहीं जाएगी। वहीं, पाकिस्तान टीम भी साल 2027 तक भारत में नहीं आएगी। दोनों टीमें किसी अन्य स्थानों पर मैच खेलती नजर आएंगी। बताया जा रहा है कि भारत और पाक के बीच आगामी मुकाबला कोलंबो या दुबई में हो सकता है। इन दोनों में से ही किसी एक शहर को चुनने की संभावना है।

ऐसा हो सकता है चैंपियंस ट्रॉफी में टीम इंडिया का शेड्यूल

भारत बनाम बांग्लादेश - 20 फरवरी
भारत बनाम पाकिस्तान - 23 फरवरी
भारत बनाम न्यूजीलैंड - 2 मार्च

भारत का चैंपियंस ट्रॉफी में प्रदर्शन

चैंपियंस ट्रॉफी में भारत का रिकॉर्ड बहुत ही अच्छा रहा है। भारत ने इस टूर्नामेंट में 2002, 2013 और 2017 में भाग लिया और 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी जीतने में सफलता पाई। 2002 में भारत और पाकिस्तान में फाइनल हुआ था। उक्त मैच बारिश के कारण बिना किसी परिणाम के समाप्त हो गया। दोनों देशों को संयुक्त विजेता

घोषित किया गया। साल 2006 में भारत आगे नहीं बढ़ पाया था। 2009 में भारत ने सेमीफाइनल गंवा दिया था। 2013 में वह इंग्लैंड और वेल्स में इंग्लैंड को हराकर चैंपियंस ट्रॉफी जीतने में कामयाब रही। 2017 में हुई चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में भारत पहुंचा था लेकिन पाकिस्तान खिताब जीतने में सफल रही थी।

रॉबिन उथप्पा के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला, गिरफ्तारी वारंट जारी

बेंगलुरु (कर्नाटक) (एजेंसी)। भविष्य निधि (पीएफ) मामले से संबंधित कर्मचारियों और सरकार को धोखा देने के एक कथित मामले में भारत के पूर्व बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी हुआ है। सेंटोरस लाइफस्टाइल ब्रांड्स प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक के रूप में, उथप्पा पर कर्मचारियों और सरकार को वेतन से पीएफ योगदान में कटौती करने लेकिन कर्मचारी खातों में धनराशि जमा करने में विफल रहने का आरोप है। कंपनी पर कथित तौर पर 23.36 लाख रुपए का हर्जाना बकाया है, जिसे अधिकारी उथप्पा से वसूलना चाहते हैं।

धोखाधड़ी के आरोप में क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त शादक्षीरी गोपाल रेड्डी ने 4 दिसंबर, 2024 को एक पत्र जारी कर पुलकेशी नगर पुलिस को उथप्पा को गिरफ्तार करने का निर्देश दिया। इसी पृष्ठभूमि में पुलिस रॉबिन उथप्पा के घर नोटिस जारी करने गई थी. वर्तमान में, वह उस पते पर नहीं रहता है। इसलिए रॉबिन उथप्पा के लिए वारंट जारी कर दिया गया है।

बयान में लिखा गया है कि आपको सूचित किया जाता है कि टीके कृष्णा दास, जो एम/एस सेंटोरस लाइफस्टाइल ब्रांड्स प्राइवेट लिमिटेड (ईएसटी कोड (पीवाई/केआरपी/1524922) के निदेशक हैं, इंदिरानगर में एचएएल सेकेंड स्टेज में संबोधित हैं, धारा 7ए के तहत नुकसान की भरपाई करने में विफल रहे हैं। कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) और विविध प्रावधान (एमपी) अधिनियम, 1952 की धारा 14बी, और 7क्यू के तहत रु. 23,36,602, जिसमें वसूली के 6,550 रुपए भी शामिल हैं। बयान में आगे कहा गया- इसलिए, आपसे अनुरोध है कि उपरोक्त प्रतिष्ठान के निदेशक रॉबिन उथप्पा की गिरफ्तारी के संलग्न वारंट को उस थाना प्रभारी के माध्यम से निष्पादित करें, जिसके अधिकार क्षेत्र में नियोक्ता रहता है। बकाया भुगतान न करने के कारण, यह कार्यालय गरीब श्रमिकों के भविष्य निधि खातों का निपटान करने में असमर्थ है। उपरोक्त को देखते हुए, आपसे अनुरोध है कि उस थाना प्रभारी के माध्यम से गिरफ्तारी के संलग्न वारंट को निष्पादित करें जिसके अधिकार क्षेत्र में उथप्पा रहता है। बता दें कि उथप्पा ने 59 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है और इंडियन प्रीमियर लीग में तगड़े बल्लेबाज रहे हैं।

लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे तेज शतक बनाने वाले भारतीय बने अनमोलप्रीत सिंह

अहमदाबाद (एजेंसी)। पंजाब के अनमोलप्रीत सिंह ने विजय हजारे एक दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट के ग्रुप सी में अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ केवल 35 गेंद पर शतक जड़ा जो लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे तेज शतक का भारतीय रिकॉर्ड है। अनमोलप्रीत की इस तूफानी पारी की बदौलत पंजाब ने अरुणाचल प्रदेश को नौ विकेट से करारी शिकस्त दी। अनमोलप्रीत को पिछले महीने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की नीलामी में कोई खरीदार नहीं मिला था लेकिन अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ उन्होंने अपने आक्रामक तेवरों का खुलकर प्रदर्शन करते हुए पूर्व भारतीय ऑलराउंडर यूसुफ पठान का रिकॉर्ड तोड़ा।

जिन्होंने 2009-10 में बड़ौदा की तरफ से महाराष्ट्र के खिलाफ 40 गेंद पर शतक लगाया था। अगर विश्व रिकॉर्ड की बात करें तो अनमोलप्रीत की पारी लिस्ट ए में सबसे तेज शतकों की सूची में तीसरे नंबर पर है। रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के जेक-फ्रेजर मैकगर्क के नाम पर है जिन्होंने 2023 24 में दक्षिण ऑस्ट्रेलिया की तरफ से तस्मानिया के खिलाफ केवल 29 गेंद पर शतक जड़ दिया था। उनके बाद दक्षिण अफ्रीका के एबी डिविलियर्स का नंबर आता है जिन्होंने 2014-15 में वेस्टइंडीज के खिलाफ जोहानिसबर्ग में 31 गेंद पर शतक बनाया था।

दाएं हाथ के बल्लेबाज अनमोलप्रीत ने 45 गेंद पर नाबाद 115 रन बनाए जिसने 12 चौके और नौ छक्के शामिल हैं। उनकी इस पारी की मदद से पंजाब ने केवल 12.5 ओवर में 165 रन का लक्ष्य हासिल कर दिया। पंजाब ने एक विकेट पर 167 रन बनाए। कप्तान अभिषेक शर्मा (10) के जल्दी आउट होने के बाद अनमोलप्रीत ने प्रभसिमरन सिंह (नाबाद 35) के साथ दूसरे विकेट के लिए 153 रन की अटूट साझेदारी करके टीम को आसान जीत दिलाई। इससे पहले अरुणाचल प्रदेश की टीम 164 रन पर आउट हो गई थी। पंजाब की तरफ से तेज गेंदबाज अश्वनी कुमार और लेग स्पिनर मयंक मारकंडे ने तीन-तीन विकेट लिए।

कोहली अंतर पैदा कर देंगे : बॉक्सिंग डे टेस्ट पर बोले पूर्व कोच संजय बांगड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व मुख्य कोच संजय बांगड़ का मानना है कि मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में होने वाला बॉक्सिंग डे टेस्ट एकदम सही है। विराट कोहली के पास इस अवसर पर आगे बढ़ने और खुद को भारत की बल्लेबाजी लाइनअप के आधार के रूप में फिर से स्थापित करने का अवसर है। फिलहाल बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 1-1 से बराबरी पर है। यह मैच जीतते ही भारत की विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में पहुंचने की संभावनाएं मजबूत हो जाएंगी। मौजूदा सीरीज में कोहली का फॉर्म मिला-जुला रहा है। जहां पर्थ में उनके शतक ने भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई, वहीं अन्य मैचों में उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा। 6 पारियों में 30 की औसत से केवल 126 रन बनाने वाले कोहली निरंतरता बनाए रखने में विफल रहे हैं। अपने पर्थ शतक को छोड़कर उन्होंने 5 पारियों में केवल 26 रन बनाए हैं।

टेस्ट सीरीज में कोहली एक बार फिर से ऑफ-स्टंप के बाहर की डिलीवरी पर फंसते नजर आ रहे हैं।

ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने इस कमजोरी का जमकर फयदा भी उठाया है। हालांकि, पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने इस बात पर जोर दिया कि क्रीज पर धैर्य और शांत रवैया कोहली के लिए इन संघर्षों का इलाज हो सकता है। बांगड़ ने कहा कि कभी-कभी आपको एक बल्लेबाज के रूप में अपनी स्थिति को थोड़ा नियंत्रण में रखने की आवश्यकता होती है। जब आप खेल के प्रति थोड़ा समर्पण करते हैं, थोड़ा समय बिताते हैं, कुछ समय के लिए बीच में आराम करते हैं, गेंदबाज के आपके पास आने का इंतजार करते हैं, और खुद गेंदबाज के पास नहीं जाते हैं, यह एक बड़े खिलाड़ी की निशानी है।

एमसीजी का मैदान पर कोहली के लिए रन लेकर आता है। इस मैदान पर वो 52.66 की औसत से 316 रन बना चुके हैं। 2014 के बॉक्सिंग डे टेस्ट में उन्होंने इसी मैदान पर 169 रन बनाए थे। मेलबर्न की पिच उछाल के लिए जानी जाती है, ऐसी परिस्थितियां अक्सर कोहली को रास आती हैं। बांगड़ ने कहा कि कोहली को अपने फ्रंट पैड के करीब गेंदों को खेलने पर ध्यान देने की जरूरत है, एक ऐसा तरीका जो उन्हें लय और प्रवाह हासिल करने में मदद कर सकता है। जितनी संभव हो उतनी गेंदें अपने फ्रंट पैड के करीब खेलें और फिर रन बनेंगे। इस हाई-स्टेक मुकाबले में विराट की भूमिका अंतर पैदा करने वाली हो सकती है। उन्होंने एमसीजी में पहले भी ऐसा किया है और ऐसा कोई कारण नहीं है कि वह दोबारा ऐसा नहीं कर सकें।

फॉलोऑन टालने पर भारतीय टीम के जश्न मानने को गलत नहीं मानते शास्त्री

मुम्बई ।भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में फॉलोऑन टालने के बाद जश्न मनाने में कुछ भी गलत नहीं था ।गाबा में मैच के चौथे दिन, आकाश दीप ने पैट कमिंस की गेंद पर चौका लगाकर फॉलोऑन खेलने से भारतीय टीम को बचा लिया ।इसके बाद कप्तान रोहित शर्मा, मुख्य कोच गौतम गंभीर और विराट कोहली भी ड्रेसिंग रूम में जश्न मनाते दिखे ।वहीं ऑस्ट्रेलियाई प्रशंसकों ने इसपर हैरानी जतायी है ।शास्त्री के अनुसार इसमें कुछ भी गलती नहीं दिखती ।आपको क्यों नहीं जश्न मनाना चाहिए ।कठिन हालातों में अंतिम जोड़ी का 35 से 36 रन बनाकर फॉलो-ऑन टालना आसान बात नहीं है ।जश्न ने दिखाया कि वे सीरीज को लेकर उस प्रयास के महत्व को जानते थे ।' शास्त्री ने कहा, फॉलो-ऑन करना एक बात है, फिर पिछड़ना एक बात है, जबकि आप आगे बढ़कर ऑस्ट्रेलियाई शीर्ष क्रम को हिला देते हैं ।यह पूरी तरह से सही है ।

आईसीसी ने स्टंप पर लात मारने वाले क्लासेन पर जुर्माना लगाया

दुबई ।अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन पर आईसीसी आचार संहिता के लेवल एक नियम के उल्लंघन के लिए जुर्माना लगाया है ।क्लासेन पर ये जुर्माना पाकिस्तान के खिलाफ खेले गए दूसरे एकदिवसीय में 97 रन पर आउट होने के बाद गुस्से में स्टंप पर लात मारने के लिए लगाया है। आईसीसी ने उनकी मैच फीस का 15 फीसदी जुर्माना लगाया है ।क्लासेन ने इस मैच में शानदार बल्लेबाजी की थी ।उन्होंने 74 गेंदों पर 97 रन बनाये , जिससे दक्षिण अफ्रीका की टीम 330 रनों तक पहुंच पायी ।क्लासेन ने अंत तक बल्लेबाजी की और 43वें ओवर में आउट होने वाले अंतिम बल्लेबाज रहे ।इस मैच में अफ्रीकी टीम को 81 रनों से हार का सामना करना पड़ा ।हार गई. आउट होने के बाद निराश हुए क्लासेन ने स्टंप पर लात मारी, जिसके कारण आईसीसी ने उनपर जुर्माना लगाया ।इस मैच में पाकिस्तान की जीत में बाबर आजम और कप्तान मोहम्मद रिजवान के अर्धशतकों की अहम भूमिका रही ।इसके अलावा कामरान गुलाम ने भी 32 गेंदों में 63 रन बनाये ।

अभी मेरा ध्यान उत्तर प्रदेश की टीम को विजय हजारे ट्रॉफी जिताना : रिंकू

लखनऊ ।विजय हजार ट्रॉफी में पहली बार उत्तर प्रदेश टीम की कप्तानी कर रहे रिंकू सिंह बेहद उत्साहित हैं ।रिंकू ने कहा रिंकू को ऐसे समय में कप्तानी का प्रभार मिला है, जब उनकी आईपीएल टीम कोलकाता नाइट राइडर्स, आईपीएल 2025 सीज़न के लिए कप्तान चुनने पर विचार कर रही है ।हालांकि रिंकू ने कहा कि उनका ध्यान अभी उत्तर प्रदेश की टीम को विजय हजारे ट्रॉफी जिताने पर है। उन्होंने कहा, मैं नए आईपीएल सीज़न में केकेआर की कप्तानी के बारे में ज्यादा नहीं सोच रहा हूं। मैं अपनी योजनाओं पर ध्यान केंद्रित कर रहा हूं जिससे उत्तर प्रदेश की टीम उस ट्रॉफ़ी को फिर से जीत सके, जो हमने पहली बार 2015-16 में जीती थी ।यह टूर्नामेंट चयनकर्ताओं को फ़रवरी में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफ़ी के लिए भी एकदिवसीय टीम तय करने में सहायता करेगा। रिंकू के लिस्ट-ए आंकड़े बेहद प्रभावशाली हैं ।उन्होंने 52 पारियों में 48.69 की औसत और 94.8 के स्ट्राइक रेट से कुल 1899 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और 17 अर्धशतक शामिल हैं ।रिंकू इस टूर्नामेंट को अपनी योग्यता साबित करने के मौके के रूप में नहीं देख रहे हैं ।उन्होंने कहा, मुझे भगवान पर भरोसा है ।जब मैंने पिछले साल आईपीएल में लगातार पांच छक्के मारे थे, तब मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं भारतीय टीम का हिस्सा बनूंगा। वह मेरी ज़िंदगी का सबसे बड़ा मोड़ साबित हुआ। आज भी मुझे लगता है कि अगर भगवान ने मेरे लिए कुछ तय किया है, तो मुझे वह ज़रूर मिलेगा, लेकिन इसके लिए मुझे अपनी मेहनत जारी रखनी होगी।

मैं दर्शकों की भावनाओं को समझता हूं, आईपीएल 2025 में पंजाब किंग्स को बनाएंगे चैंपियन : श्रेयस अय्यर

नई दिल्ली (एजेंसी)। साल 2024 में 4 घरेलू टूर्नामेंट जीतने वाले श्रेयस अय्यर का कहना है कि उनका आगामी लक्ष्य आईपीएल 2025 में पंजाब किंग को खिताब दिलाना है। अय्यर ने पिछले साल कोलकाता नाइट राइडर्स को खिताब दिलाया था। ऐसे में नए साल में पंजाब किंग्स को खिताब दिलाकर वह लगातार दो विभिन्न फ्रेंचाइजियों से खिताब जीतने वाले पहले कप्तान बनने की कोशिश करेंगे। श्रेयस को जीत दिलाने के मकसद से पंजाब किंग्स ने आईपीएल मेगा नीलामी में 26.75 करोड़ रुपए में खरीदा था। वह आईपीएल इतिहास के दूसरे सबसे महंगे क्रिकेटर भी हैं।

बहरहाल, श्रेयस अय्यर के लिए 2024 एक उल्लेखनीय वर्ष रहा है, क्योंकि भारत के बल्लेबाज ने कप्तान के रूप में 4 ट्रॉफियां जीतीं। उनके नेतृत्व में, मुंबई ने 2024-25 सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी

(एसएमएटी) जीती थी। बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में फाइनल में उनकी टभम ने ने मध्य प्रदेश को पांच विकेट से हराया था। बहरहाल, अपनी हाल की उपलब्धियों पर विचार करते हुए, अय्यर ने आगामी आईपीएल सीज़न के लिए अपना उत्साह साझा किया।

अय्यर ने फ्रेंचाइजी द्वारा पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा कि एसएमएटी (सैय्यद मुश्ताक अली ट्रॉफी) जीतने के बाद यह एक अवास्तविक एहसास है। पर्दे के पीछे बहुत मेहनत की गई, और लड़कों ने अपने प्रदर्शन में जबरदस्त प्रदर्शन किया। अब, हम हैं इस हिस्से के साथ काम पूरा हो चुका है और अगली बड़ी चीज की ओर बढ़ रहा हूं, जो कि आईपीएल है। मैं पंजाब किंग्स का हिस्सा बनने के लिए बेहद उत्साहित हूं और पंजाब किंग्स परिवार में शामिल होने के लिए इंतजार नहीं कर सकता।

आईपीएल 2025 सीजन की तैयारी कर रहे श्रेयस का प्राथमिक लक्ष्य स्पष्ट है- पंजाब किंग्स के लिए आईपीएल जीतना। उन्होंने कहा कि यह मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से बहुत अच्छा साल रहा है। इस सीजन में चार ट्रॉफियां जीती। मेरा मुख्य लक्ष्य अब पंजाब के लिए आईपीएल जीतना है। मैं प्रशंसकों की भावना समझता हूं और रिकी पोंटिंग के साथ आने से खुश हूं। हम कई पहलुओं पर विचार-मंथन करेंगे और उम्मीद है कि पहले मैच से ही अच्छा प्रदर्शन करेंगे।

बांग्लादेश वेस्टइंडीज मैच में बल्लेबाज को आउट दिये जाने के बाद वापस बुलाया गया

जमैका ।वेस्टइंडीज को बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे टी20 मैच में हार झेलनी पड़ी ।इस मैच में बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 189 रन बनाये ।वहीं इसका पीछा करते हुए वेस्टइंडीज टीम 109 रन ही बना पायी और 81 रनों से हार गयी ।ये मैच एक और कारण से चर्चाओं में आया है ।इस मैच में बांग्लादेश के बल्लेबाज जेकर अली को रन आउट दिये जाने के बाद ड्रेसिंग रूम से वापस बुलाया गया। बांग्लादेश की पारी के 15वें ओवर की है ।उस समय जेकर और शमीम हुसैन एक रन लेने दौड़े थे ।ओवर की तीसरी गेंद को जेकर ने स्क्वायर लेग की ओर खेला था जिसके बाद वह एक रन लेने दौड़ गये ।वहीं हुसैन ने उन्हें वापस जाने को कहा दिया ।जेकर इस दौरान आधी पिच तक पहुंच गये थे उन्होंने दौड़ जारी रखी और क्रीज पर पहुंच गये ।अंपायरों के रन आऊट दिये जाने वर वह ड्रेसिंग रूम की ओर बढ़ गए पर रिप्ले से पता चला कि वह क्रीज पार कर चुके थे जबकि हुसैन का बल्ला हवा में ही था ।अंपायरों ने फौरन अपना फैसला बदलते हुए जेकर को वापस बुला लिया ।बांग्लादेश की ओर से परवेज हुसैन ने 39 रन जबकि लिटन दास ने 14 रन बनाये ।वहीं मध्यक्रम में जेकर ने 41 गेंदों पर 3 चौके और 6 छक्कों की सहायता से 72 रन बनाए ।इसके अलावा मेहंदी हसन मिराज ने 29 रन बनाए ।तंजीम ने 12 गेंदों पर 17 रन बनाए और स्कोर 189 तक पहुंचा दिया ।इसके बाद मेजबान वेस्टइंडीज टीम 109 रनों पर ही सिमट गयी और 81 रनों से मैच हार गयी ।वेस्टइंडीज की ओर से रोमारियो ने सबसे अधिक 33 रन बनाए ।वहीं जॉनसन चार्ल्स ने भी 23 रन बनाए ।बांग्लादेश की ओर से राशिद ने 21 रन देकर 3 विकेट लिए ।

महान रेसलर रे मिस्टीरियो सीनियर का निधन, 30 साल की थी रैसलिंग

खेल डैस्क ।प्रसिद्ध मैक्सिकन पहलवान रे मिस्टीरियो सीनियर का 66 वर्ष की आयु में निधन हो गया है ।बताया जा रहा है कि पहलवान का बीते 20 दिसंबर को ही निधन हो गया था लेकिन इसकी पुष्टि परिवार ने अब की है ।मिस्टरियो सीनियर ने मेक्सिको में लुचा लिब्रे स्टाइल में प्रसिद्धि हासिल की थी। वर्ल्ड रेसलिंग एसोसिएशन और लुचा लिब्रे एएए वर्ल्डवाइड जैसे प्रमुख संगठनों के साथ उन्होंने कई चैंपियनशिप खिताब जीते थे ।उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, जिसमें 1990 में विश्व चैम्पियनशिप कुश्ती के स्टारकेड जैसे आयोजन भी शामिल थे ।अपनी ऊंची उड़ान शैली और कुश्ती में योगदान के लिए जाने जाने वाले मिस्टीरियो ने दुनिया भर में अनगिनत प्रशंसकों और एथलीटों को प्रेरित किया ।मिस्टरियो जिसका असली नाम मिगुएल एंजेल लोपेज डायस था, की मौत का खुलासा लुचा लिब्रे एएए ने एक्स अकाऊंट पर डाली एक पोस्ट से हुआ। उन्होंने उनके परिवार के लिए प्रार्थनाएं और अपनी गहरी संवेदनाएं भेजीं ।पोस्ट में लिखा है- हमें मिगुएल एंजेल लोपेज डायस की संवेदनशील मौत पर अफसोस है, जिन्हें रे मिस्टीरियो सीनियर के नाम से जाना जाता है ।हम उनके प्रियजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं और उनकी शाश्वत शांति के लिए स्वर्ग से प्रार्थना करते हैं ।

क्या है लूचा लिबरे- लूचा लिबरे मैक्सिकन पेशेवर कुश्ती है ।यह एक ऐसी शैली है जो आमतौर पर मैक्सिको से जुड़ी हुई है और अपने रंग-बिरंगे मुखौटों वाले कलाकारों और हवाई चालों के लिए जानी जाती है ।इनके सभी पहलवान मुखौटे डालकर रिंग में आते हैं ।इनमें रे मिस्टीरियो सबसे ज्यादा फेम्स हैं ।

वसीम अकरम जैसे गेंदबाज हैं बुमराह : लैंगर

सिडनी ।ऑस्ट्रेलिया के पूर्व मुख्य कोच जस्टिन लैंगर ने भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह पाकिस्तान के वसीम अकरम जैसा गेंदबाज है ।बुमराह ने अब तक ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में भारतीय टीम की ओर से सबसे अधिक विकेट लिए हैं ।बुमराह ने 10.90 की औसत से 21 विकेट लिए हैं ।उन्होंने अब तक सीरीज में सलामी बल्लेबाजों को भी 4-4 बार आउट किया है ।इसी को देखते हुए लैंगर ने कहा कि मैं भी उनका सामना नहीं करना चाहूंगा ।वह अकरम की तरह गेंदबाजी करता है ।वह एक प्रकार से अकरम का दाहिना हाथ का संस्करण नजर आता है ।वहीं जब भी मुझसे यह सवाल पूछा जाता है कि आपके सामने अब तक का सबसे अच्छा गेंदबाज कौन है, तो मैं कहता हूं अकरम क्योंकि उनके पास अच्छी गति थी ।वह हर बार एक ही स्थान पर गेंद डालते थे ।उनके बास अच्छा बाउंस थ ।वह गेंद को दोनों तरफ स्विंग करवा लेते थे ।इससा उनका सामना करना बेहद कठिन होता था ।लैंगर ने कहा कि मुझे इसी प्रकार बुमराह का सामना करने से नफरत होगी ।वह एक महान प्रतिस्पर्धी है, वह अच्छी गति से गेंदबाजी करता है और वह अद्भुत है ।मैंने सीरीज की शुरुआत में कहा था, अगर बुमराह फिट रहते हैं, तो यह ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों के लिए वास्तव में परेशानी साबित होगें जो सही रहा है ।अगर वह यहां नहीं होते तो मुझे लगता है कि ऑस्ट्रेलिया आसानी से सीरीज जीत जेती ।लैंगर ने यह भी कहा कि शीर्ष क्रम के खराब प्रदर्शन के बावजूद टीम अपनी बल्लेबाजी में कोई बदलाव नहीं करेगा ।उन्होंने कहा कि मैं उन्हें अब श्रृंखला में 1-1 से कोई बदलाव करते हुए नहीं देख सकता। कुछ खिलाड़ियों के बारे में कुछ चर्चा होगी, लेकिन मुझे लगता है कि वे इसे वैसे ही रखेंगे ।

भारत करेगा आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप 2025 की मेजबानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत को अगले साल के जूनियर विश्व कप की मेजबानी का अधिकार दिया गया है जिसमें राइफल, पिस्टल और शॉटगन की प्रतियोगितायें शामिल हैं। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। भोपाल में 2023 में सीनियर विश्व कप और इस साल की शुरुआत में सत्र के अंत में हुए विश्व कप फाइनल के बाद यह हाल के दिनों में देश का तीसरा शीर्ष अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) का टूर्नामेंट होगा जिससे दुनिया में खेल के शीर्ष स्थलों में से एक के रूप में भारत की प्रतिष्ठा मजबूत होगी।

हालांकि टूर्नामेंट की तारीखों को अभी अंतिम रूप दिया जाना बाकी है। एनआरएआई द्वारा आईएसएसएफ से आधिकारिक पुष्टि प्राप्त करने के बाद प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए राष्ट्रीय महासंघ के अध्यक्ष कलिकेश नारायण सिंह देव ने कहा, ''पिछले महीने रोम में आईएसएसएफ की कार्यकारी समिति की एक सार्थक बैठक हुई थी और सभी सदस्य महासंघों के अलावा आईएसएसएफ अध्यक्ष लुसियानो रॉसी ने भारत की शीर्ष अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी प्रतियोगिताओं की मेजबानी करने और खेल को वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ाने में मदद करने के तरीके की प्रशंसा की थी।'' उन्होंने कहा, ''हमें तब इसका अहसास हुआ था, लेकिन अब जब आधिकारिक पुष्टि हो गई है तो हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए उत्साहित हैं।'' एनआरएआई के महासचिव सुल्तान सिंह ने कहा, ''आईएसएसएफ ने अपने पत्र में हमसे दो संभावित समय की पुष्टि करने का अनुरोध किया है जिसमें एक सितंबर-अक्टूबर में और दूसरा अक्टूबर के अंत तथा नवंबर की शुरुआत के दौरान है। हम आंतरिक रूप से बैठक के बाद जल्द उनके साथ इसे साझा करेंगे ताकि सदस्य महासंघ इसके अनुसार तैयारी कर सकें।''

इससे पहले भारत ने दो महाद्वीपीय चैंपियनशिप और छह आईएसएसएफ प्रतियोगिताओं की मेजबानी की थी जिसमें दो विश्व कप फाइनल प्रतियोगितायें और चार सीनियर आईएसएसएफ विश्व कप शामिल हैं।